रांची, शनिवार
19.09.2026
वर्ष : 11, अंक : 287, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 25 सितंबर को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 25 सितंबर को होगी। बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बैठक में राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा के बाद निर्णय लिए जाने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत पार्वती देवी को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को रांची के अशोक नगर, रोड नम्बर-6, स्थित रोशन कुमार 'अंशु' के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री अंशु की दिवंगत माता पार्वती देवी के ब्रह्मभोज संस्कार कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने दिवंगत पार्वती देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति देने प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने रोशन कुमार 'अंशु' एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हुए उनका ढाढ़स बंधाया। इस दौरान कई अन्य लोग भी मौजूद थे।

पूर्व मंत्री विमला प्रधान का निधन

रांची : सिमडेगा से भाजपा की दो बार विधायक एवं सरकार में मंत्री रही विमला प्रधान का शुक्रवार की शाम लगभग नौ बजे इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 2009 और 2014 में लगातार सिमडेगा से विधायक रही। विमला प्रधान पिछले कई महीनों से लीवर की बीमारी से परेशान थी। वह इलाज के लिए पिछले दिनों हैदराबाद भी गयीं थी। उसके बाद तबीयत बिगड़ने पर पिछले दिनों मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद वह घर लौट आयी थी। फिर अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सैमफोर्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विमला प्रधान अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गयी हैं। उनमें पति के अलावा तीन पुत्र शामिल हैं। उनकी उम्र लगभग 69 वर्ष थी।

दुनिया को चिप विनिर्माण के लिए भरोसेमंद नए ठिकानों की जरूरत, भारत तैयार : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इस अवसर के लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण का पसंदीदा गंतव्य बनने की दिशा में हर जरूरी कदम उठा रहा है।

प्रधानमंत्री ने यहां यशोभूमि में सेमीकोन इंडिया-2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण की शुरूआत कर चुका है। पहले चरण में करीब आठ अरब डॉलर के व्यय की योजना थी, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 13.5 अरब डॉलर किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में नीतियों पर चर्चा हुई, बाद के चरणों में पायलट लाइन और परीक्षण की दिशा में प्रगति हुई और अब भारत वाणिज्यिक उत्पादन के चरण में पहुंच गया है।

मोदी ने कहा कि मोहाली और सूरत में दो सेमीकंडक्टर संयंत्रों में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है और भारत में बने चिप अब देश के साथ-साथ दुनिया के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में किसी देश को इस मुकाम तक पहुंचाना आसान नहीं होता, क्योंकि फैक्टरी स्थापित होने के साथ ही उत्पादन शुरू नहीं हो जाता। इसके लिए तकनीकी क्षमता और विशेषज्ञता विकसित करने में लंबा समय लगता है। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी जारी रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य फैबलेस कंपनियों की वृद्धि और बौद्धिक संपदा के सृजन को देश में बढ़ावा देना है। विभिन्न प्रकार के कंपाउंड सेमीकंडक्टर, सिलिकॉन फोटोनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी तकनीकों के विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में कई सुधार किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि अब तक 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है और अगले चरण में इनका दायरा और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने रसायन और गैसों सहित सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े क्षेत्रों की कंपनियों से भी भारत में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत उसका युवा और कुशल मानव संसाधन है। सरकार का लक्ष्य एक लाख इंजीनियरिंग छात्रों को सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए प्रशिक्षित करना है और बड़ी संख्या में युवाओं को अब तक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने भारत में शोध कर रहे युवा प्रतिभाओं के साथ विदेशों में शोध कर रहे भारतीय युवाओं से भी उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास में देश से जुड़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं से देश में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को नेतृत्व देने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे उद्योग को लाभ मिलने के साथ भारत की युवा शक्ति को भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ कंप्यूटिंग शक्ति की जरूरत तेजी से बढ़ेगी और इसके साथ बिजली की मांग भी बढ़ेगी। एआई डेटा केंद्रों में हजारों उच्च क्षमता वाले प्रोसेसर एक साथ काम कर रहे हैं और बड़ी मात्रा में डेटा का प्रसंस्करण कर रहे हैं। ऐसे में सेमीकंडक्टर संयंत्रों और डेटा केंद्रों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराना भी महत्वपूर्ण होगा। मोदी ने कहा कि भारत बिजली क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश कर रहा है। बीते दशक में देश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 160 गीगावॉट से अधिक हो गई है। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से काम हो रहा है और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने बिजली पारेषण नेटवर्क का भी विस्तार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, विशाल प्रतिभा आधार और मजबूत हो रहा बुनियादी ढांचा उसे वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव हो रहा है, भारत में विकसित हो रहे अवसरों को व्यापक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सेमीकोन इंडिया का आयोजन 2022 में शुरू हुआ था और प्रत्येक संस्करण के साथ भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा एक नए चरण में पहुंची है। इस वर्ष का आयोजन पायलट परियोजनाओं से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन की दिशा में भारत की प्रगति को दशार्ता है।

जेएससीबी घोटालाः झारखंड और ओडिशा के 7 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, कारोबारी संजय डालमिया से जुड़े परिसरों की तलाशी

बिभा संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (जेएससीबी) से जुड़े करोड़ों रुपये के घोटाले में शुक्रवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी की टीमें झारखंड और ओडिशा में कुल सात ठिकानों पर एक साथ तलाशी और जब्ती अभियान चला रही हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक की सरायकेला शाखा में हुए बड़े

वित्तीय फजीवाड़े की चल रही जांच के सिलसिले में की जा रही है। जांच में सामने आया है कि कारोबारी संजय कुमार डालमिया ने जेएससीबी के तत्कालीन बैंक अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर बैंक के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

ईडी की यह छापेमारी कारोबारी संजय डालमिया और तत्कालीन बैंक अधिकारियों से जुड़े आवासीय तथा व्यावसायिक परिसरों पर केंद्रित है। तलाशी के दौरान एजेंसी वित्तीय अनियमितताओं, अवैध लेनदेन, फंड डायवर्जन और संपत्तियों के अधिग्रहण से जुड़े अहम दस्तावेजों व डिजिटल साक्ष्यों को खंगाल रही है। एजेंसी मामले में शामिल अन्य संदिग्धों की भूमिका और अपराध की आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) से अर्जित संपत्तियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन अस्पताल में भर्ती

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को उन्हें रांची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुबह सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. नितेश प्रिया के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम उनका इलाज कर रही है। रांची स्थित हिल व्यू अस्पताल के डॉ. नितेश प्रिया ने शुक्रवार को बताया कि रूपी सोरेन की हालत फिलहाल स्थिर है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेडिसिन विशेषज्ञ और आईसीयू की टीम उनकी निगरानी और उपचार में जुटी है। डॉ. प्रिया के अनुसार, रूपी सोरेन पेट संबंधी समस्या से भी जूझ रही हैं और इसका इलाज हैदराबाद में चल रहा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाल ही में अपनी मां को इलाज के लिए हैदराबाद लेकर गए थे और दो दिन पहले ही वहां से रांची लौटे हैं। उन्होंने बताया कि सांस लेने में परेशानी के कारणों का पता लगाने के लिए कई चिकित्सकीय जांच कराई जा रही हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सांस संबंधी समस्या के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। चिकित्सकों के अनुसार, फिलहाल रूपी सोरेन की स्थिति में सुधार है और चिंता की कोई बात नहीं है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है।

प्रधानमंत्री आज 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले के दौरान विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन

देशभर में 45 स्थानों पर किया जाएगा। इस दौरान नियुक्त होने वाले युवा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं। सरकार के अनुसार, रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें देश के विकास में अधिक भागीदारी का अवसर देने की दिशा में निरंतर प्रयास का हिस्सा है। 20वें रोजगार मेले के साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में अब तक करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके होंगे।

ओरमांझी ट्रिपल मर्डर में 11 दोषियों को उम्रकैद

एक महिला समेत सभी दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना, मकई की फसल को लेकर हुआ था विवाद

बिभा संवाददाता

रांची,। राजधानी रांची से सटे ओरमांझी के गुंजा देवनजारा गांव में हुए ट्रिपल मर्डर मामले में अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार की अदालत ने एक महिला समेत 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सभी दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

सजा पाने वालों में सहजनाथ बेदिया, राजो देवी, संजीत बेदिया, रंजीत बेदिया, हेमंत बेदिया, महेंद्र बेदिया, पंचित बेदिया, कामेश्वर बेदिया, बेदिया बेदिया, अनुज बेदिया और सूकरा मुंडा शामिल हैं। मामला 31 अगस्त 2023 का है। खेत में लगी मकई की फसल को सुअर द्वारा नुकसान पहुंचाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। इसी दौरान झामेश्वर बेदिया का सहजनाथ के परिवार के एक सदस्य से विवाद हुआ और मारपीट भी हुई थी। आरोप था कि इसी विवाद को लेकर 31 अगस्त 2023 को करीब 11 बजे सहजनाथ ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ झामेश्वर के घर पर हमला कर दिया। आरोपितों ने घर में घुसते ही मारपीट शुरू कर दी।

इसके बाद कुदाल, दबली और चापड़ से हमला कर झामेश्वर बेदिया और उसकी दोनों पत्नियों सरिता देवी तथा संजू देवी की हत्या कर दी गई। बताया गया कि मृतकों में एक महिला गर्भवती थी। घटना के समय झामेश्वर, उसकी दोनों पत्नियां और उनका भतीजा घर में मौजूद थे। आरोपितों ने घर में घुसकर तीनों पर हमला किया। इस घटना में झामेश्वर और उसकी दोनों पत्नियों की मौत हो गई।

मामले में दोषी ठहराए गए सभी आरोपी मृतक के गोतिया बताए गए हैं। अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद एक महिला सहित सभी 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

टाटानगर में 383.78 करोड़ से बनेगा वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो, रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन को वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव की आधुनिक सुविधा से जोड़ने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। रेलवे बोर्ड ने टाटानगर में वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड की ओर से गुरुवार को सांसद विद्युत वरण महतो को आधिकारिक स्वीकृति पत्र भेजा गया। डिपो के निर्माण पर 383.78 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर प्रोजेक्ट एंड डेवलपमेंट सुमित कुमार के हस्ताक्षर से जारी स्वीकृति पत्र में टाटानगर में आधुनिक वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो स्थापित किए जाने की जानकारी दी गई है। इस

परियोजना को टाटानगर और चक्रधरपुर रेल मंडल के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। डिपो बनने के बाद वंदे भारत ट्रेनों के कोचों के रखरखाव और अन्य तकनीकी कार्यों के लिए जरूरी आधारभूत संरचना टाटानगर में उपलब्ध हो सकेगी।

सांसद विद्युत बरण महतो ने इस परियोजना की स्वीकृति के लिए लंबे समय से रेलवे बोर्ड और रेल मंत्रालय के स्तर पर प्रयास किए थे। उन्होंने बताया कि हाल में संसद सत्र के दौरान भी उन्होंने रेलवे बोर्ड के निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चार बार मुलाकात कर टाटानगर में वंदे भारत कोच डिपो की आवश्यकता और इससे होने वाले लाभों को रखा था।

स्वीकृति मिलने के बाद सांसद ने गुरुवार को कहा कि टाटानगर में कोच डिपो के निर्माण से रेलवे क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और चक्रधरपुर रेल मंडल के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने परियोजना की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक और चक्रधरपुर मंडल के डीआरएम के प्रति आभार जताया। सांसद ने टाटानगर स्टेशन की भविष्य की जरूरतों को देखते हुए रेलवे बोर्ड के समक्ष चार अतिरिक्त प्लेटफॉर्म के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा है। उनका कहना है कि बढ़ती रेल गतिविधियों और भविष्य में ट्रेनों की संख्या को देखते हुए स्टेशन की क्षमता बढ़ाना जरूरी है।

डूसू मतदान संपन्न, अभाविप ने क्लीन स्वीप का दावा किया

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) और संबद्ध कॉलेजों में शुक्रवार को मतदान संपन्न होने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कई कॉलेजों में जीत को लेकर भरोसा जताया है। छात्र संगठन ने डूसू के केंद्रीय पैनल के चारों पदों पर क्लीन स्वीप करने का दावा किया है। साथ ही एबीवीपी ने विपक्षी छात्र संगठन एनएसयूआई पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। अभाविप की विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न कॉलेज छात्रसंघ चुनावों में उसके पैनल ने बड़े अंतर से जीत हासिल की है। संगठन ने दावा किया कि अदिति महाविद्यालय (सभी पद), अरविंदो कॉलेज मॉर्निंग (6-0), भारती महाविद्यालय (8 पद), शिवाजी कॉलेज (6-0) और डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज (4 पद) में परिषद के उम्मीदवारों ने क्लीन स्वीप किया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तनूख्वा में मस्जिद में धमाका, 15 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक मस्जिद के करीब जोरदार धमाका हुआ। इसमें कम-से-कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। घायलों में कुछ पुलिसकर्मी भी हैं।

पाकिस्तान के जिओ न्यूज के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले के पुलिस लाइंस इलाके में एक मस्जिद के पास हुए धमाके में कम-से-कम 15 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। जिला मुख्यालय अस्पताल के एमएस ताहिर अली शाह ने जियो न्यूज को बताया कि धमाके के बाद 15 शव और 50 से ज्यादा घायल लोगों को अस्पताल लाया गया। पुलिस के मुताबिक, धमाका शुक्रवार की नमाज के दौरान हुआ और इससे मस्जिद के बाहर एक गड्ढा बन गया; घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि धमाके के बाद पुलिस लाइंस में अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई। बचाव कर्मियों के मुताबिक धमाके से मस्जिद का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एक दीवार भी गिर गई। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इलाज के लिए कम-से-कम 25 घायलों को अस्पताल लाया गया।

इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जुल्फिकार हमीद ने बताया कि धमाके से पहले विस्फोटक से लदी एक गाड़ी पुराने पुलिस लाइंस गेट से टकराई थी। आईजीपी हमीद ने बताया, गाड़ी गेट से टकराई और फिर उसमें धमाका हुआ, साथ ही गोलीबारी भी हुई।

उन्होंने कहा कि धमाका एक आत्मघाती हमला था और गोलीबारी के दौरान स्पेशल ब्रांच की इमारत में एक और आत्मघाती धमाका हुआ। आईजीपी हमीद ने रीजनल पुलिस ऑफिसर, कोहाट से रिपोर्ट मांगी है।

एसबीयू में आइडियाथॉन 2026 का आयोजन, उद्यमिता प्रकोष्ठ का हुआ शुभारंभ, 77 टीमों ने पेश किए नवाचार

बिभा संवाददाता

रांची: सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के तत्वावधान में कन्वर्टिंग आइडियाज इनटू इम्पैक्ट विषय पर शुक्रवार को ह्यआइडियाथॉन 2026ह्ल का भव्य आयोजन किया गया। विवि के जी.डी. बिरला सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने शिरकत की। इस मौके पर विश्वविद्यालय में नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'उद्यमिता प्रकोष्ठ' का विधिवत शुभारंभ भी किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि वर्तमान दौर में केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग वास्तविक जीवन की चुनौतियों और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए होना चाहिए। शिक्षा को व्यावहारिक और प्रयोग आधारित बनाना समय की मांग है। किसी भी बड़े बदलाव की नींव एक विचार से पड़ती है, जिसे नवाचार और सही दिशा देकर समाज में सार्थक परिवर्तन लाया जा सकता है।

समारोह में एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने विद्यार्थियों को लीक से हटकर सोचने, रचनात्मकता अपनाने और समाजोपयोगी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया। स्वागत भाषण वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. संदीप कुमार ने दिया, जबकि फ्लोक्सस के संस्थापक हतिक शुभम और ए-स्क्वेयर्ड के निदेशक प्रवीण शर्मा ने युवाओं के साथ स्टार्टअप व कौशल विकास से जुड़े अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के जरिए सामाजिक मुद्दों पर संदेश भी दिया गया।

प्रतियोगिता सोचें- नवाचार करें -सृजन करें -प्रभाव उत्पन्न करें की थीम पर आधारित थी, जिसमें कुल 77 पंजीकृत टीमों ने पर्यावरण, तकनीक, स्वास्थ्य और सामाजिक विषयों पर 6 समानांतर सत्रों में चार स्लाइड की प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट टीमों के लिए 5,000, 3,000 और 2,000 का नकद पुरस्कार निर्धारित है, जिसके विजेताओं की घोषणा 23 सितंबर को की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान ने शुभकामनाएं भेजीं, वहीं धन्यवाद ज्ञापन आईआईसी उपाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने किया।

सुदिव्य कुमार सोनू का निधन झारखंड के लिए एक बड़ी क्षति : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। गिरिडीह स्थित स्मृति-शेष पूर्व मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आवास पहुंचकर पोटका विधायक संजीव सरदार ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत नेता को नमन करते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू का निधन झारखंड के लिए एक बड़ी क्षति है। वह राज्य के विकास के लिए सदैव संकल्पित रहे और सरकार में रहते हुए जिन विभागों की जिम्मेदारी संभाली, उनमें उल्लेखनीय कार्य किए। विशेष रूप से खेल और पर्यटन के क्षेत्र में उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू ने अपने कार्यकाल में राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, पर्यटन को विकसित करने की दिशा में जो काम किए, वे उनके योगदान की पहचान बने रहेंगे। उन्होंने अपने क्षेत्र और राज्य के विकास के लिए जो कार्य किए और जो योगदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस दौरान विधायक संजीव सरदार ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि अपनों को खोने का दुःख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। इस कठिन समय में वे शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

संक्षिप्त खबरें

बागबेड़ा कॉलोनी जलापूर्ति में अनियमितता पर डीसी को 15 सूत्री मांग पत्र

जमशेदपुर(बिभा)। बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी में निर्धारित समय पर नियमित, पर्याप्त एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति की मांग को लेकर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता एवं श्रवण मिश्रा ने स्थानीय लोगों के साथ उपायुक्त राजीव रंजन को 15 सूत्री मांग पत्र सौंपा। सुनील गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2025 में करीब 1.88 करोड़ रुपये की लागत से बिष्टुपुर में नया फिल्टर पंप हाउस बनने के बावजूद 1140 क्वार्टरों के लोगों को नियमित जलापूर्ति नहीं मिल रही है। वहीं बागबेड़ा की पानी टंकी भी जर्जर अवस्था में है। मांग पत्र में नए फिल्टर पंप हाउस के निर्माण की स्वीकृति, प्राक्कलन, कायार्देश, मापी पुस्तिका, भुगतान एवं गुणवत्ता की जांच, मोटर, फुटबॉल्व, पाइपलाइन एवं संप की तकनीकी जांच, संवेदक व संबंधित पदाधिकारियों की भूमिका की जांच, पानी के नमूने की अधिकृत प्रयोगशाला से जांच, टंकी-संप की सफाई, प्रशिक्षित एवं रात्रिकालीन ऑपरेटर की व्यवस्था तथा सुबह-शाम निर्धारित समय पर जलापूर्ति बहाल करने की मांग की गई है। साथ ही ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठक कराने की मांग रखी गई। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता शिव कुमार दिनकर को निर्धारित समय पर जलापूर्ति सुनिश्चित करने तथा जर्जर पानी टंकी को ठीक कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान नहीं होने पर जांच कमेटी गठित कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

नारायण प्राइवेट आईटीआई में धूमधाम से मनाया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन

चांडिल(बिभा)। नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह,में जटाशंकर पांडे जी के नेतृत्व में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। डॉ. जटाशंकर पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन राष्ट्रसेवा, समर्पण और परिश्रम का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश निरंतर विकास और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

सिल्ली-मुरी में हर्षोल्लास से मनी विश्वकर्मा पूजा

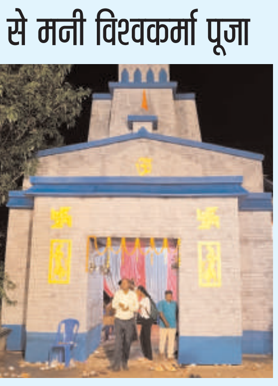

सिल्ली/मुरी(बिभा): सिल्ली-मुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में विश्वकर्मा पूजा पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भव्य रूप से मनाया गया ।इस अवसर पर हिंडालको कारखाना,रेलवे के विभिन्न कार्यालयों एवं वर्कशॉप तथा घरों में मशीनों,औजारों एवं वाहन इत्यादि की पूजा पूरे विधि विधान के साथ की गई। श्रद्धालुओं ने अपने व्यवसाय में तरक्की एवं मकान से लेकर हर मनोकामना की पूर्ति के लिए भगवान विश्वकर्मा की आराधना की ।इसी क्रम में रेलवे के विभिन्न पंडालों और हिंडालको कारखाना में भगवान विश्वकर्मा का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। वहीं स्थानीय कारीगर,बढ़ई, लोहार एवं अभियंताओं ने अपने औजारों की पूजा पूरे विधि विधान के साथ की। श्रद्धालु भगवान विश्वकर्मा को परिश्रम एवं हस्तकला का प्रेरणास्त्रोत मानकर विशेष पूजा अर्चना करते हैं ।लोहे के कारोबार से संबंधित व्यापारियों ने भी अपने प्रतिष्ठानों में लौह यंत्रों की पूजा बड़े ही उल्लास के साथ किया। कई श्रद्धालुओं ने अपने वाहनों की पूजा करने के साथ काफी आकर्षक ढंग से सजाया ।कई पंडालों के सामने विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाए गए थे, जहां श्रद्धालुओं ने खरीदारी की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कड़िया मुंडा से आत्मीय मुलाकात कर प्राप्त किया मार्गदर्शन,

रांची(बिभा) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने खूंटी लोकसभा के पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, लोकसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कड़िया मुंडा के खूंटी स्थित पैतृक आवास पर स्नेहपूर्ण भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही उनका कुशलक्षेम जाना। प्रदेश अध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि उनका दीर्घ सार्वजनिक जीवन, अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण हम सभी कार्यकताओं के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, जिलाध्यक्ष आनंद कुमार भी मौजूद रहे।

टेल्को में स्कूल वैन डिवाइड से टकराई 12 से 15 बच्चे हुए घायल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । टेल्को थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह स्कूल बच्चों से भरी वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा टेल्को स्टेडियम-भुवनेश्वरी मंदिर रोड पर के पास हुआ। बताया जा रहा है कि वैन अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ गई। दुर्घटना में करीब 12 से 15 बच्चे घायल हुए हैं। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से टाटा मोटर्स हॉस्पिटलपहुंचाया गया।जानकारी के अनुसार, स्कूल वैन चिन्मया विधालय स्कूल के बच्चों को छोड़ने के लिए स्टेडियम की ओर जा रही थी। इसी दौरान वैन अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन का चैम्बर भी क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। हादसे के बाद वैन के अंदर बच्चों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के फ्लैटों में रहने वाले लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त वैन से बच्चों को बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाने में मदद की। कार को देखने के दौरान चालक का बिगड़ा संतुलन प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे से कुछ समय पहले चिन्मया स्कूल की ओर से आ रही एक कार स्कूल वैन के बेहद करीब से गुजरी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कार अचानक वैन के सामने आई और बेहद करीब से निकल गई। बताया गया कि कार को पीछे मुड़कर देखने के दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद वैन सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटाई। स्कूल वैन में कितने बच्चे सवार थे और हादसे के समय वाहन की गति कितनी थी, इसकी भी जांच की जा सकती है।

आदि दुर्गा मंदिर में गणेश पूजा समिति की ओर से गुरुकुल कुटाम के सुबल दास ने निकाला नगर कीर्तन

बिभा संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली मेन रोड स्थित आदि दुर्गा मंदिर में गणेश पूजा समिति की ओर से गुरुवार को संध्या 6 बजे भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह कीर्तन गुरुकुल कुटाम के सुबल दास के नेतृत्व में निकाला गया। नगर कीर्तन की शुरूआत हरि मंदिर से हुई, जो बुंडू चौक होते हुए गणेश पूजा पंडाल तक पहुंची। कीर्तन के दौरान हरे कृष्ण-हरे राम के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो गया। नगर कीर्तन के समापन के बाद गणेश पंडाल में सुबल दास और बुद्धदेव कुशवाहा के द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भजनों का आनंद लिया और भगवान गणेश की आराधना की। कार्यक्रम के अंत में गणेश पूजा समिति की ओर से श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में गणेश पूजा समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से ठगी के आरोपित को किया गिरफ्तार

रांची। दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से एक ठग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ठग का नाम संजू मिश्रा उर्फ टुनटुन है। संजू मिश्रा रांची के गांधी नगर का रहने वाला है। संजू अपना कारोबार करता है। वह अपने किसी काम से दलादली इलाके में आया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम ने रांची पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार किया। संजू मिश्रा को शनिवार को दिल्ली पुलिस अपने साथ दिल्ली ले जाएगी। आरोपित संजू मिश्रा पर देश के विभिन्न हिस्सों में कई लोगों को अपने जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपित को स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लेने की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है।

प्रतिमा विसर्जन के साथ विश्वकर्मा पूजा संपन्न

बिभा संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना शुक्रवार को प्रतिमा विसर्जन के साथ धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गई।इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

गुरुवार को बड़ाईक चौक एवं विद्युत सब स्टेशन परिसर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई। इसके अलावा क्षेत्र की कई छोटी-बड़ी निजी औद्योगिक इकाइयों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यस्थलों पर भी भगवान विश्वकर्मा की पूजा की गई।

शुक्रवार को प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजे वाहन पर विराजमान कर एनएच-23 पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल लोग ढोल-नगाड़ों एवं बाजों की धुन पर जमकर झूमे और नृत्य किया। इस दौरान भगवान विश्वकर्मा के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

शोभायात्रा के बाद देर शाम श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को स्थानीय तालाब में विधिवत विसर्जित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पूजा एवं विसर्जन को लेकर क्षेत्र में पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा।

नारायण प्राइवेट आईटीआई लुपुंगडीह में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा पूजा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह, चांडिल में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा से सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडेय ने भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण, तकनीक, कला एवं शिल्प के प्रतीक हैं। आज के तकनीकी युग में विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर मेहनत, अनुशासन और कौशल के साथ अपने भविष्य का निर्माण करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आईटीआई जैसे तकनीकी शिक्षण संस्थान ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नारायण प्राइवेट आईटीआई का उद्देश्य भी ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। पूजा में संस्थान के छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों एवं आसपास के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रचार्य जयदीप पांडेय, एडवोकेट निखिल कुमार,शांति राम महतो, प्रकाश महतो, भगत लाल तेली, शशि भूषण महतो, देवाशीष मंडल,पवन महतो,अजय मंडल ,गौरव महतो,एवं सभी छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मदन मोहन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का भूमि पूजन संपन्न

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, मदन मोहन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के निर्माण हेतु रांची में भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ संपन्न हुए इस समारोह के साथ ही परियोजना के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ हो गया। इस गरिमामयी आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय तथा झारखंड विधानसभा के सदस्य राजेश कच्छप उपस्थित रहे। इसके साथ ही राजधानी रांची के कई गणमान्य नागरिक, समाज सेवी, चिकित्सक और शिक्षाविद् भी कार्यक्रम के साक्षी बने। मदन मोहन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की स्थापना 'सितवांतो देवी महिला कल्याण समिति' की एक प्रमुख इकाई के रूप में की जा रही है। समूह के चेयरमैन मदन मोहन सिंह नेतृत्व में इस संपूर्ण परियोजना को आधुनिक चिकित्सा मानकों के अनुसार विकसित किया जा रहा है। झारखंड और बिहार में उच्च, व्यावसायिक व तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित संस्थानों का सफल संचालन कर रहा है। समूह के अंतर्गत जमशेदपुर में नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी संचालित है, पटना में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, इंजीनियरिंग कॉलेज और डिप्लोमा कॉलेज भी स्थापित हैं। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा बिहार एवं झारखंड में समूह द्वारा लगभग एक दर्जन स्कूल भी सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

समारोह के दौरान प्रबंधन ने बताया कि अस्पताल को चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। अस्पताल के प्रारंभ होने से रांची और आसपास के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को अत्याधुनिक और किफायती उपचार अपने ही राज्य में सुलभ होगा। वहीं, मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए संबंधित वैधानिक व नियामक संस्थाओं से आवश्यक अनुमतियों और निर्धारित मानकों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चिकित्सा शिक्षा की दिशा में दाखिले शुरू किए जाएंगे। चेयरमैन श्री मदन मोहन सिंह के विजन के अनुरूप, इस संस्थान का प्राथमिक उद्देश्य विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा के नए अवसर प्रदान करना है। उपस्थित अतिथियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान आने वाले समय में पूर्वी भारत के स्वास्थ्य परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईआईएम रांची ने क्यूएस बिजनेस मास्टर्स रैंकिंग 2027 में बनाई जगह, एशिया स्तर पर मिली शीर्ष रैंकिंग

बिभा संवाददाता

रांची: भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने प्रतिष्ठित ग्लोबल क्यूएस बिजनेस मास्टर्स रैंकिंग 2027 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। संस्थान को 'मास्टर्स इन मैनेजमेंट' श्रेणी में 201+ ग्लोबल बैंड और एशिया में 21वां स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं, 'मास्टर्स इन बिजनेस एनालिटिक्स' (एमबीए-बीए) श्रेणी में भी 201+ ग्लोबल बैंड के साथ संस्थान ने एशिया स्तर पर 16वां स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता, विश्वस्तरीय प्रबंधन शिक्षा और छात्रों के बेहतर करियर परिणामों को रेखांकित करती है।

क्यूएस रैंकिंग पांच प्रमुख पैमानों पर आधारित है—एम्प्लॉयबिलिटी (35%), एलुमनाई आउटकम्स (15%), वैल्यू फॉर मनी (20%), थॉट लीडरशिप (20%) और डायवर्सिटी (10%)। 'मास्टर्स इन मैनेजमेंट' में आईआईएम रांची ने एम्प्लॉयबिलिटी में 37.2, एलुमनाई आउटकम्स में 20, वैल्यू फॉर मनी में 32.7, थॉट लीडरशिप में 32.5 और डायवर्सिटी में 21.8 अंक हासिल किए। वहीं, बिजनेस एनालिटिक्स श्रेणी में संस्थान ने इन्हीं मापदंडों पर क्रमशः 27.8, 20, 27.3, 31.1 और 25 अंक प्राप्त किए हैं।

हाल ही में आईआईएम रांची को अंतरराष्ट्रीय स्तर की 'एसोसिएशन ऑफ एमबीए' (अटइअ) मान्यता भी मिली है, जिसे प्रबंधन शिक्षा का प्रतिष्ठित ह्यट्रिपल क्राउनह्ल अंग माना जाता है। इससे पहले क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग में भी संस्थान ने एशिया-पैसिफिक में 33वां स्थान दर्ज किया था। इन निरंतर उपलब्धियों से आईआईएम रांची ने एक बार फिर साबित किया है कि वह वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

रांची समाहरणालय में धूमधाम से मना करमा पूर्व संध्या समारोह, डीसी और एसएसपी ने की प्रकृति पूजा की सराहना

बिभा संवाददाता

रांची। रांची समाहरणालय ब्लॉक-बी सभागार में शुक्रवार को करमा पूर्व संध्या समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ डीसी मंजूनाथ भजन्त्री और एसएसपी राकेश रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान समाहरणालय कर्मियों ने पारंपरिक पगड़ी और शॉल भेंट कर दोनों अधिकारियों का स्वागत किया।

समारोह में समाहरणालय कर्मियों की ओर से प्रस्तुत पारंपरिक करमा गीतों और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों ने सभागार को सांस्कृतिक गरिमा और उत्साह से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान डीसी मंजूनाथ भजन्त्री खुद को रोक नहीं पाए और मांदर बजाकर अपनी खुशी जाहिर की, जिससे पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि करमा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, वेशभूषा, खान-पान और प्रकृति के प्रति लोगों के गहरे लगाव की सराहना की। डीसी ने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय से सीखना चाहिए कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर कैसे जिया जाता है।

उपायुक्त ने दुर्गा पूजा में समितियों से एक ही दिन प्रतिमा विसर्जन करने का किया आग्रह

रांची। आगामी दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में विभिन्न पूजा समितियों के साथ बैठक हुई। बैठक में विधि-व्यवस्था, यातायात, विद्युत, स्वच्छता, अग्निशमन, विसर्जन और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक पर उपायुक्त ने सभी पूजा समितियों से आपसी समन्वय स्थापित कर एक दिन विसर्जन के लिए आम सहमति बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विसर्जन की व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात और विधि-व्यवस्था को ध्यान में रखकर समन्वित रूप से की जाए। उन्होंने पंडाल निर्माण से लेकर विसर्जन तक निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया। पंडालों में आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी के लिए पर्याप्त मार्ग रखने और बिजली के खंभे, ट्रांसफॉर्मर या अन्य विद्युत संरचनाओं से सटाकर पंडाल अथवा तोरण द्वार नहीं बनाने पर विशेष जोर दिया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विद्युत कनेक्शन और स्वीकृत लोड लेने और खुले तारों का उपयोग नहीं करने को भी कहा गया। मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाया। वहीं, यातायात पुलिस ने बैरिकेडिंग और आपातकालीन पहुंच सुनिश्चित करने, जबकि नगर पुलिस ने पंडाल परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। पूजा समितियों ने पार्किंग, स्वच्छता, बिजली और विसर्जन से जुड़े सुझाव भी दिए। बैठक में कई अधिकारी मौजूद थे।

एचईसी बाईपास रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान पर हाईकोर्ट की रोक, 31 दिसंबर तक खुद जगह खाली करने का आदेश

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के एचईसी इलाके के बाईपास रोड में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने रांची के उपायुक्त (डीसी) और एसएसपी को यह निर्देश दिया कि वे इस कार्रवाई को तुरंत रोकें। अदालत ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर यह फैसला सुनाया है, जिससे प्रभावित लोगों को बड़ी राहत मिली है। जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने अतिक्रमणकारियों को राहत देते हुए निर्देश दिया कि वे आगामी 31 दिसंबर तक सरकारी भूमि से अपना अतिक्रमण स्वयं हटा लें। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अब बाईपास रोड पर जिला प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई पूरी तरह थम गई है। अदालत में प्रार्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अखौरी अविनाश कुमार ने मजबूती से पक्ष रखा। सामाजिक सरोकार दिखाते हुए अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने इस केस की पैरवी के लिए कोई फीस नहीं ली।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर, 164 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

बिभा संवाददाता

रांची: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत रांची पूर्वी जिला में शुक्रवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य अस्पतालों में आपातकालीन स्थिति के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आम जनमानस में सेवा व जनकल्याण की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस पुनीत अवसर पर युवाओं और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कुल 164 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

शिविर का औपचारिक उद्घाटन राज्यसभा सांसद सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद व भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष धीरज महतो, कार्यक्रम संयोजक अमित चरण, विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक और कुलपति प्रो. सी. जगनाथन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा कार्यों के रूप में मनाना कार्यकर्ताओं के लिए गर्व की बात है। रक्तदान से बड़ा कोई मानवीय कार्य नहीं हो सकता, जो सीधे तौर पर जरूरतमंदों की जान बचाने का काम करता है। वहीं, डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है और स्वस्थ नागरिकों को नियमित अंतराल पर इसके लिए आगे आना चाहिए। वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिष्ठा की अद्भुत मिसाल बताते हुए कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों को अपनाकर निरंतर समाज सेवा में समर्पित रहने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

सीआरपीएफ रैफ के ऑडिट में रिश्वतखोरी, सीबीआई ने सीनियर अकाउंटेंट को दबोचा

रांची(बिभा)। सीबीआई की रांची स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने सीआरपीएफ के रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) की इंटरनल ऑडिट पार्टी (आईएपी) के सीनियर अकाउंटेंट सोनू कुमार को पटना से गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि वह रैफ के हवलदार राकेश कुमार सिंह से 14 हजार रुपये रिश्वत ले रहा था। सीबीआई ने ट्रैप लगाकर उसे रंगे हाथों पकड़ा। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सीबीआई रांची की टीम उसे लेकर रांची आ रही है।

आरोपित के विरुद्ध हवलदार राकेश कुमार सिंह की शिकायत पर सीबीआई की रांची स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने 16 सितंबर को प्राथमिकी दर्ज की थी। हवलदार राकेश जमशेदपुर के आदित्यपुर के बागान पारा गम्हरिया स्थित पूजा कुंज में रहते हैं। उन्होंने सोनू कुमार पर आरोप लगाया था कि सोनू कुमार ने उनपर हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) ज्यादा लेने का आरोप लगाया और उसे वापसी से बचाने के एवज में 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने इसकी शिकायत सीबीआई में की थी, जिसका सत्यापन कराया गया तो मामला सही पाया गया। इसके बाद सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की और आरोपित सोनू कुमार को गिरफ्तार किया। वह रिश्वत की पहली किश्त की राशि के रूप में 14 हजार रुपये ले रहा था। इसी दौरान पकड़ा गया। सीबीआई के डीएसपी कुलदीप के नेतृत्व में पटना गई टीम ने उसे गिरफ्तार किया है। दर्ज कांड के अनुसंधानकर्ता भी सीबीआई की एसीबी रांची के डीएसपी कुलदीप ही बनाए गए हैं।

सीसीएल मुख्यालय में हिंदी निबंध प्रतियोगिता संपन्न

रांची(बिभा): राजभाषा माह-2026 के अंतर्गत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय स्थित मानव संसाधन विकास विभाग में हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों, केंद्रीकृत इकाइयों और मुख्यालय के विभिन्न विभागों से हिंदीभाषी एवं हिंदीतरभाषी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार कार्मिकों की भागीदारी और उत्साह में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्य-संस्कृति में इसके प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सीसीएल इस वर्ष नोडल अधिकारियों के योगदान को विशेष रूप से सम्मानित करेगा। इसके तहत दो नई श्रेणियां–द्वाराजभाषा नवाचार गौरव सम्मानद्व और द्वाराजभाषा प्रतिष्ठापक सम्मानद्व प्रस्तावित की गई हैं। नवाचार गौरव सम्मान राजभाषा कार्यान्वयन में अभिनव प्रयोगों और रचनात्मक कार्य-पद्धतियों को बढ़ावा देने वाले अधिकारियों को मिलेगा, जबकि प्रतिष्ठापक सम्मान निरंतर उत्कृष्ट योगदान देने वाले नोडल अधिकारियों को प्रदान किया जाएगा। राजभाषा माह के तहत केवल मुख्यालय ही नहीं, बल्कि सीसीएल के सभी क्षेत्रों और क्षेत्रीय इकाइयों में भी समानांतर रूप से प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। प्रबंधन का मानना है कि इन पहलों और सम्मान कार्यक्रमों से कार्मिकों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ेगी और कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा का दायरा और अधिक मजबूत होगा।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग बनाएगा आईआईटी आईएसएम व रांची विवि को नॉलेज पार्टनर, जल्द होगा एमओयू

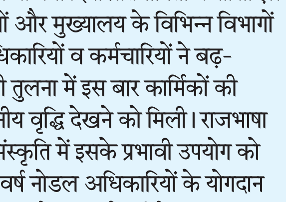

रांची(बिभा): झारखंड में जलापूर्ति योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं रख-रखाव (ओएंडएम) नीति को लेकर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबु इमरान की अध्यक्षता में शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलापूर्ति व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, निर्मला कॉलेज रांची और रांची विश्वविद्यालय के प्रख्यात प्रोफेसरों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। समीक्षा के दौरान सचिव अबु इमरान ने कहा कि प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थानों के विभाग के साथ जुड़ने से योजनाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा और आम जनता को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय योजनाओं को तकनीकी और वैज्ञानिक आधार देने के लिए जल्द ही इन तीनों संस्थानों के साथ औपचारिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। बैठक में मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी। इसके तहत पाइपलाइनों में लीकेज की पहचान, जलापूर्ति योजनाओं के डिजाइन और रख-रखाव से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए आईआईटी और विश्वविद्यालय तकनीकी मार्गदर्शन देंगे। वहीं, राज्य के विभिन्न जिलों में पेयजल में आयरन, फ्लोराइड और टीडीएस की समस्या को दूर करने के लिए संयुक्त शोध किया जाएगा। इसके अलावा धनबाद और झरिया जैसे खनन प्रभावित इलाकों में जलस्रोतों पर पड़ रहे पर्यावरणीय प्रभाव का अध्ययन कर जलस्रोतों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने पर विशेष कार्य योजना तैयार की जाएगी।

चंदा चोरी और एमएमडीआर बिल के खिलाफ कांग्रेस का लोक भवन मार्च 26 सितंबर को

झारखंड के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं : कमलेश

बिभा संवाददाता

रांची। चंदा चोरी और झारखंड के हितों को प्रभावित करने वाले एमएमडीआर संशोधन बिल के खिलाफ 26 सितंबर को आयोजित लोकभवन मार्च की तैयारियों को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक शुक्रवार को हुई।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में पार्टी के सभी विभागों और प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए और मार्च को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र की नीतियों से झारखंड के हितों पर लगातार चोट हो रही है। एमएडीआर संशोधन बिल के माध्यम से झारखंड के खनिज संसाधनों और उससे मिलने वाले राजस्व पर राज्य के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस इन दोनों मुद्दों पर चुप बैठने वाली नहीं है।

झारखंड की धरती का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। यहां के खनिज संसाधनों से देश को राजस्व मिलता है, इसलिए राज्य के प्राकृतिक संसाधनों पर झारखंड के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से इसका पुरजोर विरोध करेगी।

बैठक में सभी विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों को 26 सितंबर के लोक भवन मार्च को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला और प्रखंड स्तर तक कार्यकर्ताओं से संपर्क करने, जनसमर्थन जुटाने एवं अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेसजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि 26 सितंबर का लोक भवन मार्च सिर्फ कांग्रेस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि झारखंड के अधिकारों और हितों की आवाज को बुलंद करने का लोकतांत्रिक अभियान है।

बैठक में राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, गजेंद्र सिंह, युथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामा खलखो, सेवा दल अध्यक्ष नवीन सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

नामकुम रेलवे साइट पर नेत्र जांच शिविर आयोजित, 135 मरीजों की हुई मुफ्त जांच व दवा वितरण

स्वस्थ समाज के निर्माण में ऐसे शिविरों की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रदीप वर्मा

बिभा संवाददाता

रांची: नामकुम-टाटीसिलवे रेलवे गुड्स शेड ट्रक एसोसिएशन के सौजन्य से नामकुम रेलवे साइट पर एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। उषा मार्टिन एवं शालिनी अस्पताल के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस शिविर में करीब 135 जरूरतमंद और ग्रामीण मरीजों की आंखों की जांच की गई। जांचोपरांत चिकित्सकों ने मरीजों को उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया और आवश्यकतानुसार मुफ्त दवाइयों का वितरण भी किया।

शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं केवल बड़े अस्पतालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आंखें अनमोल हैं और समय पर जांच व सही देखभाल से दृष्टिहीनता जैसी गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने उषा मार्टिन और शालिनी अस्पताल के सामाजिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वंचित वर्गों की सेवा के लिए उद्योग जगत और सामाजिक संगठनों को इसी तरह आगे आना चाहिए। वहीं, समाजसेवी राजदेव यादव ने कहा कि इस शिविर से क्षेत्र के निर्धन और श्रमिक वर्ग के लोगों को सीधा लाभ मिला है।

कार्यक्रम में झारखंड के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक शुभेंदु, प्रभात खबर के संपादक विजय पाठक, वाईबीएन यूनिवर्सिटी के संस्थापक रामजी यादव, रेलवे गुड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर यादव, उषा मार्टिन फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. मयंक मुरारी और शालिनी अस्पताल के प्रबंधक राणा विकास प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शिविर में शालिनी अस्पताल की मेडिकल टीम से नेत्र चिकित्सक डॉ. मुकेश कुमार, शिशिर कुमार भगत और पंकज भारती कुमारी ने सेवाएं दीं। आयोजकों ने बताया कि जनहित में आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविर निरंतर लगाए जाएंगे।

डीएसपीएमयू का तृतीय दीक्षांत समारोह 24 को, 6415 छात्रों को मिलेगी डिग्री

बिभा संवाददाता

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची का तृतीय दीक्षांत समारोह आगामी 24 सितंबर को विश्वविद्यालय परिसर स्थित दीक्षांत मंडप में आयोजित किया जाएगा। समारोह को लेकर शुक्रवार को गांधी सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुलपति प्रो. (डॉ.) राजीव मनोहर ने तैयारियों और समारोह से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़ों की जानकारी दी। कुलपति ने प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि समारोह में कुलाधिपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. राकेश मोहन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। डॉ. राकेश मोहन विद्यार्थियों को दीक्षांत उद्बोधन भी देंगे। कुलपति के अनुसार, इस दीक्षांत समारोह में कुल 6415 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इनमें 3065 छात्र और 3350 छात्राएं शामिल हैं। समारोह में दो सत्रों के स्नातकोत्तर (पीजी) तथा एक सत्र के स्नातक (यूजी) विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कुल 142 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 93 छात्राएं और 49 छात्र शामिल हैं। इसके अलावा कुल 20 पीएचडी डिग्री भी प्रदान की जाएगी। कुलपति ने कहा कि कुलाधिपति के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को नियमित करने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 2024-26 सत्र के पीजी विद्यार्थियों को भी इस दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान की जा रही है। उन्होंने इसके लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ परीक्षा विभाग के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र में विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर पूरी करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने और अन्य संस्थानों में प्रवेश लेने में परेशानी न हो। साथ ही विश्वविद्यालय को सांस्कृतिक, खेलकूद और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा।

सीसीएल सीएमडी ने लॉन्च किया सीपीआरएमएसई पोर्टल 2.0, सेवानिवृत्त कर्मियों को मेडिकल बिल के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे दफ्तर के चक्कर

बिभा संवाददाता

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को पारदर्शी, सुगम और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से 'CPRMSE/NE Portal 2.0' का विधिवत शुभारंभ किया। दरभंगा हाउस स्थित मंथन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र और मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में इस इन-हाउस विकसित पोर्टल को लॉन्च किया गया।

पोर्टल की शुरुआत करते हुए सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों को अपनी संस्था का अहम अंग मानते हुए उनके कल्याण के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग समय की मांग है। अब पूर्व कर्मियों को मेडिकल बिल जमा करने या उसकी स्थिति जानने के लिए कार्यालय आने की मजबूरी नहीं रहेगी। वे अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के जरिए घर बैठे ही दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे और अपने दावों को आसानी से ट्रैक कर सकेंगे। चिकित्सा दावों के निपटारे में शामिल पीआरबी, मेडिकल और वित्त विभाग के बीच यह पोर्टल इलेक्ट्रॉनिक समन्वय स्थापित करेगा, जिससे फाइलों के आवागमन में तेजी आएगी और काम की निगरानी आसान होगी। इस मौके पर जीएम (सीसी व पीआर) आलोक कुमार ने कहा कि जीवन भर संस्थान की सेवा करने वाले पूर्व कामगारों को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक और बाधारहित सुविधाएं देना सीसीएल की नैतिक जिम्मेदारी है। सिस्टम विभाग द्वारा आंतरिक रूप से तैयार यह पोर्टल कागजी प्रक्रिया को खत्म कर डिजिटल और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

विमला प्रधान का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : आदित्य साहू

रांची : झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री विमला प्रधान के निधन पर भाजपा प्रदेश के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उनके निधन को पार्टी और झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिंतकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने विमला प्रधान के निधन को अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक बतलाया है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को प्रातः ही अस्पताल जाकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी और उनके परिजनों से मुलाकात की। उनके निधन का समाचार सुनकर विश्वास नहीं हो रहा है। विमला प्रधान का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

रांची मंडल में एसएलआर को पट्टे पर देने हेतु ई-नीलामी

अधिसूचना संख्या : सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन/2026 **दिनांक: 16.09.2026**

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा रांची मंडल में ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग को पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। जिसका विवरण निम्नानुसार है: **श्रेणी:** पार्सल। **कैटलॉग संख्या:** आरएनसीपीआरसीएल-171 **परिसंपत्तियों का विवरण:** रांची मंडल से यात्रा शुरू करने वाली 15 अदद पैसेंजर/मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के एसएलआर कम्पार्टमेंट को पट्टे पर देने हेतु 15 अदद परिसम्पत्तियों के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू:** 01.10.2026 को सुबह 10.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख:** 01.10.2026 को दोपहर 12.50 बजे। **द्रष्टव्य:** भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण ऊपर उल्लिखित कैटलॉग के अधीन उपलब्ध है।

(PR-779) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

चंद्रपुरा में घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग, पति-पत्नी की मौत, बेटा गंभीर

बिभा संवाददाता

बोकारो। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र की डीवीसी आवासीय कॉलोनी के पश्चिम पल्ली स्थित एक क्वार्टर में गुरुवार देर शाम अपराधियों ने घुसकर तीन लोगों पर ताबड़तोड़ गोली चला दी. गोली लगने से 65 वर्षीय डीवीसी से सेवानिवृत्त नरेश सिन्हा और उनकी पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि पुत्र रोहित सिन्हा की स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है.

जानकारी के अनुसार चार पांच की संख्या में गमछा से चेहरा ढके हुई अपराधकर्मियों ने नरेश सिन्हा के दरवाजे पर दस्तक दी और दरवाजा खुलते ही ही प्वाइंट ब्लांक फायरिंग शुरू कर दी जिससे सेवानिवृत्त नरेश सिन्हा और उनकी पत्नी की ऑन दी स्पॉट मृत्यु हो गई। रोहित सिन्हा के सिर में गोली लगी है. उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चंद्रपुरा अस्पताल के डॉक्टर ने उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल रेफर कर दिया. घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल रोहित को अस्पताल पहुंचाया.

घटना के समय क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी और तेज गर्जन की आवाज आ रही थी. इसी दौरान अपराधियों ने क्वार्टर में घुसकर तीन लोगों पर गोली चलायी. घटना को लेकर आसपास के लोगों में भी दहशत फैल गयी.

जानकारी के अनुसार मामला पैसे की लेने देने का था। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है , पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घटना से जुड़े कारणों एवं अपराधियों के बारे में जानकारी जुटायी जा रही है.पुलिस ने कहा कि उनका एक बेटा बाहर नौकरी करता है उसके आने से मामले में और जानकारी मिल सकती है।

चंद्रपुरा गोलीकांड में जमीन विवाद और लेनदेन की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने स्थल से जुटाये साक्ष्य

बोकारो। चंद्रपुरा में गुरुवार की रात हुए गोलीकांड में एक दंपति की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि उनका पुत्र रोहित सिन्हा गंभीर रूप से घायल है. रोहित का बोकारो जनरल अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है. शुक्रवार को उसका सीटी स्कैन भी कराया गया. घटना के बाद शहर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है. पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी है और घटनास्थल समेत आसपास के इलाकों में जांच की जा रही है. एसडीपीओ रवींद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार की सुबह घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की. फॉरेंसिक टीम ने भी घर के अंदर और बाहर विभिन्न बिंदुओं की जांच कर साक्ष्य जुटाये. पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग पहलुओं पर काम कर रही है. पुलिस ने जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को पकड़ने का भरोसा दिया है. प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे जमीन विवाद या लेनदेन से जुड़े विवाद की आशंका जतायी जा रही है. हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है. पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. जांच और साक्ष्यों के आधार पर घटना के कारणों का पता लगाया जायेगा. मृतक नरेश सिन्हा मूल रूप से बोधगया के रहने वाले बताये गये हैं. वह करीब 35 वर्षों से चंद्रपुरा में रह रहे थे. चंद्रपुरा प्लांट में एक कंपनी में रिगर के पद पर वर्ष 2017 तक कार्यरत रहे थे. नरेश सिन्हा के एक बेटा और एक बेटी बाहर रहते हैं. घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों चंद्रपुरा पहुंच रहे हैं. परिवार के सदस्यों के आने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जायेगी. घटना के बाद आवासीय कॉलोनी और आसपास के इलाके में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गयी है. पुलिस की मौजूदगी के बीच स्थानीय लोगों में घटना को लेकर चर्चा और चिंता बनी हुई है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही घटना से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट किया जायेगा.

संक्षिप्त खबरें

सेक्टर-9 में शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा पूजा का भव्य आयोजन

बोकारो(बिभा): जय झारखंड मजदूर समाज एवं सखा सहयोग सुरक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में यूनियन कार्यालय, सेक्टर-9 में भगवान विश्वकर्मा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। महामंत्री बी. के. चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस अनुष्ठान में हजारों की संख्या में इस्पातकर्मी, ठेका मजदूर और बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) तथा एसआरयू के दर्जनों वरीय अधिकारी शामिल हुए। सभी ने सुरक्षित कार्य निष्पादन, बेहतर उत्पादन और कामगारों की खुशहाली के लिए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। 17 सितंबर की शाम आयोजित सांस्कृतिक संध्या में गायकों ने शानदार भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्सव के क्रम में 18 सितंबर को महाप्रसाद (खिचड़ी भोग) का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके उपरांत शाम 6:00 बजे गाजे-बाजे और अबीर-गुलाल के साथ भव्य शोभायात्रा निकालते हुए भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को सेक्टर-9 स्थित कूलिंग पॉन्ड में विसर्जित किया गया। समारोह में मुख्य रूप से चंदनक्यारी विधायक उमा कान्त रजक, अधिशासी निदेशक (एचआर) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा) डॉ. विभूति भूषण करुणामय, अधिशासी निदेशक (एसआरयू) पी. के. रथ, पूर्व अधिशासी निदेशक (चिकित्सा) डॉ. ए. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन) भास्कर प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (सीसीएस) डी. सक्सेना, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) कुंदन कुमार, बोसा अध्यक्ष ए. के. सिंह, बोसा महासचिव अजय कुमार पाण्डेय, झामुमो बोकारो नगर अध्यक्ष मंटू कुमार यादव, बीपीएससीएल से एस. के. व्यास, अंजनी कुमार शरण, डॉ. आनिन्दो मंडल, संजय तिवारी, राजेश कुमार, अतुल सिंह, सुशांत शिशिर, साहेब सिंह, रघुबर प्रसाद और उमा शंकर सिंह उपस्थित थे।

विश्वकर्मा समाज बोकारो का भव्य आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया दर्शन का लाभ

बोकारो(बिभा)। सेक्टर-4 जी स्थित विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा समाज बोकारो के तत्वावधान में देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा विधि-विधान से संपन्न हुई। दिन भर चलने वाले इस आयोजन में सुबह पूजा-हवन के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जो देर शाम तक जारी रहा। संध्या आरती के पश्चात महाभोग के रूप में खीर का वितरण किया गया। शाम के समय बाबा विश्वकर्मा के दर्शन हेतु मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सभी श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा का दर्शन किया और प्रसाद ग्रहण किया। समाज के महामंत्री सुभाष शर्मा स्वयं यजमान बने, जबकि मंदिर के पूजारी मनोज पाण्डेय ने पुरोहित्य किया। इस आयोजन की अध्यक्षता समाजपति नुनूलाल विश्वकर्मा ने की। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से रामलखन मिस्त्री, कैलाश शर्मा, अरूण शर्मा, शिवकुमार मिस्त्री, बृहस्पति शर्मा, रामानन्द शर्मा, प्रवीण कुमार, आशुतोष कुमार, चंदन कुमार, रामनाथ शर्मा, महेन्द्र शर्मा, लालबाबु शर्मा, रामसागर प्रसाद, मनोज कुमार शर्मा, कपिलदेव शर्मा और राहुल कुमार का प्रशंसनीय योगदान रहा।

बीजीएच में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बीडू ने उठाई पांच प्रमुख मांगें, सौंपा ज्ञापन

बोकारो(बिभा): बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में मरीजों, सेल कर्मियों और उनके आश्रितों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बोकारो इस्पात डिप्लोमा धारी कामगार यूनियन (बीडू) का एक प्रतिनिधिमंडल अस्पताल प्रबंधन से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने बीजीएच के प्रभारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रशासन) डॉ. दीपक कुमार से मुलाकात कर पूर्व में सौंपे गए मांग पत्र के लंबित बिंदुओं पर शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया। यूनियन ने मुख्य रूप से एस-3 ग्रेड व उससे ऊपर के कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए एसी वार्ड की सुविधा बहाल करने तथा अस्पताल के पुराने बेड बदलकर आधुनिक बेड लगाने की मांग रखी। साथ ही, मेडिकल ग्राउंड पर ग्राउंड फ्लोर क्वार्टर आवंटन हेतु तय सात बीमारियों की सूची में घुटनों के रोग सहित अन्य गंभीर बीमारियों को जोड़ने की बात कही, ताकि बुजुर्ग माता-पिता वाले कर्मियों को ऊपरी मंजिलों पर रहने में आ रही परेशानी से राहत मिल सके। इसके अलावा, बीजीएच के दवा काउंटर पर टोकन मशीनों की संख्या बढ़ाने और फार्मासिस्टों की नई नियुक्ति की मांग उठाई गई। यूनियन का कहना था कि फार्मासिस्टों की कमी से मौजूदा स्टाफ पर अत्यधिक दबाव है और मरीजों को लंबी कतारों में जूझना पड़ता है। प्रबंधन ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि व्यवस्था सुधार को लेकर इन विषयों पर कार्य प्रगति पर है। इस दौरान यूनियन अध्यक्ष रवि शंकर, महामंत्री संदीप कुमार, संयुक्त महामंत्री प्रेमनाथ, कोषाध्यक्ष सोनू शाह, नितेश कुमार सिंह, राहुल सिंह, चंदन कुमार, संटू कुमार और राकेश सिन्हा उपस्थित थे।

गणेश मेला से लौट रहे ऑटो को सोनेट ने मारी टक्कर, चालक की मौत, सात घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-4 मजदूर मैदान में गुरुवार देर रात गणेश पूजा का मेला घूमकर घर लौट रहे लोगों से भरे ऑटो को किआ सोनेट कार ने टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक पिछरी निवासी सुनील वर्मा (60) की मौत हो गई। ऑटो में सवार सात लोग घायल हुए हैं। इनमें एक महिला और उनकी भतीजी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों का इलाज बोकारो जनरल अस्पताल में चल रहा है।

मृतक के बेटे मनोज कुमार ने बताया कि सुनील वर्मा टेंपो नंबर जेएच 09 बीएन 0676 लोन पर लेकर चलाते थे। इसी ऑटो को चलाकर वह परिवार का भरण-पोषण करते थे। गाड़ी लेने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति कुछ बेहतर हुई थी। उनके दो बेटे और एक बेटी का अभी विवाह नहीं हुआ है। वह अपने भाई की बेटी को भी अपने साथ रखकर पढ़ा-लिखाकर उसका विवाह करना चाहते थे।

परिजनों के अनुसार, गणेश मेला देखने के बाद सुनील वर्मा ऑटो में सवार लोगों को लेकर पिछरी लौट रहे थे। इसी दौरान सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के उखरीद मोड़ के पास किआ सोनेट (जे एच 09 बी एम 7824) ने ऑटो को ओवरटेक करने के दौरान डिवाइडर से टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो चालक सुनील वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार सोनेट के नंबर प्लेट पर पुलिस का स्टीकर भी लगा हुआ था।

घायल ऑटो सवार हेमंत मिश्रा के परिजन ने बताया कि परिवार के सात लोग ऑटो में बैठे थे। हादसे में उनकी मां और भतीजी गंभीर रूप से घायल हैं। डॉक्टरों ने इलाज में करीब आठ लाख रुपये खर्च होने की बात कही है। प्रतिदिन 16 से 17 हजार रुपये की दवाएं चल रही हैं। परिजनों का कहना है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं और इतनी बड़ी रकम जुटाना उनके लिए मुश्किल है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

18 हजार रुपये रिश्वत लेते सीबीआई के हत्थे चढ़े सीसीएल के दो क्लर्क

बिभा संवाददाता

बोकारो: सीसीएल कथारा एरिया की गोविंदपुर परियोजना कार्यालय में शुक्रवार को धनबाद सीबीआई की टीम ने दो डीलिंग क्लर्कों को 18 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर रघुनाथ कुमार के नेतृत्व में टीम साढ़े 11 बजे कार्यालय पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों में सीएमपीएफ डीलिंग क्लर्क मेघलाल महतो और पेंशन डीलिंग क्लर्क मोहम्मद इम्तियाज शामिल हैं।

परियोजना के सर्वे विभाग में कार्यरत जनता नगर निवासी रसूल जमा सात माह पहले सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद उनका सीएमपीएफ और पेंशन भुगतान लंबित था। आरोप है कि भुगतान जल्द कराने के एवज में दोनों क्लर्क रिश्वत मांग रहे थे। परेशान होकर रसूल जमा ने धनबाद सीबीआई से शिकायत की। सत्यापन के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया। शुक्रवार को जैसे ही उन्होंने दोनों को 18 हजार रुपये दिए, टीम ने उन्हें पकड़ लिया। कार्रवाई से कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। सीबीआई दोनों

कैफेटेरिया पर्क्स के संशोधित विकल्प का लाभ तुरंत दे बीएसएल प्रबंधन : बीएकेएस

बोकारो: बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के गैर-कार्यपालक कर्मचारियों द्वारा कैफेटेरिया पर्क्स में चुने गए संशोधित विकल्पों का लाभ दो माह बाद भी न मिलने पर बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने कड़ा विरोध जताया है। संघ ने प्रबंधन से इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने और विलंब अवधि का एरियर सहित भुगतान करने की मांग की है। बीएकेएस के अनुसार, सेल कॉरपोरेट कार्यालय और बीएसएल के जून 2026 के सर्कुलर के तहत कर्मियों ने तय समयसीमा में संशोधन की प्रक्रिया पूरी कर ली थी, फिर भी कई कर्मियों के विकल्प अब तक लंबित हैं। बीएकेएस अध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि नियमों का पालन करने के बावजूद कर्मियों को लाभ से वंचित रखना अनुचित है। उन्होंने प्रबंधन से प्राथमिकता के आधार पर सभी लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने की मांग की।

तंबाकू में मौजूद निकोटीन मानव शरीर के लिए बेहद खतरनाक : मुकीम अंसारी

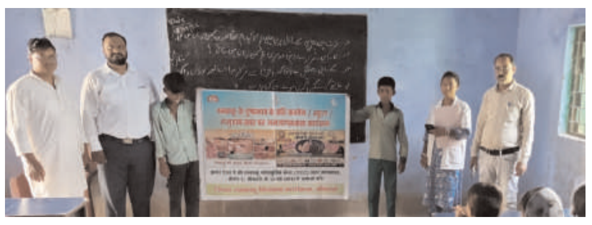

बिभा संवाददाता

बोकारो। सिविल सर्जन बोकारो डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निदेर्शानुसार आज मध्य विद्यालय मुस्लिम नीचे टोला, खेतको, पेटरवार एवं उच्च विद्यालय कोदवाटांड़ में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच तंबाकू के दुष्प्रभाव से संबंधित चित्रकला प्रतियोगिता, शपथ कार्यक्रम एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। उच्च विद्यालय कोदवाटांड़ के प्रधानाध्यापक श्री सुनील कुमार एवं मध्य विद्यालय मुस्लिम नीचे टोला, खेतको के प्रधानाध्यापक श्री मो. शफीक अंसारी ने विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर रोगों एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी मुकीम अंसारी एवं सत्यबाला कुमारी ने अपने संबोधन में बताया कि तंबाकू में मौजूद निकोटीन एक नशीला पदार्थ है, जो लत लगने का प्रमुख कारण है। तंबाकू सेवन से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ता है तथा बच्चों की पढ़ाई एवं एकाग्रता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

विद्यार्थियों को तंबाकू से दूर रहने तथा तंबाकू सेवन करने वाले लोगों को इसे छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही तंबाकू नशा मुक्ति केंद्र में उपलब्ध परामर्श सेवाओं की जानकारी दी गई। भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय तंबाकू मुक्ति हेल्पलाइन नंबर 1800-11-2356 पर संपर्क कर भी परामर्श प्राप्त किया जा सकता है।

कसमार में एनएच पर चार वाहनों की भीषण टक्कर, दो कार चालक गंभीर रूप से घायल

बिभा संवाददाता

कसमार (बोकारो): कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत कमलापुर मध्य विद्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर शुक्रवार सुबह करीब सात बजे चार वाहन आपस में टकरा गए। इस भीषण सड़क हादसे में दो कार चालक घायल हो गए, जबकि दुर्घटना में शामिल चारों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास का इलाका दहल उठा और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना के अनुसार, कमलापुर के पास से जेएच 01 एफजे 9282 और जेएच 01 ईक्यू 3035 नंबर की दो कारें गुजर रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार जेएच 10 एवी नंबर के हाइवा और एक अन्य कार के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसके बाद देखते ही देखते चारों वाहन एक-दूसरे से टकराते चले गए।

हादसे की जोरदार आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीण तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे घायल चालकों को सुरक्षित बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से रेफरल अस्पताल, जैनामोड़ भिजवाया। चिकित्सकों के अनुसार घायलों के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं।

दुर्घटना के कारण एनएच पर कुछ समय के लिए वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही कसमार थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू कराया। पुलिस मामला दर्ज कर यह जांच कर रही है कि दुर्घटना किस वाहन की अनियंत्रित गति या लापरवाही के कारण हुई।

गोमिया के दिवालियापन में 300 से अधिक बच्चों ने लिया हिस्सा

बिभा संवाददाता

गोमिया (बोकारो) . स्वतंत्रता ही सेवा 2026 अभियान के तहत ओएनजीसी सीबीएम एसेट, बोकारो के सीएसआर सहयोग से गोमिया खंड के विभिन्न हिस्सों में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एवं प्रतिभावान हस्तशिल्प विकास संस्थान, वैराइटी द्वारा किया गया। अभियान के दौरान छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सामूहिक एवं जागरूकता सहयोग का आयोजन किया गया। इनमें 'कबाड़ से जुगाड़' प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता और स्वतंत्रता आधारित अन्य शोध प्रमुख शामिल हैं। जुगाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता में छात्रों ने अनुपयोगी एवं उपभोक्ता सामग्री का उपयोगी और आकर्षक सामग्री का उपयोग करके तैयार किया।

विभिन्न कार्यक्रमों में 300 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों से स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं कचरा प्रबंधन से जुड़े प्रश्न पूछे गए। साथ ही, जागरूकता जागरूकता के माध्यम से बच्चों को स्कूल, घर और आसपास के सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छंदता बनाए रखने और स्कूल का प्रचार करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देते हुए बताया गया कि स्वच्छता बनाए रखना केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों को स्वयं स्वतंत्रता निषेध के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके संकल्प के लिए प्रेरित किया गया।

'कबाड़ से जुगाड़' जाति चोरी के माध्यम से छात्रों को अपशिष्ट सामग्री के पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और प्राकृतिक संरचना के संरक्षण के प्रति समीक्षा की गई। पर्यवेक्षकों के अनुसार, इन संकटों से बच्चों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद मिली।

कार्यक्रम का निर्देशन ओएनजीसी सीबीएम एसेट, बोकारो के प्रतिनिधि प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा ने किया। ओएनजीसी सीएसआर टीम के दयानंद कालुंडिया, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), डॉली कुमारी, उप महाप्रबंधक (मानव स्त्रोत)-सह-समन्वयक, सीएसआर, चंदना चलसानी, प्रबंधक (मानव स्त्रोत) और शशि कुमार, वरिष्ठ राजभाषा संघ-सह-एफपीआर का महत्वपूर्ण सहयोग एवं सहयोग जारी है।

चास में आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम, पीएम मोदी के जन्मदिन पर जलाए दीप

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेश भाजपा के निदेर्शानुसार चास स्थित काली मंदिर परिसर में आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा की प्रदेश सह संयोजक अर्चना सिंह की उपस्थिति में चासवासियों एवं भाजपा कार्यकताओं ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर अर्चना सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर दीप प्रज्वलित कर उनके करीब 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में लंबे सार्वजनिक कार्यकाल के दौरान देश के विकास, गरीब कल्याण और भारत को सशक्त बनाने की दिशा में किए गए कार्यों को लेकर कार्यकताओं एवं समर्थकों ने कृतज्ञता व्यक्त की।

अर्चना सिंह ने कहा कि एक छोटा-सा दीपक अंधेरे को दूर करता है। उसी प्रकार जनता का प्यार और आशीर्वाद किसी जनसेवक के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि यह दीप केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि देशसेवा के संकल्प और भारत का मान बढ़ाने के प्रयासों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की, ताकि वे निरंतर देश की सेवा करते रहें। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी गईं।

हजारीबाग में बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 7 गिरफ्तार; 17 चोरी की बाइक और टोटो बरामद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। जिले में लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं के बीच हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सक्रिय बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 17 चोरी की मोटरसाइकिल, एक चोरी का टोटो और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, 17 सितंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को सूचना मिली थी कि जिले में सक्रिय मोटरसाइकिल चोर गिरोह दोबारा चोरी की बाइक की खरीद-बिक्री में जुटा है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए बड़कागांव एसडीपीओ अमित आनंद, मुख्यालय डीएसपी ज्ञान रंजन और सदर एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने छड़वा डैम के ब्रिज क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में कुछ बाइक सवार लोगों को देखा। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चार लोगों को मौके से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस को बाइक चोरी से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिले।इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर करमा, डांटो, केरेडारी बेल चौक सहित विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। पुलिस के मुताबिक, चोरी की मोटरसाइकिलों को कुछ घरों, गैराज और जंगल में छिपाकर रखा गया था। तलाशी के दौरान पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों और मॉडल की कुल 17 चोरी की बाइक बरामद कीं। इनमें सुपर स्प्लेंडर, होंडा साइन, प्लेजर, अपाची और पैशन प्रो समेत अन्य मोटरसाइकिल शामिल हैं।
पुलिस ने इस मामले में मोहम्मद हुसैन अंसारी उर्फ दानिश, इरफान अंसारी उर्फ छोटे, मोहम्मद मुन्ना उर्फ ताहिर, तस्लीम अंसारी, सरफराज आलम, पवन कुमार साव और फजरुद्दीन अंसारी उर्फ साहिल उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया है।
पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क, चोरी की बाइकों की खरीद-बिक्री और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

एसआईआर नोटिस को लेकर समाहरणालय में उमड़ी लोगों की भीड़, कार्यों के निष्पादन के लिए लगाए गए 7 टेबल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम क्षेत्र के लोगों को जारी किए गए एसआईआर नोटिस से संबंधित प्रक्रिया को लेकर नए समाहरणालय परिसर में लोगों की भीड़ लगातार पहुंच रही है। लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए जिला समाज कल्याण विभाग में 7 टेबल की व्यवस्था की गई है।
इन टेबलों के माध्यम से एसआईआर नोटिस से संबंधित आवश्यक कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है। साथ ही, यहां पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं और उनकी शंकाओं का समाधान भी अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने बताया कि अलग-अलग टेबलों पर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के साथ लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।प्रशासन की ओर से की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के साथ-साथ लंबी प्रतीक्षा को कम करना और पूरी प्रक्रिया को सरल एवं व्यवस्थित बनाना है। समाहरणालय परिसर में पहुंच रहे लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार संबंधित टेबल पर भेजकर कार्यों का निष्पादन कराया जा रहा है, जिससे भीड़ को नियंत्रित करने में भी मदद मिल रही है।

संक्षिप्त खबरें

खाद्य सुरक्षा टीम ने खिरगांव में पनीर के नमूने संग्रहित किए, जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जाएंगे

हजारीबाग(बिभा): उपायुक्त हेमंत सती तथा अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-01 मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा हजारीबाग शहर के खिरगांव क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की जांच की गई। इस दौरान पी. शिवा, खिरगांव से सुधा पनीर का नमूना संग्रह किया गया। इसके बाद बजरंग डेयरी से भी पनीर का नमूना संग्रह किया गया।संग्रहित दोनों नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम, रांची भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत रिपोर्ट में पाए गए तथ्यों के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। जांच अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्वेता त्रिपाठी, हजारीबाग-04, विकास शर्मा, श्री सूरज कुमार एवं धनेश्वर कुशवाहा सहित खाद्य सुरक्षा टीम के सदस्य उपस्थित रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थों की खरीदारी करते समय उसकी गुणवत्ता एवं पैकेजिंग की जांच अवश्य करें तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध या मिलावटी खाद्य सामग्री की जानकारी संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं।

उपायुक्त ने किया जिला कृषि कार्यालय का निरीक्षण

लातेहार(बिभा): उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार ने जिला कृषि कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यों एवं अभिलेखों का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने कार्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति, आगत-निर्गत पंजी, कैश बुक सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यालय में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति, लाभुकों को मिल रहे लाभ तथा योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेखों का संधारण अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से किया जाए। योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित हो, ताकि पात्र लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।उन्होंने कार्यालय के कार्यों में अनुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने का निर्देश दिया।मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मोदी के जन्मदिन पर अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच की भव्य ऑनलाइन काव्य गोष्ठी

हजारीबाग(बिभा) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच की ओर से एक भव्य ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मंच के संस्थापक नरेश नाज के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष काव्य समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 45 कवयित्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनाओं के माध्यम से कार्यक्रम को यादगार बनाया। ऑनलाइन आयोजित इस काव्य गोष्ठी में कवयित्रियों ने देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक सरोकार और समसामयिक विषयों पर आधारित अपनी-अपनी काव्य रचनाओं का पाठ किया। देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़ी कवयित्रियों की सहभागिता ने कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।इस अवसर पर झारखंड से अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण जी एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मोना बग्गा ह्यदिशाह्न ने भी सहभागिता की और अपनी काव्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। दोनों कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रभावना का संदेश दिया।कार्यक्रम में देशभर की महिला कवयित्रियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। सभी प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से ऑनलाइन काव्य गोष्ठी को सफल बनाया। आयोजन के माध्यम से साहित्य और काव्य के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भूमिका को भी रेखांकित किया गया।

हजारीबाग में प्रशासन का कड़ा रुख पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की विवादित खास महल जमीन पर चला बुलडोजर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिला प्रशासन ने शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के दावे वाली खास महल जमीन पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर चलाया। इस दौरान मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया था। यह पूरा अभियान सदर अंचल अधिकारी आशुतोष कुमार और बड़ा बाजार थाना प्रभारी मुकेश कुमार रजक के संयुक्त नेतृत्व में संचालित किया गया।जमीन के इस बड़े हिस्से पर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा लगातार मालिकाना हक का दावा किया जा रहा था, जो कि लंबे समय से प्रशासनिक और कानूनी चचाओं और विवादों के केंद्र में बना हुआ है। संभावित विरोध प्रदर्शन और हंगामे की आशंका को पूरी तरह भांपते हुए घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल के साथ-साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी मुस्तैदी सुनिश्चित की गई थी। प्रशासन ने बिना किसी बड़ी बाधा के जमीन पर किए गए अवैध कब्जों और निर्माण को जेसीबी की मदद से जमींदोज कर दिया।खास महल जमीन के मालिकाना हक और इसके व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर यह बहुचर्चित भूमि लंबे समय से विवादों के घेरे में रही है। प्रशासन का स्पष्ट तौर पर कहना है कि यह पूरी कार्रवाई मौजूदा सरकारी नियमों और निदेर्शों के तहत अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए की गई है।हालांकि इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई के बाद से स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हलचल काफी तेज हो गई है। आने वाले समय में विपक्षी दलों और समर्थकों के बीच तीखी बयानबाजी का दौर शुरू होने की पूरी संभावना है। दूसरी ओर, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में भी इस तरह के सख्त अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेंगे।

हजारीबाग पुलिस महकमे में बड़े पैमाने पर तबादला, कई अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। जिले में पुलिस प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एसपी अमन कुमार ने बड़े पैमाने पर पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण किया है। जारी आदेश के तहत पुलिस अवर निरीक्षक एवं सहायक पुलिस अवर निरीक्षक स्तर के बड़ी संख्या में अधिकारियों को विभिन्न थानों और ओपी में नई जिम्मेदारी दी गई है। स्थानांतरण के बाद अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।
स्थानांतरण सूची के अनुसार छोटू उरांव को बड़कागांव से ईचाक, अजय कुमार रविदास को केरेडारी से बरकट्ठा, सुनील कुमार मेहता को लोहसिंघना से बरही, रमेश यादव, जफ्फार आलम, दशरथ महतो, सत्यम गुप्ता, निलेश कुमार रंजन, मदन मुंडा और अरुण कुमार मुंडरी को विभिन्न स्थानों से बरही भेजा गया है। वहीं महेश कुमार पासवान, रोशन कुमार, प्रकाश होरो एवं देवदत्त कुमार सिंह को बड़कागांव, अमित कुमार, अनुप कुमार, अजय रजक एवं रामदेव दास को कोर्रा तथा दिव्य प्रकाश, बिरजा कुजूर एवं सुधीर कुमार को केरेडारी थाना में पदस्थापित किया गया है।
इसके अलावा कई अधिकारियों को सदर, मुफस्सिल, विष्णुगढ़, चौपारण, लोहसिंघना, ईचाक, बरकट्ठा, पेलावल, पगार, दारू, चरही, चलकुशा, कटकमदाग, कटकमसांडी, टाटीझरिया, उरीमारी, गोरहर, सिकरी एवं डांडीकला ओपी समेत अन्य स्थानों पर भेजा गया है। सहायक पुलिस अवर निरीक्षक स्तर पर भी व्यापक फेरबदल करते हुए अधिकारियों को अलग-अलग थाना, ओपी, यातायात थाना, सीसीआर एवं अन्य इकाइयों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश में सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को बिना विलंब अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

काली कुर्मी टोला में फुटबॉल महाकुंभ-2026 का भव्य आगाज, 25 सितंबर तक मचेगी खेल की धूम

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा: जय सरना स्पोर्टिंग क्लब, कुर्मी टोला के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल महाकुंभ-2026 का 18 सितंबर को ग्राम काली कुर्मी टोला खेल मैदान में विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथियों, प्रबुद्ध नागरिकों, स्थानीय मुखिया एवं पाहन जी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर क्षेत्र के सैकड़ों खेलप्रेमी, ग्रामीण और गणमान्य लोग मौजूद रहे।
उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं को अपनी छिपी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच मिलता है। खेल न केवल युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि समाज में आपसी एकता, अनुशासन और भाईचारे की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।
डुमारो पंचायत स्थित काली कुर्मी टोला मैदान में यह टूनार्मेंट 18 सितंबर से 25 सितंबर 2026 तक चलेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी खेलप्रेमियों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएं और इस आयोजन को सफल बनाएं।
समारोह में मुख्य रूप से झामुमो जिला उपाध्यक्ष सितमोहन मुंडा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी, कांके विधायक प्रतिनिधि शशि मुंडा, डुमारो पंचायत मुखिया सुनिता खलखो, उपमुखिया लाला उरांव, मल्हन पंचायत मुखिया जतरू मुंडा, स्वतंत्रता सेनानी रंका टाना भगत, समाजसेवी भैरों भगत, महादेव उरांव, ग्राम प्रधान काली मंगन पाहन, सरना समिति सदस्य बुधूवा उरांव, आदिवासी टाना भगत उच्च विद्यालय निद्रा के प्रधानाध्यापक मुखदेव गोप और मैकलुस्कीगंज सीजीएम स्कूल के डायरेक्टर कुश कुमार यादव उपस्थित थे। इनके साथ ही शंकर टाना भगत, सुनील कुमार, केश्वर सिंह, सुनील उरांव, रमेश टाना भगत, बिरसा टाना भगत, संजय उरांव, राकेश उरांव, अनिल उरांव, अर्जुन गंझू, सकलू उरांव, चारों उरांव, राजेश उरांव, विश्वामित्र टाना भगत, चरकु उरांव एवं विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति को मिली मंजूरी, 41,779 विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय छात्रवृत्ति अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत जिले के 41,779 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने की सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक के दौरान कक्षा 1 से 10 तक अध्ययनरत उन सभी छात्र-छात्राओं के आवेदनों को मंजूरी दी गई, जिनका सत्यापन संस्थान एवं जिला नोडल पदाधिकारी स्तर पर पूरा हो चुका था। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत इस योजना से आच्छादित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र छात्र लाभ से वंचित न रहे।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता:उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग, बाल कल्याण समिति एवं जिला बाल संरक्षण इकाई से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया।बैठक में मिशन वात्सल्य व जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास, स्पॉन्सरशिप, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मानव तस्करी के तहत दर्ज हुए मामले एवं उनमें किए गए बच्चों के रेस्क्यू कार्य की जानकारी लेते हुए सक्रिय होकर कार्य करने को कहा गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को जमीनी स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष परिस्थितियों में रह रहे किशोर-किशोरियों की सुरक्षा और उनके समग्र विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण कार्यक्रमों, किशोर स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण ट्रैकर, सेविका सहायिका रिक्तियां, आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना एवं भवन निर्माण, एमटीसी केंद्र संचालन तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा की विभाग द्वारा जितनी भी योजनाएं चलाई जा रही है उन सभी में लक्षित लक्ष्य के विरुद्ध शत प्रतिशत उपलब्धि को प्राप्त करें। उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन सुचारू रूप से संचालित हों। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर भी चर्चा की गई तथा उनके समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी, बाल कल्याण समिति सदस्य, महिला पर्यवेक्षिका एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

9वें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को किया रवाना

लातेहार; 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के तहत आज समाहरणालय परिसर से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन 9 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी है।जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को पोषण के महत्व, संतुलित आहार, बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका के प्रति जागरूक किया जाएगा।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पोषण केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और सशक्त भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने आमजनों से पोषण माह के दौरान आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा बच्चों एवं महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की।

कभी अफसरों की सवारी, अब इतिहास की निशानी... नए समाहरणालय में फिर लौटी हजारीबाग की एंबेसडर

1957-58 के दौर की करीब सात दशक पुरानी कार बनी आकर्षण का केंद्र, पुराने प्रशासनिक दौर की यादें हुईं ताजा

प्रमोद खण्डेलवाल

हजारीबाग: समय बदला, सरकारी व्यवस्था बदली और समाहरणालय की इमारत भी बदल गई, लेकिन हजारीबाग के प्रशासनिक इतिहास की गवाह रही एक एंबेसडर आज भी अपने दौर की कहानी सुना रही है। करीब सात दशक पुरानी यह कार अब नए समाहरणालय परिसर में पहुंच चुकी है। कभी अधिकारियों की आवाजाही और सरकारी व्यवस्था की पहचान रही यह कार आज इतिहास की निशानी बनकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। करीब 1957-58 के दौर की मानी जा रही इस एंबेसडर को लंबे समय तक पुराने समाहरणालय परिसर के पार्क में सुरक्षित रखा गया था। अब इसे नए समाहरणालय परिसर में सम्मानजनक स्थान दिया गया है। यहां पहुंचते ही लोगों की नजर इस पुरानी कार पर टिक रही है। कई लोग इसके बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं तो कुछ इसके साथ तस्वीरें भी खिंचवा रहे हैं।

नई इमारत के बीच दिखता पुराना हजारीबाग

आधुनिक सुविधाओं से लैस नए समाहरणालय भवन के बीच खड़ी यह पुरानी एंबेसडर हजारीबाग के बदलते प्रशासनिक सफर की कहानी कहती नजर आती है। एक तरफ आधुनिक कार्यालय और सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ करीब सात दशक पुरानी कार, जो उस दौर की याद दिलाती है जब एंबेसडर सरकारी व्यवस्था की खास पहचान हुआ करती थी। इस कार को नए परिसर में सुरक्षित रखने की पहल को पुरानी प्रशासनिक विरासत को सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उपायुक्त हेमंत सती की इस पहल की सराहना भी हो रही है।
यह एंबेसडर अब महज एक पुराना वाहन नहीं रह गई है। यह हजारीबाग के प्रशासनिक अतीत की ऐसी निशानी बन गई है, जो नई पीढ़ी को बीते दौर से जोड़ रही है। नए समाहरणालय परिसर में खड़ी यह कार मानो कह रही है–इमारतें बदलती हैं, व्यवस्था बदलती है, लेकिन इतिहास अपनी पहचान छोड़ जाता है।

बालूमाथ में कोयला वाहनों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम को लेकर प्रशासन गंभीर, अनुपालन के निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार: बालूमाथ क्षेत्र में कोयला वाहनों के परिचालन से उत्पन्न धूल एवं वायु प्रदूषण तथा इससे आमजनों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए उपायुक्त संदीप कुमार द्वारा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में जारी निर्देश में कहा गया है कि कोयला परिवहन के दौरान उड़ने वाले धूल-कणों की रोकथाम के लिए केंद्रीय/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निदेर्शों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।निर्देश के तहत अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार को संबंधित पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनप्रतिनिधियों–जिला परिषद सदस्य, प्रमुख, मुखिया आदि–की सहभागिता से प्रखंड कार्यालय, बालूमाथ में बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। कोयला कंपनियों एवं अन्य वाहनों से होने वाले वायु एवं धूल प्रदूषण की रोकथाम के साथ-साथ सड़क सुरक्षा एवं जान-माल की सुरक्षा से संबंधित उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
आवागमन पथ पर कोयले की धूल की सफाई के लिए टिपर, ट्रॉली, ऑटोमेटिक स्वीपिंग मशीन, वाटर स्प्रिंकलर एवं एंटी-फॉगिंग मशीन जैसे आवश्यक उपकरणों के उपयोग को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सफाई मित्रों की बहाली, घरों से कचरे के उठाव एवं उपयोगकर्ता शुल्क के संग्रहण हेतु समिति/एनजीओ के गठन की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपरोक्त बिंदुओं का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए एक सप्ताह के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए।

यूपीआई शुल्कः सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित गर्ग

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।

इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरूआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दर्शाती है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केंद्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बर्दाश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।

सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक ह्यलाइकह्न, एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है।

कछुआ की गति से भी धीमी है देश की अदालतों की चाल

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया की अदालतों में लंबित मुकदमों की कुल तादाद से अधिक तादाद हमारे इकलौते देश भारत में लंबित मुकदमों की है। हालत यह है कि लाखों लोगों को अपने जीवन में अदालत में लंबित मुकदमे का फैसला नहीं मिल पाता है हालांकि देश में कानून का संविधान का शासन है लेकिन यह कैसी कानून व्यवस्था है जिसमें न्याय पाने की लालसा में जिन्दगी बीत जाती है लेकिन न्याय नहीं मिलता है।और ऐसी लेटलतीफी भरी कानून व्यवस्था में कैसे किसी का विश्वास बना रह सकता है? देश में बढ़ती अराजकता भ्रष्टाचार और अपराध के लिए यही न्याय व्यवस्था जिम्मेदार है क्योंकि अपराधी को पता है कि अदालत की सुनवाई में दशकों बीत जाते हैं और तब तक गवाह को डरा धमका कर या प्रलोभन देकर पक्षद्रोही कर लिया जाएगा और अपराधी बाईज्जत बरी होने में सफल हो जाता है। यही वजह है कि देश में दोषसिद्धी (कनविकशन) की दर बहुत कम सिर्फ 54 फीसद है. कहा जाता है कि देर से मिलने वाला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है. लेकिन देश की अदालती प्रक्रिया इस तरह जटिल और दुरूह है कि लोग अदालतों के चक्कर लगाते जीवन के बहुमूल्य समय को बर्बाद कर देते हैं और जब अदालत से न्याय मिलता है तब बहुत देर हो चुकी होती है। भारत की अदालतों में इस समय लगभग 5.86 करोड़ से अधिक मामले लंबित (पेंडिंग) हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश भर में लगभग 5.86 करोड़ मामले अटके हुए हैं। जिला व निचली अदालतों में सबसे अधिक करीब 5.2 करोड़ मामले निचली अदालतों में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में लगभग 64.97 लाख मामले लंबित हैं। सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में लगभग 95,000 मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबित होने के मुख्य कारण न्यायाधीशों की कमी होना भी है। देश में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं, जबकि विधि आयोग ने 50 जजों की सिफारिश की थी।

सरकार खुद बड़ी वादी है कुल लंबित मामलों में से लगभग 50% मामलों में सरकार खुद एक पक्ष या वादी है। भूमि और संपत्ति विवादः लगभग 20% मामले जमीन और संपत्ति के विवादों से जुड़े हैं।प्रक्रियागत देरी भी एक बड़ी समस्या है। बार-बार तारीखें लेना, कागजी कार्रवाई में देरी और पुराने तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है।

आज देश में पीड़ितों को न्याय के इंतजार में वर्षों लग रहे हैं और अदालतों में जारी तारीख पर तारीख के गलत रवैये के चलते मुकद्दमों के लटकते चले जाने के कारण न्याय की प्रतीक्षा में ही लोगों की पूरी जिंदगी बीत रही है ऐसी ही चंद घटनाओं से आपको रूबरू कराते हैं

4 फरवरी को गुजरात हाई कोर्ट ने नवम्बर, 1996 से लटकते आ रहे 30 वर्ष पुराने एक मामले में पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति को एक ट्रक ड्राइवर से 20 रुपयों की रिश्वत लेने के आरोप में बाइज्जत बरी कर दिया। वर्ष 2004 में निचली अदालत ने उसे 4 वर्ष की सजा सुनाई थी जिसके कारण बाबूभाई प्रजापति की नौकरी और पैंशन सब चली गई।

बाबूभाई प्रजापति ने उक्त फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई थी। बरी होने के बाद बाबूभाई प्रजापति ने अपने वकील से कहा था, मेरे जीवन से यह कलंक मिट गया, अब यदि भगवान मुझे उठा भी लें तो कोई दुख नहीं। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि फैसला आने के अगले ही दिन 5 फरवरी, 2026 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

5 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट ने गवाहों के बयानों में भारी कमियों के दृष्टिगत संदेह का लाभ देते हुए 2 इंजीनियरों वी. के. दत्ता और दिनेश गर्ग को 35 वर्ष पूर्व 20 सितम्बर, 1991 को उन पर लगे 1,800 रुपए रिश्वत मांगने के आरोपों से यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग को साबित करने में नाकाम रहा है। निचली अदालत ने वर्ष 2002 में इन्हें 2 वर्ष कैद की सजा सुनाई थी।

1 जुलाई को लखनऊ की सी.बी.आई. अदालत ने लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की 8 अगस्त, 2002 को हत्या के लगभग 23 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान अन्य आरोपी मन्नालाल, वेद प्रकाश व छोटेलाल मर चुके हैं। 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1996 के 30 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए गुजरात सरकार के 2 कर्मचारियों (1 क्लर्क और 1 चपरासी) को बरी कर दिया क्योंकि उन पर अभियोग पक्ष अपना आरोप सिद्ध न कर सका। इन दोनों पर एक छात्र को वजीफे के लिए आय प्रमाण पत्र जारी करने के बदले में 20 रुपए की रिश्वत लेने का आरोप था और निचली अदालत ने उन्हें एक वर्ष की सजा सुनाई थी।

25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने डबल मर्डर से जुड़े लगभग 45 वर्ष पुराने मामले में देश की न्यायिक प्रणाली की विफलता पर बेहद सख्त और चिंताजनक टिप्पणी की। निचली अदालत को इस मामले का ट्रायल (सुनवाई)पूरा करने में ही 22 वर्ष लग गए। इसके बाद, जब मामले की अपील की गई, तो झारखंड हाई कोर्ट ने भी अपना फैसला सुनाने में 22 वर्ष का लंबा समय लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस भयंकर देरी को न्यायिक व्यवस्था की विफलता करार देते हुए 70 वर्षीय आरोपी की सजा को सस्पेंड (स्थगित) करते हुए उसे रिहा कर दिया। अदालत ने गौर किया कि 6 आरोपियों में से 2 की मौत आरोप तय होने से पहले ही हो गई थी जबकि दोषी ठहराए गए 4 में से 3 आरोपियों की मौत हाई कोर्ट में ममला लम्बित रहने के दौरान हो गई थी।

1 सितम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन बैंक के एक पूर्व ब्रांच मैनेजर को वर्ष 1991 से उसके विरुद्ध चल रहे 35 वर्ष पुराने भ्रष्टाचार के मामले में बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके लगाए हुए आरोप पूर्णतः मनगढ़ंत पाए गए।

अदालतों पर मुकद्दमों का भारी बोझ होने के चलते न्याय मिलने में विलंब को देखते हुए ही लोगों ने कई मामलों में स्वयं कानून हाथ में लेना शुरू कर दिया है और इसीलिए समय-समय पर लोगों द्वारा अपराध के शक में लोगों को पकड़ कर बिना सच्चाई जाने ही पीट-पीट कर मार डालने के समाचार तक आने लगे हैं।इस तरह की नौबत न आए इसके लिए जहां देश की छोटी-बड़ी सभी अदालतों में जजों की कमी यथाशीघ्र दूर करने की आवश्यकता है, वहीं अदालतों में न्याय प्रक्रिया को चुस्त तथा और तेज करने की भी जरूरत है। यदि अदालतों में पर्याप्त संख्या में जज ही नहीं होंगे तो फिर भला लोगों को समय पर न्याय किस प्रकार मिल सकता है।

बिना किसी संदेह के, भारतीय अदालतों में मामलों की भारी तादाद में लंबित मामले न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आंकड़ों के अनुसार, देश की अदालतों में लंबित मामलों की कुल संख्या 5.4 करोड़ (54 मिलियन) से अधिक हो चुकी है, जिसमें पिछले एक दशक में लगभग 80% की भारी वृद्धि देखी गई है।इन लंबित मामलों का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 85% से अधिक) निचली या अधीनस्थ अदालतों में है, वहीं, सर्वोच्च न्यायालय में भी लगभग 85,000 मामले लंबित हैं। ।स्वीकृत पदों का खाली होनाअदालतों में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों में से एक बड़ी संख्या खाली पड़ी रहती है। निचली अदालतों में हजारों पद और उच्च न्यायालयों में सैकड़ों पद लंबे समय से रिक्त हैं क्योंकि भर्ती और नियुक्ति की प्रक्रिया काफी धीमी और जटिल है। बुनियादी ढांचे या निचली अदालतों में कोर्ट हॉल, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं) और सहायक कर्मचारियों (जैसे आशुलिपिक और क्लर्क) की भारी कमी है, जिससे दैनिक सुनवाई की गति धीमी हो जाती है। अंतर-विभागीय विवादों और अनावश्यक अपीलों के कारण अदालतों पर बोझ लगातार बढ़ता जाता है। प्रक्रियात्मक कमियां और स्थगन अदालती प्रक्रियाओं में बार-बार मिलने वाली तारीखें , बार-बार की जाने वाली अपीलें, और मुकदमों के प्रबंधन की कुशल प्रणाली न होना मामले को सालों-साल खींचता है। वैकल्पिक विवाद समाधान का कम उपयोगमध्यस्थता सुलह और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों का देश में अभी भी उतना प्रभावी और व्यापक उपयोग नहीं हो पा रहा है जितना होना चाहिए ताकि छोटे मामलों को कोर्ट से बाहर ही सुलझाया जा सके। सुधार के प्रयासःइस संकट से निपटने के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुराने मामलों को तेजी से निपटाने के लिए विशेष बेंचों का गठन करने जैसे कदम उठाए गए हैं। साथ ही, सरकार द्वारा भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम से भारत बनेगा ग्लोबल हब, आयात पर घटेगी निर्भरता

बिहान भारत

इलेक्ट्रॉनिक्स आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं और रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यह संचार, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, वित्त, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को संचालित करता है। स्मार्टफोन और ऑटोमोबाइल से लेकर दूरसंचार नेटवर्क और औद्योगिक प्रणालियों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीकी प्रगति और आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देता है। इसलिए, तकनीकी मजबूती, आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय विस्तार देखा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 2014-15 के ?1.9 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ?13.11 लाख करोड़ हो गया। इसी अवधि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात ?38,000 करोड़ से बढ़कर ?4.24 लाख करोड़ हो गया। इस निरंतर वृद्धि ने भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्यों के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। अब अगली प्राथमिकता घरेलू स्तर पर कंपोनेंट बनाने, ज्यादा वैल्यू एडिशन करने और सप्लाई-चेन को और अधिक सुरक्षित और स्थिर बनाकर इस इकोसिस्टम को और बेहतर बनाना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) इसी बदलाव को गति देने के लिए तैयार की गई है। कई महत्वपूर्ण कंपोनेंट और मटीरियल अभी भी आयात पर निर्भर हैं; इनमें प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), कैमरा और डिस्प्ले मॉड्यूल, कनेक्टर, कैपेसिटर, लीथियम-आयन सेल और रेयर-अर्थ मैग्नेट शामिल हैं। ईसीएमएस कंपोनेंट, सब-असेंबली, सप्लाई-चेन उत्पादों और संबंधित कैपिटल गुड्स में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देती है। इसका उद्देश्य घरेलू स्तर पर वैल्यू एडिशन को बढ़ाना और आयात पर निर्भरता को कम करना है। यह योजना भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने का भी लक्ष्य रखती है। इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में गहराई से क्षमताएं विकसित करके, ईसीएमएस का उद्देश्य भारत की मैन्युफैक्चरिंग गति को एक आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में बदलना है।

सेमीकॉन 2026 : भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देना

सेमीकंडक्टर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों का आधार हैं। इसलिए तकनीकी मजबूती, आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण आवश्यक है। इस रणनीतिक महत्व को देखते हुए, भारत सरकार नीतिगत सहयोग, बुनियादी ढांचे और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रही है।

इसी दिशा में, ह्लसिलिकॉन से सिस्टम तकः पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माणह्व विषय पर आयोजित रएटक्ळडठ क्ल्र्ळ 2026 का उद्घाटन 17 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के यशोभूमि में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया। 17 से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित यह कार्यक्रम वैश्विक उद्योग जगत के प्रमुखों, नीति-निमार्ताओं, निवेशकों, शिक्षाविदों और स्टार्टअप्स को एक मंच पर ला रहा है। यह भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने और पूरी मूल्य श्रृंखला में पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

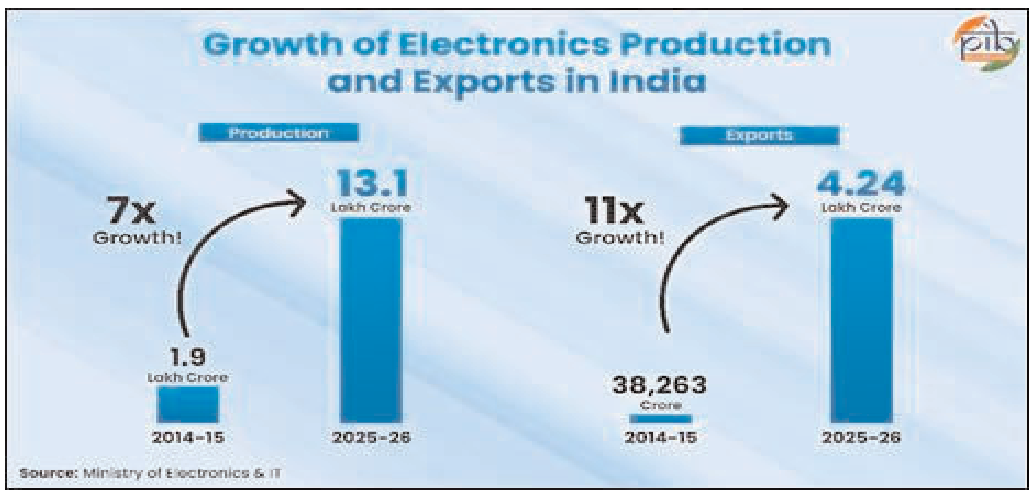

ईसीएमएस की अब तक की प्रगतिः नीति से लेकर उत्पादन तक

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम असेंबली से आगे बढ़कर महत्वपूर्ण कंपोनेंट्स और आवश्यक कच्चे माल की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में एक मजबूत और गहरे स्तर पर जुड़ी 'स्वदेशी' इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन के विकास को गति दे रही है।

ईसीएमएस को 8 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था। इसे ?22,919 करोड़ के शुरूआती वित्तीय परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस योजना की कुल अवधि छह वर्ष है, जिसमें एक वर्ष की वैकल्पिक स्थापना अवधि (गेस्टेशन पीरियड) का प्रावधान है।

पूंजीगत व्यय प्रोत्साहन पांच (5) वर्षों के लिए उपलब्ध है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में ईसीएमएस के वित्तीय परिव्यय को बढ़ाकर ?40,000 करोड़ कर दिया गया है। यह बढ़ा हुआ आवंटन घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट के निर्माण को और अधिक सुदृढ़ और गहरा बनाएगा।

अगस्त 2026 तक, 15 राज्यों में कुल 106 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है।

ये परियोजनाएं 30 इलेक्ट्रॉनिक डोमेन उत्पादों को कवर करती हैं और इनमें ?69,548 करोड़ के स्वीकृत निवेश का समावेश है।

38 स्वीकृत प्लांट्स में उत्पादन पहले से ही चल रहा है। इसके अलावा, अन्य 16 परियोजनाएं निर्माण या मशीनरी स्थापना के उन्नत चरणों में हैं।

इन स्वीकृत परियोजनाओं से ?5.34 लाख करोड़ के उत्पादन का अनुमान है। इनसे 74,628 प्रत्यक्ष रोजगार और 2.5 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के सृजन का भी अनुमान है।

ईसीएमएस महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और मटीरियल्स के क्षेत्र में घरेलू क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। अब कई उत्पाद श्रेणियों में उत्पादन क्षमता घरेलू मांग को पूरा करती है या उससे अधिक है।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार की रणनीतिक पहल राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019 (एनपीई 2019): इसने भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) के लिए एक ग्लोबल हब के रूप में स्थापित करने का सर्वोपरि उद्देश्य निर्धारित किया। इसमें मुख्य कंपोनेंट्स का विकास करना और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करना शामिल है।

बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाः इसके तहत पात्र टारगेट सेगमेंट के लिए वृद्धिशील बिक्री पर 4 प्रतिशत से 6 प्रतिशत तक के परफॉर्मेंस-लिंक्ड इंसेंटिव शुरू किए गए हैं। इसका मुख्य फोकस घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग को बड़े पैमाने पर बढ़ाना है।

इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और सेमीकंडक्टर्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना (रढएउर) और मॉडिफाइड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स (एटउ 2.0): रढएउर ने इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, सेमीकंडक्टर/डिस्प्ले फैब्रिकेशन, अळटढ (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) यूनिट्स, खास सब-असेंबली और कैपिटल गुड्स के लिए 25 प्रतिशत कैपिटल-एक्सपेंडिचर इंसेंटिव दिया। एटउ 2.0 ने विश्व स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, कॉमन फैसिलिटीज और प्लग-एंड-प्ले क्षमता को सपोर्ट किया।

आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआईः यह घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन प्रदान करती है।

पीएलआई 2.0 मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने, आयात पर निर्भरता कम करने और भारत को एक भरोसेमंद ग्लोबल सप्लाई-चेन हब के रूप में स्थापित करने के लिए इसी आधार को आगे बढ़ाती है।

सेमीकंडक्टर इंडिया प्रोग्रामः ?76,000 करोड़ के सेमीकंडक्टर 1.0 प्रोग्राम ने एक व्यापक सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का निर्माण किया। यह फैब, पैकेजिंग, टेस्टिंग, डिजाइन और संबंधित क्षमताओं के लिए सपोर्ट देकर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देता है। सेमीकंडक्टर 2.0 को जुलाई 2026 में ?1,27,500 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई थी। इसका उद्देश्य भारत को एक ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) स्कीमः यह ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए प्रत्येक 100 एक-ड़ भूमि पर ?50 करोड़ की अधिकतम सीमा के साथ, परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

फेज्ड मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम (पीएमपी - चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम): यह सेल्युलर मोबाइल फोन और उनके प्रमुख सब-असेंबली में घरेलू वैल्यू एडिशन को बढ़ाने के लिए टैरिफ पर आधारित एक व्यवस्थित तरीका बनाता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट फंड (ईडीएफ): यह ईएसडीएम और आईटी क्षेत्र में रिस्क कैपिटल उपलब्ध कराने तथा मार्केट-बेस्ड इनोवेशन, प्रोडक्ट डिजाइन और स्टार्टअप विकास को बढ़ावा देने के लिए वेंचर फंड्स (डॉटर फंड्स या सहायक फंड्स) में निवेश करने वाले'फंड ऑफ फंड्स' के रूप में कार्य करता है।

ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में अग्रसर

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग महत्वाकांक्षाओं को निवेश, उत्पादन और रोजगार में बदलने में मदद कर रही है। जैसे-जैसे परियोजनाएं स्वीकृतियों से निकलकर निर्माण और व्यावसायिक उत्पादन की ओर बढ़ रही हैं, ईसीएमएस देश के मैन्युफैक्चरिंग आधार को व्यापक बना रही है, घरेलू स्तर पर वैल्यू एडिशन को गहरा कर रही है और ग्लोबल वैल्यू चेन के साथ एकीकरण को मजबूत कर रही है। चूंकि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पहले ही एक प्रमुख निर्यात श्रेणी के रूप में उभर रहा है, इसलिए भारत 2030 तक $500 बिलियन (?47.75 लाख करोड़) के घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम और $150 बिलियन (?14.33 लाख करोड़) के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का लक्ष्य रख रहा है, जो एक विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात केंद्र बनने के लक्ष्य को मजबूत करता है।

10 स्किन फ्रेंडली टिप्स फॉर ऑफिस

1. अपनी डेस्क पर पानी की बोतल हमेशा रखें ताकि आपको याद रहे कि आपको रेगुलर पानी पीते रहना है। ऑफिस में काम करने वाले अधिकतर लोग डिहाइड्रेशन की समस्या जूझते हैं क्योंकि वे अपने काम में इतना रम जाते हैं कि उन्हें अपने शरीर की मांग का पता नहीं चल पाता। यही फर्क स्किन पर भी दिखता है।

2. आपका दिमाग सुचारू रूप से काम करता रहे, इसके लिए आप कॉफी का साथ नहीं छोड़ते। आपकी डेस्क पर कॉफी का कप हमेशा रहता है तो आपके लिए घबराने वाली बात है। कॉफी से बेहतर है कि आप चाय पिएं लेकिन यह भी सही मात्रा में। दरअसल चाय में स्किन फ्रेंडली एंटिऑक्सिडेंट्स होते हैं।

3. ब्यूटी एक्सपर्ट विघा टिकारी के अनुसार, अपने चेहरे को लंच टाइम पर पानी से धो डालिए। आधे घंटे बिना मेकअप के रहिए, स्किन को सांस लेने दीजिए। संभव हो तो फेस वॉश साथ रखिए, इससे अपने चेहरे का मेकअप हटा डालिए। याद रखिए कि मेकअप त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देता है और ब्लैकहेड्स/एक्ने को बढ़ाता है।

4. यदि आपके बैठने की जगह खिड़की के पास है और वहां ब्लाइंड्स लगे हैं तो ध्यान रखिए कि आपने सनस्क्रीन चेहरे पर लगाया हो। भले ही आपके चेहरे पर सूरज की रोशनी सीधी न पड़ रही हो पर इससे भी स्किन टैन तो होती ही है।

5. एयरकंडीशन आपकी स्किन के मॉयश्चर को चुराता है। यदि एसी सीधे आपकी आर है तो उसे टर्न कर दीजिए। अपने ड्रॉअर में मॉयश्चराइजर रखिए, इसे हर दो-तीन घंटे पर अपनी खुली स्किन पर अप्लाई कीजिए।

6. यदि आप लंबे समय तक सीट बैठे हैं तो अपने पैर को खुली हवा में सांस तो लेने दीजिए। जूते/सैंडिल उतार दीजिए। यदि आपके पैर लंबे समय तक बंद रहते हैं तो फंगल फूट इंफेक्शन होने की आशंका रहती है।

7. ज्यादा देर तक कंप्यूटर स्क्रीन की आर देखते मत रहिए। स्क्रीन से आने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें स्किन को टैन करती हैं और आंखों के नीचे डार्क सिंकल बनाती हैं। बेहतर होगा कि कंप्यूटर पर एंटीग्लेयर कोटिग हो। सनस्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए और बीच-बीच में अपनी आंखे स्क्रीन पर से हटाते रहिए।

8. यदि आप कोई दवा ले रहे हैं तो उसे छोड़िए मत। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए कि लंबे समय तक काम करने के चक्कर में आप अपनी दवा लेना भूल जाएं।

9. लंच ब्रेक या टी ब्रेक के समय सिगरेट पीने वालों के ग्रुप से दूर रहिए। ऐसा नहीं कि आप तो सिगरेट नहीं पीते लेकिन इन लोगों के साथ हंसी-ठट्ठा करने के लिए इनके साथ शामिल हो जाते हैं।

10. लंच में बिना ड्रेसिग वाली सलाद खाएं। हरी पत्तोदार सलाद और टमाटर इसमें जरूर शामिल हो। इनमें खूब मिनरल और विटामिन होते हैं जो स्किन के लिए अच्छा है, कहती हैं डाइटीशियन इति भल्ला। अपने बैग में एक फ्रूट जरूर कैरी करें और इसे खाएं भी।

सजावट सलाद की

हमारे भोजन में सलाद का महत्त्वपूर्ण स्थान हैं। क्योंकि सलाद पौष्टिकता से भरपूर होता हैं। सलाद में मूली, गाजर, ककड़ी, विविध प्रकार के फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, बींस, धीनया, पूदीना, पार्सले, दालों व चने का उपयोग किया जा सकता हैं।

- सलाद का नियमित सेवन करने से कब्ज जैसी बीमारी से छुटकारा मिल जाता हैं।
- सलाद खाने से आंखों की ज्योति बरकरार रहती हैं। और चेहरे पर चमक आती हैं।
- सलाद पचने में आसान होता हैं। तथा कैलोरी की मात्रा कम होने से इस का भरपूर सेवन किया जा सकता हैं।
- सलाद की ड्रेसिंग के लिए ज्यादातर तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन यदि आप तेल का प्रयोग न करना चाहें तो स्किम्ड मिल्क के दही की सौस या विविध फलों के गूदों से बनी सौस का प्रयोग कर के सलाद को रूचिकर बना सकते हैं।
- सलाद को सजाने के लिए सिरका, नींबू का रस, मस्टर्ड चटनी, नमक व कालीमिर्च का प्रयोग करते हैं। भुने सफेद तिल,भुनी मूंगफली व भुनी चने का प्रयोग कर के सलाद की गुणवत्ता को कई गुना बढ़ाया जा सकता हैं।

कोथम्बीर वड़ी

सामग्रीः 1 कप बेसन, 1/2 कप बारीककटी हुई हरी धनिया, 2 टेबलस्पून तेल, 4-6 लहसुन बारीक कटा हुआ, 3-4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1/4 कप भूनी व दरदरी कूटी हुई मूंगफली, 1 टीस्पून शक्कर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधिः तेल गर्म करके लहसुन व हरी मिर्च डालें। पानी, नमक व शक्कर डालकर उबालें, फिर बेसन डालकर चलाएं। मूंगफली व कटी हुई हरी धनिया डालकर मिला लें। जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे तब चिकनाई लगी थाली में डालकर फैला लें और ठंडा होने दें। मनचाहे आकार में काट लें और गरम तेल में फ्राई करें।

फैशनेबल हैरम पैंट्स

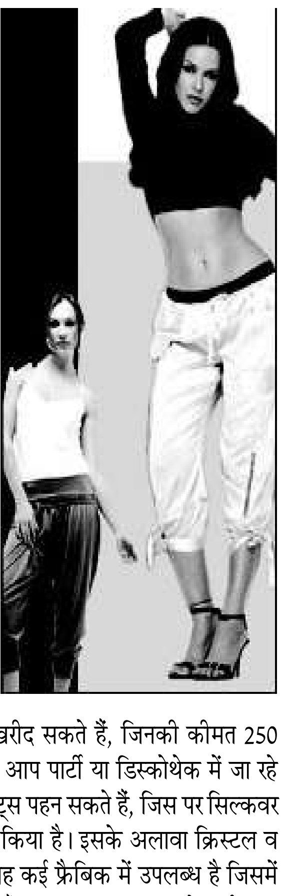

जमाना अब एक्सपेरिमेंटल का है, तभी तो युवा अपने कपड़ों में भी एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं, इसी की देन है हैरम पैंट जो कि युवतियों की अब खास पसंद बन गई है। युवतियां गैर परंपरागत ड्रेस को अधिक तवज्जे दे रही हैं जिसमें उनका लुक बिल्कुल ही अपरंपरागत लगता है।

हैरम पैंट्स फ्लेयर पैंट्स है तो कि बॉट्म से बिल्कुल संकरी होती है। यह फैशनेबल तो है ही, साथ ही आरामदायक भी है। कुछ देशों में बैले नृत्य हैरम पैंट्स पहन कर ही किया जाता है क्योंकि इस डांस में कमर और हिप्स के मूवमेंट्स होते हैं जो कि इस पैंट में साफ झलकते हैं। भारतीय युवतियों के बीच सूट-सलवार काफी प्रचलित है और उनके लिए हैरम पैंट्स काफी उपयोगी साबित होगी। फैशन डिजाइनर कविता भरतिया कहती हैं, आजकल टाइट कपड़े फैशन में नहीं है बल्कि बैलून ड्रेस यानी फूली हुई ड्रेस फैशन में है, इसमें ड्रेस बाजू और बॉट्म से गुब्बारेनुमा फूली हुई होती है। जो काफी स्टाइलिश दिखती है और इसी की तर्ज पर हैरम पैंट्स भी फैशन में है। पुराने समय में सैनिक इस तरह की पैंट्स पहनते थे जोकि बॉट्म से फूली हुई होती थी। हैरम पैंट्स कोई लेटेस्ट फैशन नहीं है बल्कि यह 70 और 80 के दशक का फैशन है। उसका परिष्कृत रूप है। पहले जो हैरम पैंट्स पहनी जाती थी वे लंबी कुर्ती के साथ पहनी जाती थी। मगर अब लड़कियां हैरम पैंट्स टीशर्ट, बैकलेस टॉप और हैंगिग टॉप के साथ पहन रही हैं जोकि हैरम पैंट्स का मॉडर्न लुक है। हैरम पैंट्स में फिगर बहुत ही आकर्षक लगती है, अगर आप अपनी कमर को हाईलाइट करना चाहती है तो पैंट्स पर बैल्ट भी लगा सकती है।

जिन लड़कियों के चौड़े हिप्स होते हैं, उनके लिए यह ड्रेस बहुत ही उपयुक्त है, क्योंकि इस ड्रेस में चौड़े हिप्स छिप जाते हैं और फिगर बहुत ही आकर्षक लगती है। आप सरोजनी नगर मार्केट और जनपथ मार्केट में हैरम पैंट्स खरीद सकते हैं, जिनकी कीमत 250 रूपये से शुरू है। अगर आप पार्टी या डिस्कोथेक में जा रहे हैं तो थाई कट्स हैरम पैंट्स पहन सकते हैं, जिस पर सिल्कवर व गोल्डन थ्रेड से वर्क किया है। इसके अलावा क्रिस्टल व स्टोन वर्क भी है और यह कई फ्रैबिक में उपलब्ध है जिसमें सॉटन, कॉटन, जॉर्जट हैं। अगर आप कमर को हाईलाइट करना चाहते हैं तो चौड़ी बैल्ट लगायें। हैरम पैंट्स बॉट्म से एकदम संकरी होती है इसलिए इस पर पर कोल्हापुरी चप्पल या जूतियां पहनें।

टाई को नहीं कह सकते गुडबाय

टाई की क्वालिटी आपकी पसंद और सेंस को बताती है। यूं तो मार्केट में कई मैटीरियल की टाई उपलब्ध है लेकिन सिल्क और वूल-ब्लेंडेड टाई हर तरह की शर्ट और सूट के साथ मैच करती है। टाई को खरीदते समय हमेशा उसे छूकर महसूस करें, वह सॉफ्ट और स्मूद होनी चाहिए। बेहतरीन और बढ़िया क्वालिटी की टाई दो पीसेज में नहीं बल्कि तीन पीसेज में सिली होती है। यही नहीं, टाई का पतला छोर चौड़े छोर के पीछे के बिल्कुल बीच में आता है। उस टाई को मत खरीदिए, जिसमें हाथों पर लपेटने से सिलवटें पड़ जाएं।

रंग और पैटर्न

टाई की खरीदारी में उसका रंग अहम स्थान रखता है। ब्लैक और व्हाइट कलर की शर्ट के साथ हर रंग की टाई चल जाती है। यदि ऐसा नहीं है तो फिर कंट्रास्ट सही रहता है लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि शर्ट के पैटर्न से टाई का पैटर्न मैच करना चाहिए, न कि विपरीत हो। यदि शर्ट का पैटर्न और कलर सॉफ्ट है तो बोल्ड कलर की टाई भी अच्छी लगती है लेकिन यदि शर्ट ब्राइट कलर की है तो टाई सोबर होनी चाहिए। चाहें तो शर्ट या सूट के पैटर्न या कलर से मैच करती टाई भी खरीदी जा सकती है। वैसे देखा जाए तो यलो, रेड, सिल्वर, ब्लू कलर की टाई ब्लैक कलर के सूट के साथ गजब ढाती है। ग्रे या ब्लू कलर के सूट के साथ उसी कलर की टाई जमती है। स्पेशल मीटिंग में दो रंग की सिंपल टाई अच्छी लगती है।

लंबाई और चौड़ाई

टाई की नॉर्मल चौड़ाई 3.25 इंच है और लंबाई 54 इंच। लेकिन लंबे लोगों पर 60 इंच की लंबाई वाली टाई जमती है। वैसे फैशन ट्रेंड बदलता भी रहता है। नॉट इस तरह से बांधी जानी चाहिए कि टाई बेल्ट के ऊपर ही खत्म हो जाए। आइडियली तो आधी इंच टाई बेल्ट पर लटकी होनी चाहिए। टाई की चौड़ाई व्यक्ति के शरीर पर निर्भर करती है। यदि व्यक्ति मोटा है तो चौड़ी टाई सही लगती है लेकिन यदि व्यक्ति पतला है तो टाई पतली ही होनी चाहिए।

नॉट

ऑफिस या बिजनेस मीटिंग में छोटी नॉट अच्छी लगती हैं। इसे बांधने में समय भी कम लगता है। यदि व्यक्ति लंबा है तो उसे लंबी टाई की जरूरत पड़ती है। लंबे-चौड़े व्यक्ति को विंडसर स्टाइल नॉट बांधनी चाहिए, जो अधिक ट्रेडिशनल है। यह बो की तरह गले पर बंधी नजर आती है।

आश्वासन के बाद किसानों का धरना प्रदर्शन खत्म, मुख्य सचिव स्तर की होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पर एक सप्ताह से चल रहा किसान संघर्ष मोर्चा का धरना गुरुवार को आश्वासन के बाद खत्म हो गया। 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव स्तर की वार्ता होगी। किसान 10 फीसदी आबादी भूखंड की मांग पर अड़े हैं और उन्होंने मांग पूरी नहीं होने पर 6 अक्टूबर से फिर धरना शुरू करने की चेतावनी दी है। किसान संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों और नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के सीईओ, जिलाधिकारी एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त के बीच करीब तीन घंटे बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने बताया कि 21 सितंबर तक प्राधिकरण और किसान नेता 10 फीसदी आबादी भूखंड समेत अन्य मुद्दों पर जरुरी तैयारी पूरी करेंगे। इसके बाद 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव और औद्योगिक विकास आयुक्त स्तर पर वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि वार्ता सकारात्मक रहने पर मुख्यमंत्री स्तर पर अंतिम वार्ता कराने का प्रस्ताव है। किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर 6 अक्टूबर से फिर आंदोलन किया जाएगा।

सभी दवा दुकानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मेडिकल स्टोर पर बिना पर्चे के दवाओं की बिक्री रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा जारी किया गया है। प्रस्ताव के तहत मेडिकल स्टोर पर होने वाली दवा बिक्री की निगरानी कैमरों के माध्यम से की जा सकेगी। खास तौर पर अनुसूची एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री पर नजर रखी जाएगी। इन दवाओं को वैध चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर ही बेचा जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मसौदे पर आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां व सुझाव मांगे हैं। प्रस्ताव लागू होने के बाद दवा दुकानों पर कैमरों के जरिए बिक्री प्रक्रिया की निगरानी बढ़ने की उम्मीद है।

अधिकारी की मेज पर कुत्ते छोड़ने वाले शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता पर मामला दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के विरोध में नगरपालिका के एक अधिकारी के कक्ष में जबरन घुसकर उनकी मेज पर बोरियों से निकालकर दो कुत्ते छोड़ने वाले शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता और अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह इस घटना के दौरान कुत्तों के साथ किए गए व्यवहार से आहत हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि नगर निकाय के अधिकारियों की निष्क्रियता को उजागर करने के लिहाज से वे सही थे, फिर भी ऐसे कृत्यों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। निफाड थाने के अधिकारी ने बताया कि एक लोक सेवक के आधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालने के आरोप में विक्रम रंधावे और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इन लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता के संबंध में भी मामला दर्ज किया है, क्योंकि प्रदर्शनकारी कुत्तों को बोरियों में लेकर आए थे।

अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की हत्या, आतंकी संगठन ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर(एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में बीती रात ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) हरजीत सिंह की गोली मारकर हत्या की गई। हरजीत बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। गंभीर रूप से घायल हरजीत को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे की मंशा का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। यह वारदात रात करीब 2-30 बजे हुई, जब एएसआई सिंह दाना मंडी के पास बाइक पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी बाइक पर आए दो अज्ञात हमलावरों ने दाना मंडी के गेट नंबर दो के बाहर उनकी गर्दन में गोली मार दी। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल हरजीत को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से हमलावरों का पता लगाने में जुटी है। हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नाम के आतंकी संगठन ने लेने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि अमृतसर में पहले भी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया जा चुका है। कुछ महीने पहले मजीठा क्षेत्र में एएसआई जोग सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और 11 सितंबर को अजनाला इलाके में एएसआई जसवंत सिंह पर हमला हुआ था, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। उन हमलों की जिम्मेदारी भी टीटीएच ने ही ली थी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एएसआई हरजीत सिंह की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि सिंह की बहादुरी और ड्यूटी के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा।

तमिलनाडु के सीएम विजय बनेंगे लाखों बच्चों के 'मामा', हर नवजात को देंगे एक ग्राम सोने की अंगूठी

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू करने जा रहे हैं। 'थाइमामन थांगा मोतीराम' यानी 'मामा की ओर से सोने की अंगूठी' नाम की इस योजना की औपचारिक शुरुआत 28 सितंबर को होगी। योजना के तहत 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को अंगूठी दी जाएगी।
इस योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि बच्चे का जन्म तमिलनाडु के सरकारी अस्पताल में हुआ हो और लाभार्थी परिवार राज्य का स्थायी निवासी हो। सरकार के मुताबिक, योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना और लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ाना है।
तमिलनाडु सरकार के अनुसार राज्य में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें लगभग 4.2 लाख यानी करीब 53 प्रतिशत बच्चों का जन्म सरकारी अस्पतालों में होता है। पहले चरण के लिए करीब 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं। प्रत्येक अंगूठी पर एक विशिष्ट क्रमांक दर्ज होगा।
यह योजना तमिल संस्कृति में प्रचलित उस परंपरा से प्रेरित है, जिसमें बच्चे के जन्म पर मामा या ननिहाल की ओर से उपहार दिया जाता है। मुख्यमंत्री विजय ने चुनाव के दौरान भी इस योजना का वादा किया था। योजना की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब राज्य में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि, इन उपचुनाव क्षेत्रों में योजना लागू करने के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति से जुड़े प्रावधान भी सामने आए हैं।
सुबोध/18 -09-2026(चेन्नई) तमिलनाडु के सीएम विजय बनेंगे लाखों बच्चों के 'मामा', हर नवजात को देंगे एक ग्राम सोने की अंगूठी
चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू करने जा रहे हैं। 'थाइमामन थांगा मोतीराम' यानी 'मामा की ओर से सोने की अंगूठी' नाम की इस योजना की औपचारिक शुरुआत 28 सितंबर को होगी। योजना के तहत 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को अंगूठी दी जाएगी।
इस योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि बच्चे का जन्म तमिलनाडु के सरकारी अस्पताल में हुआ हो और लाभार्थी परिवार राज्य का स्थायी निवासी हो। सरकार के मुताबिक, योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना और लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ाना है।
तमिलनाडु सरकार के अनुसार राज्य में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें लगभग 4.2 लाख यानी करीब 53 प्रतिशत बच्चों का जन्म सरकारी अस्पतालों में होता है। पहले चरण के लिए करीब 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं। प्रत्येक अंगूठी पर एक विशिष्ट क्रमांक दर्ज होगा।
यह योजना तमिल संस्कृति में प्रचलित उस परंपरा से प्रेरित है, जिसमें बच्चे के जन्म पर

मामा या ननिहाल की ओर से उपहार दिया जाता है। मुख्यमंत्री विजय ने चुनाव के दौरान भी इस योजना का वादा किया था। योजना की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब राज्य में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि, इन उपचुनाव क्षेत्रों में योजना लागू करने के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति से जुड़े प्रावधान भी सामने आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के वीजा नियमों में बदलाव, छात्र साथ नहीं ले जा सकते पार्टनर और बच्चे, भारतीयों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश के अस्थायी वीजा नियमों में बड़े और कड़े बदलावों का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर पड़ेगा। नए नियमों के तहत अब अधिकांश विदेशी छात्र अपने पार्टनर या बच्चों को डिपेंडेंट वीजा पर अपने साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं ला सकते है। इस फैसले से सबसे बड़ा झटका भारतीय छात्रों को लगने की आशंका है, क्योंकि अमेरिका के बाद ऑस्ट्रेलिया उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच दूसरा सबसे पसंदीदा देश है। वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों में बिजनेस, आईटी, इंजीनियरिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों की पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या 1.38 लाख से अधिक है, जो वहां के कुल विदेशी छात्रों का करीब 16 प्रतिशत हिस्सा है। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्री टोनी बर्क द्वारा घोषित इन सख्त उपायों का मुख्य उद्देश्य देश में अस्थायी प्रवासन (माइग्रेशन) को नियंत्रित करना और वर्ष 2027-28 तक नेट ओवरसीज माइग्रेशन को घटाकर 225,000 के लक्ष्य तक लाना है। ऑस्ट्रेलिया सरकार का कदम अंतरराष्ट्रीय छात्रों, वर्किंग-हॉलिडे वीजा धारकों और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में अवैध रूप से जमे रहने वाले लोगों पर शिकंजा कसने के लिए उठाया गया है। हालांकि, इस नीति में कुछ विशेष अपवाद भी रखे गए हैं। नई व्यवस्था के तहत पैसिफिक और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के छात्रों को परिवार के लिए वीजा की सुविधा मिलती रहेगी, और पीएचडी (पीएचडी) जैसे उच्च शोध कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्र भी अपने परिवार को साथ रख सकते है।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशी को पुलिस ने पकड़ा

-महिलाओं के कपड़े पहनकर महीनों से होटल में रहे थे, नहीं हुआ किसी को शक

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि ये चारों पिछले तीन महीनों से एक होटल में रह रहे थे। वे पहचान छिपाने के लिए साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट पहनकर होटल से बाहर निकलते थे। मामला 13 सितंबर को सामने आया। जब रघुनाथपुर में पुलिस ने साड़ी पहने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। उसने अपना नाम तौहीद मंडल बताया।
पुलिस ने बताया कि तौहीद बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ अन्य लोगों के साथ भारत आया था। वे 1 सितंबर को नदिया जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र से कथित तौर पर भारत में दाखिल हुए थे। मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने पुरुलिया टाउन थाना क्षेत्र के एक होटल पर छापा मारा। यहां से तीन अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान जाहिद इमन, सुमन शेख और शांत हुसैन के रूप में हुई है। इनके पते बांग्लादेश के राजबाड़ी और कुश्टिया जिलों के बताए गए हैं।
जांच में सामने आया कि चारों जिस होटल में रह रहे थे, वहां कमरा मनी सरकार नाम की महिला के आधार कार्ड से बुक किया गया था। मनी सरकार उत्तर 24 परगना की रहने वाली बताई गई हैं। होटल मालिक ने बताया कि कमरे के लिए सिर्फ एक व्यक्ति का आधार कार्ड लिया गया था। इसके बावजूद कमरे में चार लोग रह रहे थे।
रिपोर्ट के मुताबिक होटल मालिक ने पुलिस को बताया कि उन्हें इन लोगों के बांग्लादेशी होने की जानकारी नहीं थी। वे कभी दो दिन होटल में रुकते थे और फिर चले जाते थे। होटल के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उन्हें कभी शक नहीं हुआ। ये लोग साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट जैसे कपड़े पहनते थे। वे टोटो से बाहर जाते थे और फिर होटल लौट आते थे। होटल कर्मचारी ने बताया कि वह उन्हें अक्सर सीढ़ियों से ऊपर जाते देखती थीं। उनके कपड़े और हावभाव महिलाओं जैसे लगते थे। इसलिए कभी शक नहीं हुआ। चारों संदिग्धों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वे सीमा पार करके पुरुलिया तक कैसे पहुंचे। पुलिस जांच कर रही है कि वे इतने लंबे समय तक होटल में कैसे रहे। इसके अलावा पुलिस उनके पुरुलिया आने की वजह और स्थानीय संपर्कों का पता लगा रही है। फिलहाल सभी संदिग्ध पुलिस की हिरासत में हैं।

राहुल गांधी बोले- अब तो पार्टियां ही चुराने लगी भाजपा

टीएमसी का नाम और चुनाव चिन्ह फीज राजनीति

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिन्ह को चुनाव आयोग द्वारा फ्रीज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी का प्रतीक बताया और इसे भारत के लोकतांत्रिक पतन का संकेत करार दिया। राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह एक ऐसा पैटर्न है जो बार-बार दोहराया जा रहा है पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि जब पूरी की पूरी पार्टी ही चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना कोई हैरानी की बात नहीं है। उनके अनुसार, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के

प्रतीक बन गए हैं।
राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, लेकिन इसके बजाय, वह उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को ही पलट देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है, बल्कि यह हर राजनीतिक दल और हर मतदाता की लड़ाई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है। दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के लिए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फिलहाल फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसका अर्थ यह है कि जब तक आयोग इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं ले लेता, तब तक न तो ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट और न ही ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट किसी भी चुनाव के लिए टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल कर पाएगा। यह विवाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार के बाद अप्रैल में टीएमसी के दो गुटों में बंटने से शुरू हुआ था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुनने को लेकर यह विवाद बढ़ा और बाद में टीएमसी के 80 में से लगभग 58 विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बागी गुट का हिस्सा बन गए। दलबदल विरोधी कानून के तहत यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े से अधिक थी। इस विभाजन के बाद, दोनों गुट टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह पर अपना दावा कर रहे थे। फिलहाल, आयोग ने स्थिति को देखते हुए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर दिया है।

स्वतंत्र भारद्वाज तिहाड़ जेल से रिहा, मोदी-योगी और राजनीति पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। जंतर-मंतर पर एक छात्र कार्यकर्ता के पिता के साथ मारपीट के मामले में जेल में बंद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को तिहाड़ जेल से तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया। दिल्ली की अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी है, और कोर्ट उनके अंतरिम जमानत के दौरान के आचरण का आकलन करेगा। अदालत ने उनके सोशल मीडिया पर मामले से जुड़े किसी भी प्रकार के पोस्ट या चर्चा करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया है। रिहाई के बाद उनका एक निजी इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके लिए किसी भी राजनीतिक दल या नेता से बढ़कर केवल समाज सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आज के समय में देश की मुख्य मांग आर्थिक आरक्षण को लागू करना और यूजीसी के नियमों को वापस लेना है। उन्होंने किसी भी पार्टी का पक्ष न लेकर कहा कि जो नेतृत्व आम जनता को मुसीबत में डाले, वह सही नहीं है, असली नेता वहीं है जो खुद लाठी खाए और गिरफ्तारी देने के लिए तैयार रहे।

स्मार्ट स्कूल से पहले बुनियादी सुविधाएं जरूरी: मायावती

यूपीआई शुल्क से आमजन की जेब पर बढ़ेगा बोझ

लखनऊ, एजेंसी।
बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 15 अक्टूबर से लागू होने वाली नई यूपीआई शुल्क व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के बाद अब इस पर शुल्क लगाने की व्यवस्था से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। मायावती ने उत्तर प्रदेश में 14,429 परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए मंजूर करीब 300 करोड़ रुपये की योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।
मायावती ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने के बाद अब सरकार द्वारा उस लेनदेन पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था लोगों की नजर में प्रथमदृष्टया मुनाफाखोरी के पूंजीवादी रवैये के तहत जनता से दोनों हाथों से टैक्स वसूली है, जिससे जनता में बेचैनी व आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की इस व्यवस्था को कर मानने को तैयार नहीं है, लेकिन 15 अक्टूबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चाहे जो भी नाम दिया जाये, जेब तो अन्ततः आम जनता की ही कटेगी, उसका ही खर्च बढ़ेगा। मायावती ने आगे कहा कि देश की बहुसंख्यक जनता अपार गरीबी व जबरदस्त महंगाई आदि की मार से त्रस्त है और उनके बच्चे अशिक्षा, बेरोजगारी व अव्यवस्था आदि से पीड़ित हैं; ऐसे में सरकार की नीति व कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक कम व कल्याणकारी ज़्यादा हो तो यह उचित होगा। जनता की तंगी, दुख-तकलीफ की अगर सरकार चिन्ता नहीं करेगी तो फिर कौन करेगा? इसके साथ ही, उन्होंने यूपी सरकार द्वारा करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश के लगभग 14,500 स्कूलों को स्मार्ट

स्कूल बनाने की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है, लेकिन बच्चों को कथित स्मार्ट पढ़ाई से पहले उन्हें बुनियादी शिक्षा आदि की जरूरतें अर्थात स्कूली बच्चों के सिर पर छत, उनके लिये बेंच, कुर्सी, किताब, शौचालय, मैदान, साफ-सफाई आदि की सही व्यवस्था पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यह सब प्रति स्कूल करीब दो लाख रुपये में क्या संभव हो पायेगा, इस पर भी सरकार को सहानुभूतिपूर्वक जरूर विचार करना चाहिए।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता केजीपी-12 ने चार शावकों को दिया जन्म

-प्रोजेक्ट चीता को मिली बड़ी सफलता

श्योपुर , एजेंसी।
भारत के कूनो नेशनल पार्क में जन्मी मादा चीता केजीपी 12 ने चार नए शावकों को जन्म दिया है, जो प्रोजेक्ट चीता के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह घटना इस महत्वाकांक्षी पहल के चार साल पूरे होने के ठीक एक दिन बाद सामने आई है, और भारत में चीता संरक्षण के प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करती है।
केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रोजेक्ट चीता के लिए एक ऐतिहासिक और खुशी का पल बताया। उन्होंने कहा, चार साल, चार नई जिंदगियां; उम्मीद, हिम्मत और भारत में चीता संरक्षण की बढ़ती सफलता का एक सुंदर प्रतीक हैं। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों को बधाई भी दी।
इन नए शावकों के जन्म के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 52 हो गई है, जिसमें से अब 32 चीते देश में ही पैदा हुए हैं। चीता पुनर्वास कार्यक्रम की हालिया चार वर्षीय समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 49 चीते कूनो नेशनल पार्क में और तीन गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। यह संख्या नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और हाल ही में बोत्सवाना से लाए गए चीतों तथा उनके भारतीय-जन्मे शावकों को मिलाकर है।
रिपोर्ट के अनुसार, 17 सितंबर, 2022 को लाए गए आठ नामीबियाई चीतों में से तीन और उनके 22 बच्चे जीवित हैं, जबकि 18 फरवरी, 2023 को लाए 12 दक्षिण अफ्रीकी चीतों में से आठ और उनके 10 बच्चे जीवित हैं। इसके अतिरिक्त, 28 फरवरी, 2026 को बोत्सवाना से नौ चीते लाए गए थे। कूनो नेशनल पार्क ने कार्यक्रम की प्रगति पर जोर देकर कहा, चार साल बाद, प्रजनन करने वाली मादाओं का स्थापित होना और दूसरी पीढ़ी के शावकों का जीवित रहना भारत के चीता पुनर्वास कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मजबूती का चरण है।

गठबंधन में दरार? ममता और डीएमके से अलग तीसरा मोर्चा बनाएंगे?

कांग्रेस को हटाने के मूड में ममता बनर्जी?

नई दिल्ली,, एजेंसी।
2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भारत की राजनीति में बड़ी हलचल होने के आसार दिख रहे हैं। इसके संकेत हाल ही में हुईं कुछ बैठकों से मिल रहे हैं, जहां द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) की सांसद कनिमोई ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की है। खबरें हैं कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बगैर कांग्रेस के एक क्षेत्रीय दलों का गठबंधन तैयार करने की योजना बनाई जा रही है, हालांकि इसे लेकर औपचारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। कनिमोई और ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में मुलाकात की। कालीघाट स्थित पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर हुई इस बैठक में किन मुद्दों पर बात की गई, इसे लेकर स्थिति साफ नहीं हो पाई है। इससे पहले, डीएमके नेता ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले से भी मुलाकात की थी। कहा जा रहा है कि वह जल्द ही आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल से भी मिल सकती हैं।
इन मुलाकातों को एक तीसरे मोर्चे की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। डीएमके के एक नेता ने कहा है कि, हम बगैर कांग्रेस के एक तीसरे मोर्चे की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इधर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद ने बातचीत में बताया कि, ममता बनर्जी के डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। वह गैर-एनडीए पार्टियों के साथ भी अच्छे रिश्ते बनाए रखती हैं और इंडिया ब्लॉक के उन सदस्यों के करीब हैं जो कांग्रेस समर्थक नहीं हैं। आज की बातचीत सिर्फ उनके और कनिमोई के बीच हुई। इसके अलावा कुछ भी कहना सिर्फ अटकलें लगाना होगा। यह सवाल उठ रहा है कि क्या डीएमके की तरह ममता बनर्जी भी कांग्रेस से नाराज हैं। तमिलनाडु की राजनीति में लंबे समय तक कांग्रेस और डीएमके एक साथ रहे और विधानसभा व लोकसभा चुनाव साथ लड़े, लेकिन 2026 चुनाव के बाद स्थिति बदल गई। कांग्रेस राज्य के सबसे बड़े दल तमिलागा वेत्री कझगम से जा मिली और पुराने साथी डीएमके को छोड़ दिया। नतीजा यह हुआ कि डीएमके ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और इंडिया गठबंधन से भी दूरी बना ली। वहीं, ममता बनर्जी की नाराजगी की एक वजह सीट शेयरिंग हो सकती है। खबरें थीं कि पश्चिम बंगाल की दो सीटों पर

होने वाले आगामी उपचुनाव को लेकर ममता ने कांग्रेस से मदद मांगी थी, जिसे कांग्रेस ने ठुकरा दिया। हालांकि, टीएमसी नेता इससे इनकार कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस खुलकर इसे स्वीकार कर रही है। खबरें थीं कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से रेजीनगर सीट पर समर्थन मांगा था और नंदीग्राम सीट छोड़ने की पेशकश की थी।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे सांसद-विधायक, 1200 परिवारों को बांटी राहत सामग्री

बिभा संवाददाता

राजमहल/उधवा । राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा एवं राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने शुक्रवार को राजमहल एवं उधवा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित लोगों का हाल जाना। इस दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने करीब 1200 बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। वहीं सांसद एवं विधायक ने राजमहल प्रखंड के घाटजमनी एवं मध्य नारायणपुर तथा उधवा प्रखंड के दक्षिण पलाशगाछी, पूर्वी प्राणपुर एवं श्रीघर पंचायत क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत कर बाढ़ से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली और राहत एवं बचाव कार्य को लेकर प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने की बात कही। वहीं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। भविष्य में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अग्रिम तैयारी की रणनीति प्रशासन के साथ समन्वय कर तैयार की जाएगी। वहीं, कटाव प्रभावित क्षेत्रों में कटाव निरोधी कार्य कराने के लिए सरकार के समक्ष मामला प्रमुखता से रखा जाएगा। सांसद और विधायक ने कहा कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों तक राशन एवं अन्य जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने के लिए प्रशासन को लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता पहुंचाना प्राथमिकता है। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, केंद्रीय समिति सदस्य एकलाकुर रहमान, प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, अयुब अली उर्फ बाबू दा, नगर अध्यक्ष मो. आजाद, मो. महबूब शेख, अजय कुमार दास, विकास यादव, अब्दुल कादिर, मुर्शीद राजा, अशोक चिरानियां, मो. अब्दुल, मो. हफीजुर्रहमान, मो. अफजल शेख, रिजवाना काशमी, काजू मल्लिक, मो. गुलाब, स्मित चौरसिया, मो. जहांगीर, मो. तजरूल शेख, वासुदेव मंडल, गोपाल मंडल, सीआई मो. हैदर, हल्का कर्मचारी ब्रह्मदेव मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

तालझारी में नम आंखों से दी गई भगवान गणेश को विदाई

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी गणेश उत्सव के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा का शुक्रवार को तालझारी में श्रद्धा और भक्ति के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने नम आंखों से गणपति बप्पा को विदाई दी। वहीं प्रतिमा विसर्जन के दौरान भक्तों ने ह्लगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आह्व के जयकारे लगाए। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ निकली विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल उड़ाकर और नाचते-गाते हुए गणेश प्रतिमा को विसर्जन स्थल तक पहुंचाया। विसर्जन को लेकर राजमहल पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था भी की गई थी। शांतिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

मां वैष्णो देवी तीर्थ यात्रा के लिए राजमहल से रवाना हुई बस

राजमहल(बिभा) । विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर जय माता दी ट्रैवल्स के माध्यम से मां वैष्णो देवी तीर्थ यात्रा के लिए बस को राजमहल रेलवे स्टेशन चौक से रवाना किया गया। इससे पहले पुरोहित राजेश पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कराई। इसके बाद विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन, स्टेशन अधीक्षक डीके साहा और अग्निशमन पदाधिकारी सुमन कुमार ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। ट्रैवल्स संचालक जनार्दन कुमार ने बताया कि तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को राजगीर कुंड स्नान, काशी, प्रयागराज संगम, अक्षय वट, लेटे हनुमान, मैहर देवी, सीहोर स्थित कंबेश्वर धाम, उज्जैन महाकाल, वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन पर्वत, चामुंडा देवी और इस्कॉन मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। इसके बाद पंजाब के अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर व जलियांवाला बाग होते हुए जम्मू-कटरा पहुंचकर मां वैष्णो देवी के दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वापसी यात्रा में हरिद्वार में गंगा स्नान, मनसा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना तथा काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन भी कराए जाएंगे। बस के रवाना होने के दौरान दर्जनों श्रद्धालु व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अभियुक्त सुमन रजक के घर ढोल बजाकर चिपकाया गया इश्तेहार

राजमहल(बिभा)। राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर गांव निवासी सुमन रजक, पिता श्यामचंद्र रजक के घर पुलिस ने विधिवत ढोल बजाकर इश्तेहार चिपकाया। यह कार्रवाई राजमहल थाना कांड संख्या 208/26 के तहत की गई है। जानकारी के अनुसार, मामले में धारा 87/137(2)/352/3(5) के तहत अभियुक्त सुमन रजक के विरुद्ध इश्तेहार जारी किया गया था। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उसके घर पहुंचकर ढोल बजाकर सार्वजनिक रूप से इश्तेहार चिपकाया। वहीं राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य अभियुक्त को न्यायालय/पुलिस के समक्ष उपस्थित होने का अवसर देना तथा आम लोगों को मामले की जानकारी देना है। इश्तेहार की एक प्रति राजमहल थाना में भी उपलब्ध कराई गई है। पुलिस ने नागरिकों से अभियुक्त के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी होने पर राजमहल थाना को सूचित करने की अपील की है।

चर्च में करम देवता की स्थापना और पूजा के तौर-तरीकों पर सरना समाज ने जताया कड़ा ऐतराज, प्रेस वार्ता कर दी चेतावनी

रांची(बिभा): केंद्रीय सरना समिति एवं विभिन्न आदिवासी-जनजाति सामाजिक संगठनों ने शुक्रवार को रांची प्रेस क्लब में संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर चर्चों और गिरजाघरों में करम देवता की स्थापना और आदिवासी रीति-रिवाजों में कथित बदलाव पर तीखा विरोध दर्ज कराया। संगठनों ने आरोप लगाया कि ईसाइयत अपनाने के बाद आदिवासी परंपराओं, रूढ़ियों और पूजा-पद्धतियों से संबंध समाप्त हो जाता है, फिर भी आदिवासी पहचान बनाए रखने के लिए पर्व-त्योहारों को ईसाई विधि से मनाकर मूल आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रेस वार्ता में प्रतिनिधियों ने 'खड़िया धर्म और संस्कृति का विश्लेषण' तथा 'आदिवासी मिस्सा संग्रह' जैसी पुस्तकों का हवाला देते हुए कहा कि वेटिकन विश्व सभा के निदेशों के नाम पर सरहुल और करम जैसे पारंपरिक त्योहारों को खीस्तीय ढंग से मनाना पूरी तरह अनुचित है। गिरजाघरों के अंदर बालू के टीन में करम की डाली गाड़ना आराध्य देव का अपमान है। इसके अलावा, करम पूजा की पारंपरिक रात और सामूहिक नृत्य-गीत को लेकर की जाने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियों की भी समाज ने कड़ी निंदा की और इसे आदिवासी संस्कृति को बदनाम करने की साजिश करार दिया। नेताओं ने स्पष्ट किया कि ईसाई समुदाय अपने पर्व मनाने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन यदि आदिवासी पहचान की आड़ में धर्मांतरित ईसाई पारंपरिक पर्वों का स्वरूप बदलेंगे, तो इसका सड़क से लेकर समाज तक पुरजोर विरोध होगा। इस संदर्भ में केंद्रीय सरना समिति ने 16 सितंबर को रांची उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की है। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पाहन जगलाल पाहन, जनजाति सुरक्षा मंच के संदीप उरांव, डॉ. बिरसा उरांव, सोमा उरांव, अंजलि लकड़ा, शनि उरांव, अजय कुमार भोगता, झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति के अध्यक्ष मेघा उरांव, रवि प्रकाश उरांव, विमल पाहन, सतीश उरांव, विश्वकर्मा पाहन, अविनाश मुंडा, प्रदीप लकड़ा, राकेश मुंडा, संतोष मुंडा, अंजन मुंडा, विक्रम उरांव, रानी करमाली, रुकमणी देवी, मुकेश मुंडा, मुन्ना हेंब्रम, आशीष मुंडा, गुड्डू पाहन, रवि करमाली, अजय मुंडा और प्रदीप मुंडा सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

उधवा में श्रद्धा के साथ हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा, वाहनों और मशीनरी की हुई पूजा-अर्चना

बिभा संवाददाता

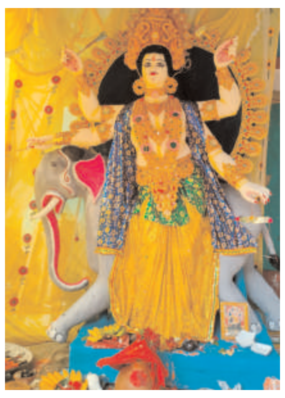

उधवा । उधवा प्रखंड के विभिन्न इलाकों में गुरुवार को शिल्प और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना हर्षोल्लास के साथ की गई। इस अवसर पर विभिन्न गांवों और बाजार क्षेत्रों में श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान के साथ पूजा की। पूजा को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया। जानकारी के अनुसार उधवा, मोहनापुर, सुतियारपाड़ा, जोंका, जंगलपाड़ा, फुदकीपुर, मनिहारी टोला, कटहलबाड़ी, श्रीधर दियारा, अमानत दियारा, बेगमगंज, राधानगर, आतापुर, मसना, केलाबाड़ी सहित प्रखंड के अन्य गांवों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की गई। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों और युवाओं के सहयोग से पूजा पंडाल तैयार किए गए थे। पूजा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। विश्वकर्मा पूजा को लेकर सुबह से ही लोग अपने साइकिल, मोटरसाइकिल, ऑटो, टोटो, ट्रैक्टर आदि वाहनों तथा विभिन्न मशीनरी उपकरणों की साफ-सफाई में जुटे रहें। वाहनों और मशीनरी की सफाई के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और कार्यों में सफलता की कामना की। इसके अलावा दुकानों, गैराज, वर्कशॉप तथा अन्य प्रतिष्ठानों में भी विशेष रूप से पूजा की गई। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा को फल, फूल, प्रसाद और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। कई स्थानों पर प्रसाद का वितरण भी किया गया। पूजा को लेकर पूरे दिन विभिन्न इलाकों में चहल-पहल बनी रही। लोगों ने एक-दूसरे को विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं दी। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों और युवाओं में भी पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा प्रत्येक वर्ष श्रद्धा और आस्था के साथ की जाती है। मशीनरी, औजार और वाहनों की पूजा कर लोग अपने काम-धंधे में उन्नति तथा पूरे वर्ष सुख-शांति की कामना करते है।

राजमहल विधायक एमटी राजा ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा गुरुवार को गिरिडीह पहुंचे। यहां उन्होंने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के श्राद्धकर्म एवं श्रद्धांजलि सभा में शिरकत कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्राद्धकर्म में शामिल होकर विधायक एमटी राजा ने दिवंगत मंत्री के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और इस कठिन समय में उन्हें ढांढस बंधाया। दिवंगत नेता के योगदान को याद करते हुए विधायक एमटी राजा ने कहा कि संदीप कुमार सोनू का असमय चले जाना क्षेत्र और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जनहित के मुद्दों और क्षेत्र के विकास के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद किया जाएगा। इस अवसर पर कई अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहें। जिन्होंने दिवंगत मंत्री को नमन कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

विद्यालयों में कम उपस्थिति पर डीईओ नाराज, औचक निरीक्षण में दिए सुधार के निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिले में विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति की स्थिति जानने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार ने शुक्रवार को राजमहल एवं बोरियो क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जेके प्लस टू उच्च विद्यालय राजमहल, मॉडल स्कूल राजमहल, कन्या उच्च विद्यालय राजमहल और उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारीकांदर का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति, पठन-पाठन, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, मध्यान्ह भोजन समेत अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जेके प्लस टू उच्च विद्यालय राजमहल में विद्यार्थियों की अपेक्षाकृत कम उपस्थिति मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। वहीं डीईओ ने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से समन्वय स्थापित कर उन्हें नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुंचने और कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता, अनुशासन और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। डीईओ ने कहा कि शैक्षणिक व्यवस्था में किसी भी तरह की कमी को तत्काल दूर करते हुए विद्यालयों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण मिल सके।

खेलो झारखंड जिला स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के निर्देश पर जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ शुक्रवार को सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन फुटबॉल और वॉलीबॉल के बालक-बालिका वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया तथा विजेता टीमों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। वहीं जिले के विभिन्न प्रखंडों से प्रखंड स्तर पर विजेता प्रतिभागियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों ने राज्य स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के लिए भी अपनी पात्रता हासिल की। इससे पूर्व एडीपीओ जयेंद्र कुमार मिश्र, एपीओ शबनम तबस्सुम एवं प्रशिक्षक योगेश यादव ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का पौधा देकर स्वागत किया। वहीं 19 सितंबर को एथलेटिक्स, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिताएं प्रातः 9 बजे से आयोजित की जाएंगी। मौके पर मैच रेफरी अनिल टुडू, खेल शिक्षक सुनील किस्कू, आदित्य कुमार, बिरेंद्र कुमार, राजीव कुमार, राजेश कुमार राका, दीपक सिंह, मिरु सोरेन, अन्ना मुर्मू, सोने लाल मंडल सहित विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षक-शिक्षिका, प्रखंडों के कोच-मैनेजर, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के परिणामः

बालक फुटबॉलः विजेता–पतना, उपविजेता–उधवा

बालिका फुटबॉलः विजेता–बोरियो, उपविजेता–तालझारी

बालक वॉलीबॉलः विजेता–तालझारी, उपविजेता–उधवा

एआई तकनीक के माध्यम से संथाली से हिंदी एवं हिंदी से संथाली में अनुवाद की सुविधा

दुमका(बिभा) : जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट दीप के तहत जिले के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत संथाली भाषा के छात्र-छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एक ट्रांसलेटर ऐप का निर्माण किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से संथाली भाषा को हिंदी तथा हिंदी भाषा को संथाली भाषा में आसानी से अनुवाद किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य विद्यालयों में भाषा संबंधी कठिनाइयों को दूर करते हुए बच्चों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। जिले के कई विद्यालयों में ऐसे छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जो प्रारंभिक स्तर पर मुख्य रूप से संथाली भाषा को ही समझते हैं। ऐसे में हिंदी माध्यम से पढ़ाई के दौरान उन्हें शिक्षकों की बात समझने में कठिनाई होती है। प्रस्तावित ट्रांसलेटर ऐप के माध्यम से बच्चे अपनी बात संथाली भाषा में रख सकेंगे, जिसे शिक्षक हिंदी में समझ सकेंगे। इसी प्रकार शिक्षक भी हिंदी में अपनी बात को संथाली भाषा में अनुवाद कर बच्चों को आसानी से समझा सकेंगे। जिला प्रशासन की पहल का उद्देश्य केवल तत्काल भाषा संबंधी कठिनाई को दूर करना ही नहीं, बल्कि बच्चों को धीरे-धीरे हिंदी भाषा से परिचित कराना भी है। विद्यालय आने वाले प्रारंभिक वर्षों में जिन बच्चों को हिंदी समझने में कठिनाई होती है, उनके लिए यह ऐप एक सहायक माध्यम के रूप में कार्य करेगा। संथाली और हिंदी के बीच संवाद को सरल बनाकर बच्चे धीरे-धीरे हिंदी शब्दों एवं वाक्यों को समझने और सीखने में सक्षम होंगे, जिससे उनकी पढ़ाई को गति मिलेगी और विद्यालयी शिक्षा से जुड़ाव और मजबूत होगा।

देव शिल्पी की भक्ति में रंगा शहर, रेलवे प्रतिष्ठानों में विशेष आयोजन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा गुरुवार को जिले भर में धूमधाम के साथ मनायी गयी। शहर में बनाये गये विश्वकर्मा भगवान की प्रतिमा देखने भारी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न पूजा पंडालों में उमड़े। वहीं विश्वकर्मा पूजा को लेकर शहर में आकर्षक प्रतिमा व पंडाल का निर्माण किया जा गया था। शहर में विश्वकर्मा पूजा का मुख्य आयोजन रेलवे प्रतिष्ठानों में ही रहा। रेल प्रतिष्ठानों में लोको परिसर, आईओडब्ल्यू, रेलवे बिजली विभाग, रेलवे सिग्नल, रेलवे कंस्ट्रक्शन कार्यालय, संकेत व दूर संचार विभाग, क्रू बुकिंग लॉबी, सब्जी मंडी स्थित रेलवे टीआरडी विभाग, ट्रेन लाइटिंग कार्यालय आदि में प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई। इसके अलावे टेलीफोन कार्यालय, विभिन्न मोटर गैरेजों, क्रशर प्लांट सहित अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान में देव शिल्पी की प्रतिमा स्थापित कर वैदिक रीति से भगवान की पूजा की गई। इधर विभिन्न पूजा पंडालों में भारी संख्या में लोग भगवान विश्वकर्मा का दर्शन करने के लिए उमड़े। लोगों की भीड़ को देखते हुए भीड़भाड़ वाले जगह पर पुलिस बल की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं पूजा को आकर्षक बनाने के लिए बिजली की साज सच्चा की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। मेला में बच्चों के खाने पीने व मनोरंजन के कई समानों की बिक्री के लिए कई दुकान भी लगे हुए थे।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में राशन कार्ड बनवाने के लिए जानिए नया नियम, बिना इस प्रोसेस के नहीं मिलेगा अनाज, पुराने आवेदकों के लिए भी अनिवार्य

पटना (एजेंसी) बिहार के लाखों राशन कार्डधारियों से जुड़ी जरूरी खबर है. अब उनके लिए राशन लेना पहले की तरह आसान नहीं रह गया है. अब राशन कार्ड बनवाने के लिए ई-केवाईसी कराना जरूरी होगा. ऐसा नहीं करने पर राशन भी नहीं मिल सकता है. बिहार में राशन कार्डधारियों के लिए राशन लेना पहले से मुश्किल हो सकता है. राज्य के बिहार खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की ओर से राशन कार्ड बनाने के नियम में थोड़ा बदलाव किया गया है. इस नए बदलाव के मुताबिक, राशन कार्डधारियों को अब ई-केवाईसी (e-KYC) कराना जरूरी होगा. ई-केवाईसी कराना होगा अनिवार्य जानकारी के मुताबिक, राशन कार्ड बनवाने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य होगा. ऐसा करने पर ही आवेदन कर सकेंगे और कार्ड बन पाएगा. इतना ही नहीं, पुराने आवेदकों को भी ई-केवाईसी कराना जरूरी होगा. जिन भी राशन कार्डधारियों ने ई-केवाईसी नहीं कराया है, उनका राशन रुक सकता है. इसलिए पहले ही सूचना जारी कर दी गई है. लोगों के बीच फैलाई जा रही जागरुकता आपूर्ति विभाग और अधिकारियों की ओर से इस नए नियम को लेकर लोगों के बीच जागरुकता फैलाई जा रही है. उनसे अपील की जा रही है कि जल्द से जल्द ई-केवाईसी करा लें, ताकि राशन लेने में कोई परेशानी नहीं हो. पुराने नियम के मुताबिक, ऑनलाइन आवेदन जमा किए जाते थे. आवेदन का सत्यापन किया जाता था. इसके बाद राशन कार्ड बना दिया जाता था. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इस तरह कराना होगा ई-केवाईसी लेकिन नए नियम के मुताबिक, ई-केवाईसी जरूरी होगा. यानी कि ऑनलाइन आवेदन किए जाने के बाद आवेदक और परिवार के सदस्यों को जन वितरण प्रणाली (PDS) डीलर के पास जाना होगा और वहां ई-पॉश मशीन के जरिए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करानी होगी. इसके लिए आधार कार्ड के साथ बायोमेट्रिक सत्यापन या फिर फेसियल ऑथेंटिकेशन के माध्यम से पहचान सुनिश्चित की जाएगी. राने आवेदकों के लिए भी अनिवार्य यहां गौर करने वाली बात यह है कि सह नियम सिर्फ नए आवेदक के लिए नहीं बल्कि पुराने आवेदकों पर भी लागू होगी. विभाग के अधिकारियों की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि ऐसे आवेदक जिन्होंने पहले ऑनलाइन आवेदन किया था लेकिन अब भी राशन कार्ड नहीं मिला है, उन्हें ई-केवाईसी कराना होगा. बिना इस प्रोसेस के आवेदन पेंडिंग ही रहेगा और राशन कार्ड नहीं मिलेगा. यह प्रक्रिया पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से अपनाए जाने की बात कही जा रही है.

पैक्स अध्यक्ष उम्मीदवार से 50 लाख की रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने रामकृष्णा नगर से दबोचा

पटना (एजेंसी) पटना में 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. जानिए इस सनसनीखेज मामले का पूरा अपडेट. पटना में 50 लाख रुपये रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में बिहार और पटना जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रद्युम्न कुमार धनरुआ थाना कांड संख्या 628/26 में फरार चल रहा था. उसे रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र से छापेमारी के दौरान पकड़ा गया. पुलिस ने उसके पास से दो मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल सिम बरामद किया है. 50 लाख रुपये रंगदारी मांगने का आरोप पुलिस के अनुसार, धनरुआ थाना क्षेत्र में एक भूमि कारोबारी, पैक्स अध्यक्ष पद के उम्मीदवार और उनके पुत्र को अज्ञात कॉल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गयी थी. इसके साथ ही उनसे 50 लाख रुपये रंगदारी की मांग किए जाने की शिकायत दर्ज करायी गयी थी. 10 सितंबर को दर्ज हुई थी प्राथमिकी मामले में 10 सितंबर को धनरुआ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी. पुलिस के अनुसार, केस बीएनएस की धारा 308(3), 308(4) और 351(1) के तहत दर्ज किया गया. प्राथमिकी के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और कॉल से जुड़े सुरागों को खंगाला. रामकृष्णा नगर से आरोपी गिरफ्तार जांच के दौरान पुलिस को प्रद्युम्न कुमार की कथित संलिप्तता से जुड़े साक्ष्य मिले. इसके बाद बिहार और पटना जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र में छापेमारी की.

बिहार पुलिस ड्राइवर परीक्षा में धांधली का आरोप, टाइमिंग को लेकर अभ्यर्थियों का दावा, हजारों की संख्या में पटना पहुंचे छात्र

पटना (एजेंसी) बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती परीक्षा के हजारों अभ्यर्थी गर्दनीबाग में अपनी मांगों को लेकर जुटे हैं. वे भर्ती प्रक्रिया में महिला आरक्षित सीटों के आवंटन और ड्राइविंग टेस्ट की टाइमिंग को लेकर गंभीर सवाल उठा रहे हैं. अभ्यर्थियों की मांग है कि प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए. पटना में एक बार फिर अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है. पटना के गर्दनीबाग में बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती के हजारों अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर पहुंचे. अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में सीटों के आवंटन और ड्राइविंग टेस्ट की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाए. उनका कहना है कि प्रक्रिया में सामने आ रही समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए. महिला आरक्षित सीटों को लेकर उठाई मांग प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के अनुसार महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित करीब 1200 से 1300 सीटें खाली रह गई हैं. अभ्यर्थियों की मांग है कि इन रिक्त सीटों पर यदि नियमों के तहत योग्य पुरुष अभ्यर्थी उपलब्ध हैं, तो उन्हें नियुक्ति का अवसर दिया जाए. अभ्यर्थी का दावा- 40 से 50 सेकंड में पूरा किया टेस्ट

लखीसराय जिले के अभ्यर्थी संजय कुमार ने बताया कि उनका क्रमांक 64 आया है और ड्राइविंग टेस्ट के दौरान उनके समय को लेकर समस्या हुई. संजय कुमार के अनुसार, स्टार वाले हिस्से में उनका टाइम करीब 40 सेकंड होना चाहिए था. उनका आरोप है कि टेस्ट के दौरान उनसे पहले वाले अभ्यर्थी के फेल होने का टाइम और उनका टाइम एक साथ दर्ज हो गया. इसके कारण उनका कुल समय 1 मिनट 27 सेकंड दिखाया गया. 1 मिनट 27 सेकंड दर्ज होने पर की शिकायत अभ्यर्थी ने कहा कि उन्हें लगता है कि वास्तविक समय करीब 40 से 50 सेकंड के बीच रहा होगा. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने वास्तविक समय की पुष्टि नहीं कर सकते. टाइमिंग को लेकर आपत्ति दर्ज कराने के बाद उन्होंने मौके पर मौजूद कर्मियों से शिकायत की, लेकिन उनका कहना है कि उनकी बात नहीं सुनी गई और उन्हें वहां से जाने के लिए कहा गया. अभ्यर्थियों का गंभीर आरोप जांच के बाद कार्रवाई का दिया गया आश्वासन संजय कुमार ने बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत की है. उन्हें बताया गया कि फिलहाल जांच नहीं हुई है और जांच के बाद ही इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी. अभ्यर्थी का कहना है कि यदि रिकॉर्डिंग या टाइमिंग में हुई गड़बड़ी की जांच नहीं हुई तो इसका असर उनकी भर्ती पर पड़ सकता है. 64वें नंबर पर है अभ्यर्थी संजय कुमार के मुताबिक, वे भर्ती प्रक्रिया में 64वें स्थान पर हैं और फिलहाल वेटिंग में चल रहे हैं. उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में यदि टेस्ट की टाइमिंग गलत दर्ज होने के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित होता है, तो इसका नुकसान अभ्यर्थी को उठाना पड़ेगा. अभ्यर्थी ने ड्राइविंग टेस्ट की टाइमिंग में गड़बड़ी का आरोप लगाया है. गर्दनीबाग में बंद किए गए सभी दरवाजे जब बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती के अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे और बड़ी संख्या में गर्दनीबाग पहुंचे, तो मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई. स्थिति को देखते हुए गर्दनीबाग के सभी दरवाजे बंद कर दिए गए. बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के जुटने से इलाके में काफी हलचल रही और पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा. भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग अभ्यर्थियों ने ड्राइविंग टेस्ट की रिकॉर्डिंग और दर्ज की गई टाइमिंग की जांच कराने की मांग की है.

मजदूर की दोनों आंखें निकालने की कोशिश, निर्मम हत्या, पत्नी-बच्चे गायब, सुबह दूध वाले ने देखी लाश

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में निर्मम हत्या कर दी गई. उसका खून से लथपथ शव कमरे में मिला, वहीं पत्नी और दो बच्चे गायब हैं. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. मुजफ्फरपुर मर्डर न्यूजः अहियापुर थाना क्षेत्र के बैरिया चाणक्यपुरी रोड नंबर छह मोहल्ले में किराये के मकान में रह रहे मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गयी. मृतक की पहचान मीनापुर थाना क्षेत्र के राघोपुर मुस्तफापुर निवासी उपेंद्र पासवान (35) के रूप में हुई है. शुक्रवार सुबह दूध देने पहुंचे ग्वाले ने कमरे में खून से लथपथ शव देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी. घटना के बाद से मृतक की पत्नी और दो बच्चे गायब हैं. जानकारी मिलने के बाद अहियापुर थानेदार शरत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और मकान मालिक से भी घटना के संबंध में जानकारी ली. कमरे के अंदर उपेंद्र पासवान का शव जमीन पर पड़ा था. पुलिस की जांच के दौरान एस्बेस्टस वाले कमरे में साड़ी का फंदा बंधा हुआ मिला. इसको लेकर पुलिस अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है. पुलिस इस बात का भी पता लगा रही है कि फंदा कमरे में किस परिस्थिति में लगाया गया था. आंखों पर मिले गहरे जख्म पुलिस के अनुसार मृतक की दोनों आंखों पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं. प्रथम दृष्टया इन जख्मों की प्रकृति को देखते हुए किसी नुकीली वस्तु से चोट पहुंचाये जाने की आशंका जतायी जा रही है. हालांकि घटना की वास्तविक वजह और हत्या में इस्तेमाल हथियार की जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी. घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया. वैज्ञानिकों की टीम ने करीब दो घंटे तक कमरे की जांच की और अलग-अलग साक्ष्य एकत्र किए. पत्नी और दो बच्चों की तलाश जारी घटना के बाद से उपेंद्र पासवान की पत्नी और उसके दो बच्चे गायब हैं. दोनों बच्चों की उम्र छह और 10 वर्ष बतायी गयी है. पुलिस उनकी तलाश में जुटी है. साथ ही मृतक के मोबाइल फोन का भी पता लगाया जा रहा है, जिससे घटना से जुड़े सुराग मिलने की उम्मीद है. मृतक के पैतृक गांव में भी घटना की सूचना दे दी गयी है. पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है. ढाई महीने पहले किराये पर आया था परिवार मकान मालिक सेवानिवृ सूबेदार शिवशंकर सिंह ने बताया कि उपेंद्र पासवान करीब ढाई महीने पहले ही उनके मकान में किराये पर रहने आया था. कैंपस के ग्राउंड फ्लोर पर बने एस्बेस्टस के कमरे में वह पत्नी और बच्चों के साथ रहता था. मकान मालिक के अनुसार पति-पत्नी के बीच कभी-कभार अनबन होती थी,

'छठी मैया' गीत ने जीत लिया बिहार का दिल, 'वन' के छठ गीत पर श्वेता तिवारी बोलीं- हर जगह इसी की चर्चा

पटना (एजेंसी) बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा में जब भी देश की मिट्टी, लोक-संस्कृति और क्षेत्रीय आस्था से जुड़े विषयों को सही ढंग से पेश किया जाता है, तो वह केवल एक सिनेमाई दृश्य या गाना बनकर नहीं रह जाता। वह सीधे दर्शकों के दिलों से जुड़ जाता है। आगामी बहुचर्चित फिल्म 'द वन' के साथ भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। हाल ही में फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहाँ पूरी स्टारकास्ट ने शिरकत की। इस मौके पर फिल्म के गाने 'छठी मइयां' और बिहार की पावन संस्कृति को लेकर एक बेहद भावुक और खास चर्चा हुई। ट्रेलर लॉन्च के इस भव्य कार्यक्रम में बॉलीवुड और टीवी जगत के कई बड़े सितारे एक ही मंच पर मौजूद थे। इस दौरान फिल्म की निमार्ता एकता कपूर, लीड कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया और बहुचर्चित अभिनेत्री श्वेता तिवारी मौजूद थीं। मंच से जब श्वेता तिवारी और तमन्ना भाटिया ने बिहार की आस्था के सबसे

बड़े महापर्व 'छठ पूजा' और इस गाने के निर्माण की प्रक्रिया को लेकर अपने अनुभव साझा किए, तो वहां मौजूद हर शख्स इस सांस्कृतिक भावना से ओत-प्रोत हो गया। श्वेता तिवारी ने सुनाया बिहार से आया बेहद भावुक किस्सा ट्रेलर लॉन्च के दौरान श्वेता तिवारी ने फिल्म के गाने 'छठी मइयां' की तारीफ करते हुए एक बेहद दिल छू लेने वाली बात साझा की। उन्होंने बताया कि इस गाने के रिलीज होते ही बिहार से लेकर देश-विदेश में बसे बिहार के लोगों के बीच खुशी और गर्व की एक नई लहर दौड़ गई है। श्वेता तिवारी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहाः ₹गाना रिलीज होने के ठीक बाद मुझे बिहार से एक खास शख्स का फोन आया था। फोन पर उनकी आवाज में जो खुशी और गर्व था, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुझसे कहा कि हम बहुत खुश हैं कि हमारा छठ पर्व अब इतने बड़े स्तर पर बड़े पर्दे पर नजर आ रहा है। पूरा बिहार इसे लेकर इतना एक्साइटेड है और हर गली, हर नुक्कड़ पर इसी गाने की चर्चा हो रही है।₹ श्वेता ने आगे एकता कपूर की दृष्टि की तारीफ करते हुए कहा कि बिहार के लोगों का मानना है कि अगर इस लोक-आस्था को सिनेमा के पर्दे पर इतने भव्य और सम्मानजनक तरीके से कोई ला सकता था, तो वह सिर्फ एकता कपूर ही थीं। श्वेता के इस बयान ने यह साफ कर दिया कि यह गाना सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है। तमन्ना भाटिया हुईं भावुकः ₹ढलते सूरज को नमन करना बिहार की खूबसूरती है₹ फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने भी छठ पर्व और इस गाने की शूटिंग के अपने अनुभवों को बेहद गहराई से साझा किया। तमन्ना ने स्वीकार किया कि हालांकि हमारे देश में लोककथाओं, परंपराओं और त्योहारों का विशाल भंडार है, लेकिन उन्हें सिनेमा के पर्दे पर पूरी प्रामाणिकता के साथ उतारना बहुत मुश्किल काम होता है। छठ पूजा वाले सीक्वेंस की शूटिंग को याद करते हुए तमन्ना काफी भावुक हो गईं। उन्होंने कहाः ₹फिल्म के लिए जब हम छठ पूजा का सीक्वेंस शूट कर रहे थे, तो मुझे इस महापर्व के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहलू को बहुत करीब से जानने और समझने का मौका मिला। मैं उस माहौल में पूरी तरह डूब गई थी और बेहद इमोशनल हो गई थी। इस पर्व की सबसे खूबसूरत बात यह है कि उगते सूरज की पूजा तो दुनिया में हर कोई करता है, लेकिन ढलते हुए सूर्य को पहला अर्घ्य देना और प्रणाम करना सिर्फ बिहार की संस्कृति में ही संभव है। यह विचार ही अपने आप में बहुत महान है।₹ तमन्ना के इस वक्तव्य ने मंच पर मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया और यह दशार्या कि शूटिंग के दौरान पूरी टीम ने इस परंपरा का कितना सम्मान किया है। एकता कपूर का विजन और भारतीय लोक-संस्कृति की झलक भारतीय मनोरंजन उद्योग में एकता कपूर को हमेशा से ही दर्शकों की नब्ज पहचानने के लिए जाना जाता है। उन्होंने पारिवारिक मूल्यों, भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक ताने-बाने को अपनी कहानियों में बहुत खूबसूरती से पिरोया है। 'द वन' के माध्यम से एक बार फिर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि जब सही इरादे और आस्था के साथ किसी लोक-परंपरा को बड़े पर्दे पर लाया जाता है, तो उसका असर कितना व्यापक होता है। फिल्म के निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा हैं, जिन्हें भारतीय ग्रामीण और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि को पर्दे पर बहुत ही जीवंत और वास्तविक तरीके से दिखाने के लिए जाना जाता है। शोभा कपूर और एकता कपूर के निर्माण तले बनी यह फिल्म अपनी कहानी और विजुअल ट्रीट के लिए पहले से ही काफी सुर्खियां बटोर रही है। लीज डेट के बदलाव और फैंस का लंबा इंतजार 'द वन' के निर्माण से लेकर इसके रिलीज तक का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है।

बिहार में 161 एकड़ में बनेगा नया एयरपोर्ट, वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा, भेजा गया प्रस्ताव

पटना (एजेंसी) बिहार में अब एयर कनेक्टिविटी मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है. इसी क्रम में कैमूर जिले में एयरपोर्ट बनाए जाने की योजना है. खास बात यह है कि कैमूर में बनने वाला एयरपोर्ट वाराणसी-एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा. इससे लोगों को राहत मिल सकेगी. बिहार के कैमूर जिले में एयरपोर्ट बनाने को लेकर सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है. इससे कैमूर जिले के साथ-साथ इसके आस-पास के जिले में रह रहे लोगों को भी फायदा हो सकेगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खुद ही कुछ महीने पहले ही कैमूर जिले में एयरपोर्ट बनाए जाने की बात कही थी. मुख्यमंत्री ने खुद किया था ऐलान कैमूर जिले के मां मुंडेश्वरी धाम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इसी कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट बनाए जाने की बात कही थी. सीएम के इस

ऐलान के बाद जिला प्रशासन एक्शन मोड में है. एयरपोर्ट निर्माण के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है. एयरपोर्ट बनाने के लिए जमीन का चयन भी कर लिया गया है. कैमूर जिले में पर्यटन को बढ़ावा कैमूर जिले में एयरपोर्ट का बनना इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि जिले में पर्यटन को खास तौर पर बढ़ावा मिल सकेगा. एयरपोर्ट के बनने से पूरे शाहाबाद इलाके में कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. कैमूर जिले में कई डैम और वॉटरफॉल हैं, जहां काफी संख्या में लोग घूमने पहुंचते हैं. कैमूर जिले में प्रसिद्ध मां मुंडेश्वरी धाम, तेलहर कुंड, दुर्गावदी जलाशय डैम, करकटगढ़ वॉटरफॉल, करमचट डैम, जगदहवा डैम समेत कई घूमने की जगहें हैं, जहां लोग अब आसानी से पहुंच सकेंगे. सरकार को भेजा गया प्रस्ताव जानकारी के मुताबिक, वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे के पास में ही कैमूर एयरपोर्ट बनेगा. यह इस प्रोजेक्ट की खासियत मानी जा रही है. एक्सप्रेसवे के पास में ही लगभग 161 एकड़ की जमीन चिन्हित की गई है. कैमूर जिला प्रशासन की ओर से इस जमीन पर एयरपोर्ट बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है. इस पर मंजूरी मिलने के बाद ही आगे की प्रक्रिया की जाएगी. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इस इलाके में जमीन चिन्हित बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन की ओर से रामपुर प्रखंड के रामपुर, सबार एवं पाली मौजा में 161 एकड़ की जमीन को चिन्हित किया गया है. इस योजना को लेकर कैमूर के डीएम ने हाल ही में अधिकारियों के साथ बैठक की थी. लेकिन फिलहाल मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है. प्रस्ताव स्वीकृत होने पर ही एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू हो सकेगा. कैमूर जिले को फायदा कैमूर जिले में एयरपोर्ट का निर्माण बेहद खास माना जा रहा है. इससे जिले के बुनियादी ढांचे में सुधार, रोजगार, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिल सकेगा. साथ ही कैमूर जिले का जुड़ाव दूसरे राज्यों से आसानी से हो सकेगा. पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी भी हो सकेगी. इस तरह से जिले को एक नई पहचान मिल सकती है.

सर मैं जिंदा हूं... मरने का नाटक किया था..., पढ़िए कैसे युवक ने खुद रची हत्या की साजिश

पटना (एजेंसी) सोचिए, आप जिसे मरा हुआ मान रहे थे, वो खुद थाने पहुंच जाए! बिहार में एक ऐसे ही सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ है, जहां एक युवक ने अपने प्रेम-प्रसंग को बचाने के लिए अपनी ही हत्या की झूठी साजिश रची थी. बिहार पुलिसः मुजफ्फरपुर के देवरिया थाना क्षेत्र में दर्ज करीब चार साल पुराने हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है. पुलिस के अनुसार, जिस सोनू कुमार को मृत मानकर हत्याकांड दर्ज किया गया था, वह शुक्रवार को थाने पहुंच गया. जांच में पुलिस को पता चला कि उसने प्रेम-प्रसंग को बचाये रखने के लिए अपनी हत्या की झूठी साजिश रची थी. मामला वर्ष 2022 का है. गोपालगंज जिले के थावे थाना क्षेत्र निवासी धीरज प्रसाद श्रीवास्तव ने 9 नवंबर 2022 को थावे थाने में आवेदन दिया था. उन्होंने बताया था कि उनके छोटे भाई सोनू कुमार 6 नवंबर को दुकान का सामान खरीदने के लिए 50 हजार रुपये लेकर पटना निकले थे. मोबाइल पर आया था हत्या का संदेश

पुलिस के अनुसार, उसी दिन शाम करीब पांच बजे सोनू के मोबाइल से व्हाट्सऐप पर एक ऑडियो प्राप्त हुआ था. इसमें किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रुपये से भरा बैग छीनने और सोनू की हत्या कर देने की जानकारी दी गयी थी. साथ में खून से लथपथ सिर की तस्वीर भी भेजे जाने की बात कही गयी. आवेदन के आधार पर थावे थाना में शून्य प्राथमिकी दर्ज कर मामला देवरिया थाना भेजा गया. इसके बाद देवरिया थाना में कांड संख्या 25/23 दर्ज कर हत्याकांड की जांच शुरू की गयी. प्रेम-प्रसंग को बचाने के लिए रची साजिश मामले की जांच के लिए एसएसपी मुजफ्फरपुर के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गयी थी. एसपी ग्रामीण के अनुश्रवण और एसडीपीओ सरैया के नेतृत्व में टीम ने मानवीय और तकनीकी पहलुओं से जांच शुरू की. पुलिस के अनुसार, आगे की जांच में सामने आया कि कथित मृतक सोनू कुमार ने अपने प्रेम-प्रसंग को जारी रखने के लिए खुद की हत्या की झूठी कहानी तैयार की थी. जांच में यह भी पता चला कि 6 नवंबर 2022 को ही वह संबंधित युवती को लेकर दूसरे राज्य चला गया था. युवती की मां ने भी दर्ज कराया था

JDU के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में नहीं पहुंचे अनंत सिंह, एक मंच पर दिखे नीतीश-निशांत, चल रही है बैठक

पटना (एजेंसी) जेडीयू की एक खास बैठक शुक्रवार को बुलाई गई है. पार्टी के विधायकों और विधान पार्षदों की मौजूदगी में जेडीयू ऑफिस में बैठक चल रही है. इस बैठक में मोकामा के विधायक अनंत सिंह नहीं पहुंचे हैं. इस बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने के कयास लगाए जा रहे हैं. नीतीश कुमार की अध्यक्षता में जेडीयू के विधायकों और विधान पार्षदों की बैठक चल रही है. यह बैठक पार्टी मुख्यालय के कपूर्री सभागार में चल रही है. इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया. इस दौरान नीतीश कुमार और मंत्री निशांत कुमार एक मंच पर दिखे. संसदीय कार्यप्रणाली के एक्सपर्ट भी शामिल इस मौके पर जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार के अलावा पार्टी के अन्य कई नेता शामिल हुए. जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम में संसदीय कार्यप्रणाली के एक्सपर्ट को भी बुलाया गया है. यह कार्यक्रम पूरे दिन चलने की बात कही जा रही है. कार्यक्रम में नहीं पहुंचे अनंत सिंह जेडीयू के ओरिएंटेशन कार्यक्रम को लेकर गौर करने वाली बात यह भी रही कि मोकामा के विधायक अनंत सिंह इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं. एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में पार्टी के सभी विधायकों और पार्षदों को मौजूद रहना अनिवार्य कहा जा रहा था, लेकिन अनंत सिंह के इसमें शामिल नहीं होने से कई तरह की चर्चा तेज हो गई है. इन मुद्दों पर दी जा सकती है ट्रेनिंग इस कार्यक्रम को लेकर बताया जा रहा है कि मुख्य रूप से विधायकों और विधान पार्षदों को ट्रेनिंग दी जाएगी. नेताओं को विधायी जिम्मेदारी, सदन की कार्यवाही, क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को सदन में कैसे उठाया जाए, कानून कैसे बनता है, नए विधायी बदलाव, बजट और राज्य की अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रेनिंग मिलने की बात सामने आई थी. मंत्री जमा खान का बयान ओरिएंटेशन कार्यक्रम को लेकर जेडीयू कोटे से मंत्री जमा खान ने कहा, हमारी पार्टी के मीटिंग होती रहती है. अनंत सिंह के नहीं आने पर कहा कि कोई नाराजगी नहीं है. ऐसी बातें सिर्फ बाहर रहने वाले लोग करते हैं.

पटना सिविल कोर्ट को मिली बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया जा रहा परिसर, सर्च ऑपरेशन शुरू

पटना (एजेंसी) पटना सिविल कोर्ट को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है. इस सूचना से हड़कंप मच गया है और पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो ई हैं. कोर्ट परिसर को खाली कराकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. पटना सिविल कोर्ट को शुक्रवार को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायिक परिसर में हलचल मच गई. सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर को खाली कराया गया और मुख्य गेट बंद कर लोगों की आवाजाही रोक दी गयी. पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने पूरे परिसर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया. कोर्ट भवन,

पार्किंग और आसपास के हिस्सों की भी जांच की जा रही है. धमकी मिलते ही खाली कराया गया कोर्ट परिसर पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गयीं. एहतियात के तौर पर न्यायिक परिसर को खाली कराया गया और लोगों की आवाजाही रोक दी गयी. मुख्य गेट भी बंद कर दिया गया.बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने संभाला मोर्चा धमकी के बाद पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को कोर्ट परिसर में तैनात किया गया. टीमों ने कोर्ट भवन के अलग-अलग हिस्सों की जांच शुरू की. पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों में भी संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की जा रही है. पूरे परिसर में चल रहा सर्च ऑपरेशन सुरक्षा टीमों की ओर से पूरे न्यायिक परिसर की सघन तलाशी ली जा रही है. जांच पूरी होने तक परिसर में प्रवेश पर रोक लगायी गयी है. फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां धमकी की सूचना को लेकर सभी जरूरी सावधानियां बरत रही हैं. पहले भी मिल चुकी हैं कोर्ट को धमकियां पटना की अदालतों को इससे पहले भी ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं. जनवरी 2024 में पटना हाईकोर्ट को धमकी भरा ई-मेल मिला था. पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने परिसर की जांच की थी, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी. 2025 में भी सिविल कोर्ट को मिली थी धमकी अगस्त 2025 में पटना सिविल कोर्ट को ई-मेल के जरिए आरडीएक्स-आईईडी विस्फोट की धमकी दी गयी थी. इसके बाद कोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया और सुरक्षा बढ़ायी गयी थी

एलिवेट कैंपस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

एलिवेट कैंपस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 343-362 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार तीन दिन का सार्वजनिक निर्गम 25 सितंबर को बंद होगा। शेयर के 30 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक नहीं है। कंपनी उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर के भीतर छात्र आवास सुविधाओं का स्वामित्व, संचालन और प्रबंधन करती है। इसके पास के-12 शिक्षा से जुड़ी परिसंपत्तियां भी हैं।एलिवेट कैंपस अपने मंच के जरिये संस्थानों को छात्र आवास, भोजन, सुरक्षा और परिसर संचालन सहित एकीकृत गैर-शैक्षणिक सेवाएं उपलब्ध कराती है।निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल के-12 संस्थाओं और परिसरों के अधिग्रहण, कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

सरकारी बैंकों के विलय का वायरल दावा फर्जी, सरकार ने लोगों को किया सतर्क

पीआईबी फैक्ट चेक ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स के तीन बड़े बैंकों में विलय संबंधी दस्तावेज को बताया नकली

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया पर इन दिनों सरकारी बैंकों के विलय से जुड़ा एक दस्तावेज तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स (पीएसबी) को तीन बड़े बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा में मिलाने का फैसला किया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस दावे को फर्जी बताया है और लोगों को ऐसी भ्रामक खबरों से सतर्क रहने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने इस वायरल दस्तावेज की जांच के बाद इसे फर्जी करार दिया है। पीआईबी के अनुसार, यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय ने जारी नहीं किया है। दरअसल, दो पेज के इस नकली गजट में दावा किया गया था कि इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को मिलाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रुप बनाया जाएगा। इसी तरह, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक को पंजाब नेशनल बैंक में, जबकि केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूको बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय करने की बात कही गई थी। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली ऐसी खबरों पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी सरकारी फैसले की जानकारी के लिए आधिकारिक और भरोसेमंद स्रोतों को ही देखें। फिलहाल ग्राहकों को अपने बैंक खाते, जमा पैसे या बैंकिंग सेवाओं को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

सोना 84 रुपए और चांदी 1170 रुपए महंगी

सोना 1,53,065 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,39,375 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 84 रुपये चढ़कर 1,53,065 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, जबकि चांदी 1170 रुपये की तेजी के साथ 2,39,375 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया। अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स बाजार में सोना हल्की गिरावट के साथ 4397 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि चांदी 0.63 फीसदी उछलकर 66.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग एक फीसदी की गिरावट और डॉलर के हालिया उच्च स्तर से नीचे आने से सोने को समर्थन मिला है। डॉलर के कमजोर होने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ती है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के आगामी फैसलों पर भी बाजार की नजर है। प्रमुख भारतीय शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत चेन्नई, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 15,283 रुपये प्रति ग्राम रही, जबकि दिल्ली में यह 15,298 रुपये प्रति ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव अधिकांश शहरों में 14,009 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया, वहीं दिल्ली में 14,024 रुपये प्रति ग्राम रहा। 18 कैरेट सोने की दरें चेन्नई में 11,779 रुपये और दिल्ली में 11,482 रुपये प्रति ग्राम थीं।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाया, 7 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद

वैश्विक झटकों के बीच अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती; तेल की ऊंची कीमतें और अल नीनो बन सकते हैं चुनौती

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है, जो पहले छह प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष जैसे वैश्विक झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। हालांकि, उसने तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के संभावित जोखिमों के प्रति आगाह भी किया है। इस वृद्धि के पीछे मजबूत निजी खपत, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहा खर्च, और सेवा क्षेत्र का निरंतर बेहतर प्रदर्शन प्रमुख कारण हैं। मूडीज के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई, जो मजबूत आर्थिक गति का संकेत देती है। एजेंसी ने निजी क्षेत्र के निवेश में संभावित सुधार को भी सकारात्मक माना है। हालांकि, मूडीज ने कुछ जोखिमों के प्रति भी आगाह किया है। एजेंसी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है, तो तेल की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति को उसके 4.8 प्रतिशत के अनुमान से ऊपर ले जा सकती हैं। इसके अलावा, अल नीनो के प्रभाव से खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ने और निजी खपत व आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। एजेंसी ने देश पर कर्ज के उच्च बोझ और ब्याज लागत को भी कर्ज चुकाने की क्षमता के लिए धीमी चुनौती बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत के कच्चे तेल आयात स्रोतों का विविधीकरण और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। मूडीज ने यह भी उम्मीद जताई है कि भारत अन्य जी20 देशों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगा। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में जापान की जेसीआर ने भी 35 साल बाद भारत की रेटिंग को ए- तक बढ़ाया था, जो देश की मजबूत आर्थिक स्थिति का एक और प्रमाण है। आरबीआई के अनुमान से अधिक, वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

कच्चे तेल में तीसरे दिन भी नरमी

ब्रेंट क्रूड आयल 104 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शुक्रवार गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, सऊदी अरब से तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका कम होने से बाजार को राहत मिली है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड लगभग 1 फीसदी गिरकर 103.77 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 100.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द बहाल होने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह ड्रोन हमले के बाद इस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा था, जिससे आपूर्ति प्रभावित होने का डर था।

साथ ही, सऊदी अरब ओमान के सोहर बंदरगाह के जरिए एशियाई खरीदारों को वैकल्पिक रास्ते से तेल पहुंचा रहा है, जिससे बाजार में तेल की कमी का खतरा कुछ कम हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार है, लेकिन बाजार का ध्यान अब वास्तविक तेल आपूर्ति पर है। पिछली तेजी के बाद मुनाफावसूली भी हुई है।

ब्रेंट क्रूड अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, और आपूर्ति जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अगर पाइपलाइन की मरम्मत में देरी हुई या क्षेत्र में कोई नया बड़ा हमला हुआ तो कीमतें फिर से तेजी पकड़ सकती हैं।

भारतीय उत्पादों का ग्लोबल फेस्टिवल, घरेलू बिक्री 5 साल के शिखर पर

त्योहारी रौनक ने खाद्य उत्पाद, वस्त्र और हस्तशिल्प की मांग बढ़ाई

नई दिल्ली ।

गणेशोत्सव से शुरू हुए त्योहारी सीजन ने घरेलू बाजारों में खरीदारी का उत्साह पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। साथ ही, दुनिया भर में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग ने निर्यात को भी नया आयाम दिया है। देश में मिठाई, कपड़े और सजावटी सामान की बिक्री में तेजी है। वहीं, अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और भारतीय प्रवासी बहुल बाजारों में भारतीय स्वाद, संस्कृति और उत्पादों, जैसे खाद्य पदार्थ, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प की मांग में भारी इजाफा हुआ है। अगस्त में भारत का माल निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 43.8 बिलियन डॉलर रहा, जिसमें त्योहारी ऑर्डर और अमेरिकी मांग ने अहम भूमिका निभाई। यूरोप में भारतीय खाद्य उत्पादों के ऑर्डर 20 फीसदी तक बढ़े हैं, जबकि अमेरिका में टेक्सटाइल और तैयार कपड़ों के ऑर्डरों में 30-40 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के अनुसार, 52 फीसदी परिधान निर्माताओं को बेहतर बिक्री की उम्मीद है। मावा की मिठाइयों की मांग 145 फीसदी बढ़ी है, जिसमें खाड़ी देश एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरे हैं। कुवैत, ओमान और बहरीन में मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, नमकीन और मसालों की लगातार खरीद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और चीन पर निर्भरता कम होने से भारतीय निर्यातकों को नए अवसर मिल रहे हैं। छोटे शहरों में भी कारोबार तेज होने से समग्र बाजार भावना सकारात्मक बनी हुई है।

शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद

सेंसेक्स 19 अंक गिरा, निफ्टी 75 अंक उछला

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेतों और आईटी शेयरों में गिरावट से बाजार उठ नहीं पाया। आज केवल व्यापक बाजार ने ही बाजार में गिरावट पर अंकुश लगाये रखा। बेंचमार्क इंडेक्स दिनभर एक सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आए।

दिन भर के कारोबर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स

19.63 अंक नीचे आकर 74,294.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.80 अंक की बढ़त लेकर 23,346.40 के स्तर पर बंद हुआ। .

यह पहली बार है जब निफ्टी 23,300 के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ है। आज कारोबार में छोटे और मझोले शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.24 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.74 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

आज दिग्गज शेयरों में खरीदारी भी रही। निफ्टी पर अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

वहीं मेटल, रियलिटी, ऑयल एंड गैस, सीमेंट और केमिकल सेक्टर्स में आज सबसे ज्यादा तेजी रही। . कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में गिरावट से इन क्षेत्रों को सहारा मिला जबकि आईटी सेक्टर में

आज सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई और यह बाजार पर दबाव बनाने का काम करता रहा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। वैश्विक संकेतों और तेल की कीमतों में कमी आने से प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला और वे हरे निशान पर खुल गए, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.37 अंकों की बढ़त के साथ 74,479.96 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 52.35 अंक बढ़कर 23,322.95 पर खुला।

जापान ने भी बढ़ाई ब्याज दर, 31 साल का रिकॉर्ड टूटा

बैंक ऑफ जापान ने मुख्य दर बढ़ाकर 1.25 फीसदी की

नई दिल्ली ।

जापान के केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ जापान ने महंगाई पर लगाम लगाने और अपनी कमजोर मुद्रा येन को सहारा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को बैंक ने अपनी मुख्य ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए इसे 1.25 फीसदी कर दिया। यह पिछले 31 सालों में जापान में ब्याज दर का सबसे उच्चतम स्तर है, जो अंतिम बार 1995 में इस स्तर पर थी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वैश्विक ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध और घरेलू चुनौतियों से जापान की अर्थव्यवस्था जूझ रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई और विशेषकर ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल व गैस की कीमतों में आए उछाल ने जापान पर भारी दबाव डाला है। जापान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान का सीधा असर उस पर पड़ता है। देश पहले से ही तीनहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है - लगातार कमजोर होता येन, बढ़ती कीमतें और घटता कार्यबल। ऊर्जा महंगी होने से जापान का आयात बिल बढ़ रहा है, जिसका सीधा बोझ आम लोगों पर पड़ने की आशंका है। लंबे समय तक जापान अपनी बेहद कम ब्याज दरों के लिए जाना जाता था, जहां दशकों तक कीमतों में गिरावट (डिफ्लेशन) एक बड़ी समस्या थी। बैंक ऑफ जापान ने 2024 तक (नकारात्मक -0.1 फीसदी) जैसी बेहद कम दरों पर भी काम किया है। हालांकि, अब हालात बदल रहे हैं; पिछले ढाई सालों में बैंक ने छह बार दरें बढ़ाई हैं, जो अब 1.25 फीसदी पर पहुंच गई हैं। यह दिखाता है कि देश अब बढ़ती कीमतों की नई चुनौती का सामना कर रहा है। हालिया सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में जापान की मुख्य महंगाई दर 1.7 फीसदी रही, जो जुलाई के 1.8 फीसदी से थोड़ी कम है, लेकिन बैंक ऑफ जापान के 2 फीसदी के लक्ष्य के करीब बनी हुई है। दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले जापान में महंगाई बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन जापान के लिए लगातार बढ़ती कीमतें पिछले कुछ दशकों के मुकाबले एक बड़ा बदलाव हैं। जापानी येन पिछले कई महीनों से दबाव में है और अगस्त में यह 40 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था। येन की गिरावट को रोकने के लिए जापान और अमेरिका को बाजार में संयुक्त हस्तक्षेप करना पड़ा था। आम तौर पर किसी देश में ब्याज दर बढ़ने से उसकी मुद्रा को मजबूती मिलती है क्योंकि विदेशी निवेशकों के लिए वहां निवेश करना अधिक आकर्षक हो जाता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.93 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में खरीदारी और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में तेज बढ़ोतरी के बाद कच्चे तेल की कीमतों के 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भारतीय मुद्रा पर दबाव कम हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा मजबूत होकर 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे मजबूत होकर 95.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सिंगापुर-भारत व्यापार को नई दिशा देगा एसआईसीसीआई- मेनन

सिंगापुर ।

सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रदीप मेनन ने संगठन की नई रणनीतिक रूपरेखा का अनावरण किया है। इसके तहत एसआईसीसीआई भारत सरकार, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करना और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देना है। मेनन ने बताया कि अगले तीन से छह महीनों में, एसआईसीसीआई भारत के नेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा।

संगठन प्रमुख भारतीय राज्यों में लक्षित व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भेजेगा, जिसकी शुरुआत तमिलनाडु से होगी, ताकि सिंगापुर स्थित कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर खोले जा सकें। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाले संबंध पर जोर दिया।

मेनन के अनुसार भारतीय कंपनियों को सिंगापुर से कारोबार की उत्पादकता बढ़ाने वाली विशेषज्ञता मिलती है, जबकि सिंगापुर की कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और प्रतिभा के बड़े समूह तक पहुंच मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सिंगापुर के लिए मानव संसाधन का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रतिभा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। एसआईसीसीआई का लक्ष्य क्षेत्रीय पूंजी के लिए सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका को भी मजबूत करना है, विशेष रूप से आसियान निवेशकों के लिए जो भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में पारदर्शी निवेश करना चाहते हैं। मेनन ने पिछले महीने ही एसआईसीसीआई के सीईओ का पद संभाला है; वह 2003 से 2010 तक भी इस पद पर रह चुके हैं।

टाटा संस पर आरबीआई फैसले का शापूर मिस्त्री ने किया स्वागत

- मिस्त्री ने कहा- यह कदम कंपनी में जवाबदेही बढ़ाएगा, शेयरधारकों और ट्रस्ट के बीच बनेगा पुल

नई दिल्ली ।

शापूरजी पल्लोनजी समूह के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने टाटा संस को अपर-लेयर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (बीएफसी) के नियमों के तहत लाने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत किया है। मिस्त्री ने इस कदम को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण बताया, जिससे इसके सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उनके परिवार के स्वामित्व वाले शापूरजी पल्लोनजी समूह की टाटा संस में लगभग 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आरबीआई ने 11 सितंबर को टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया था और उसे नियामक ढांचे का पालन करने का निर्देश दिया था। इस फैसले से वर्षों से निजी स्वामित्व वाली कंपनी का दर्जा बनाए रखने के प्रयासों के बाद, अब टाटा संस के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है। मिस्त्री ने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले को किसी एक हिस्सेदार की दूसरे पर जीत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टाटा संस की सूचीबद्धता शेयरधारकों और टाटा ट्रस्ट्स के बीच तथा निजी स्वामित्व एवं सार्वजनिक जवाबदेही के बीच एक सेतु बन सकती है। मिस्त्री ने आगे कहा कि सूचीबद्धता से होल्डिंग कंपनी के मूल्य के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, व्यावसायिक कामकाज मजबूत होगा और टाटा ट्रस्ट्स की परोपकारी गतिविधियों के लिए मूल्य का अधिक टिकाऊ प्रवाह सुनिश्चित होगा।

सत्य नडेला ने सराही भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई पर दिया जोर

सिएटल में आइडियाज4इंडिया फोरम में 40 से अधिक भारतीय मूल के टेक सीईओ और सीटीओ हुए शामिल

न्यूयॉर्क ।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने सिएटल में भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी समुदाय और भारत के साथ इसके बढ़ते मजबूत संबंधों की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) ¬को एक ऐसी सामान्य उपयोग वाली प्रौद्योगिकी बताया, जिसके लाभ इसके व्यापक अपनाने पर निर्भर करेंगे। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित आइडियाज4इंडिया¬ इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम¬ अनलॉकिंग द टेक डिविडेंड कार्यक्रम में नडेला ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भारतीय मूल के सीईओ को संबोधित किया।

उन्होंने पिछले 35 वर्षों में सिएटल के प्रौद्योगिकी समुदाय की प्रगति और भारत के साथ उसके संबंधों के सुदृढ़ीकरण पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने भारतीय मूल के सीईओ तथा कार्यक्रम के अन्य प्रतिभागियों की भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को और गहरा करने की मजबूत इच्छा का स्वागत किया। क्वात्रा ने दोहराया कि भारत का एआई मिशन समावेशिता, खुलेपन, संप्रभुता, सभी के लिए समान पहुंच, सुरक्षा और भरोसे के सिद्धांतों पर मजबूती से आधारित रहेगा। इस विशेष कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, बोइंग, ओपनएआई, एंथ्रोपिक और इंटेल जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के 40 से अधिक भारतीय मूल के सीईओ और सीटीओ शामिल हुए। इनमें से कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से कार्यरत हैं।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने आर. माधवन को बनाया ब्रांड एंबेसडर, नथिंग स्मॉल अबाउट अस कैंपेन शुरू

रांची : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उज्जीवन एसएफबी) ने अपना नया ब्रांड अभियान नथिंग स्मॉल अबाउट अस (हमारे बारे में कुछ भी छोटा नहीं) शुरू करने की घोषणा की है। इस अभियान में मशहूर अभिनेता और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित आर. माधवन को बैंक का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। बैंक 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 800 से अधिक शाखाओं के माध्यम से 1 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को सेवाएँ दे रहा है।

यह अभियान ग्राहकों की एक महत्वपूर्ण धारणा पर आधारित है। कई बार स्मॉल यानि छोटा शब्द से यह धारणा बन सकती है कि बैंक मुख्य रूप से छोटी रकम की वित्तीय जरूरतों को पूरा करता है, उसके बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की संख्या सीमित है या उसका कारोबार छोटे स्तर पर है। हमारे बारे में कुछ भी छोटा नहीं अभियान के जरिए बैंक की मौजूदा व्यापक क्षमता और पहुंच को सामने लाने की कोशिश की गई है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड बचत, जमा (डिपॉजिट), लोन और बिजनेस बैंकिंग से लेकर फॉरेक्स, एनआरआई सेवाओं के साथ-साथ निवेश और वेल्थ सॉल्यूशंस जैसी संपूर्ण बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है। ग्राहकों की अलग-अलग वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके लोन की सीमा 6,000 रुपए से लेकर 250 करोड़ रुपए तक है।

इस कैंपेन पर बात करते हुए, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ), लक्ष्मण वेलायुथम ने कहा, दरअसल नथिंग स्मॉल अबाउट अस की सोच ग्राहकों के बीच मिली एक वास्तविक समझ से निकली है। हमने पाया कि नाम में स्मॉल होने से कभी-कभी यह धारणा बन जाती है कि हमारे प्रोडक्ट्स, लोन की रकम या हमारा दायरा सीमित हो सकता है। आज का उज्जीवन इस सोच से बिल्कुल अलग है। हमारे पास एक विस्तृत ब्रांच नेटवर्क है और ग्राहकों की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंकिंग व लोन सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला मौजूद है। आर. माधवन की वर्षों से बनी विश्वसनीयता, सादगी और भरोसा, हमारे इस संदेश को लोगों तक पहुँचाने के लिए बिल्कुल सटीक हैं।

दक्षिण अफ्रीका में 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेकर रांची लौटे विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, वैश्विक मंच पर रखी झारखंड की बात

बिभा संवाददाता

रांची: दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) में सहभागिता के बाद झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो शुक्रवार दोपहर दिल्ली होते हुए रांची लौट आए। वे सम्मेलन में बतौर डेलीगेट शामिल हुए थे। उनके साथ ऑब्जर्वर के रूप में गए विधायक मथुरा प्रसाद महतो और विधायक दशरथ गागराई 20 सितंबर को लौटेंगे। यह दल 9 सितंबर को रांची से रवाना हुआ था।

सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने दो प्रमुख कार्यशालाओं में वैश्विक पटल पर अपने विचार रखे। कार्यशाला-बी (एक्सेसिबल पार्लियामेंट्सः इनक्लूजन फॉर पीपल विद डिसेबिलिटीज) में उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन लोकतंत्र में केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक, मतदाता, प्रतिनिधि और निर्णायक हैं। उन्होंने भारत में संचालित यूडीआईडी कार्ड, 'सुगम्य भारत अभियान' और झारखंड के 2024 चुनावों में दिव्यांग मतदाताओं को घर से वोट देने व मतदान केंद्रों तक वाहन सुविधा जैसे कदमों का प्रमुखता से उल्लेख किया।

कार्यशाला-सी (पार्लियामेंट्री लीडरशिप इन क्लाइमेट अडैप्टेशन एंड रेजिलिएंस) में रबीन्द्र नाथ महतो को भारत की ओर से 'लीड स्पीकर' की अहम जिम्मेदारी दी गई, जहां उनके सुझावों को आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल कर अनुशंसित किया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जलवायु अनुकूलन केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आजीविका, विकास और जनसुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। संसदें केवल बहस के मंच न रहकर संकट पूर्व तैयारियों के केंद्र बनें।

झारखंड के संदर्भ में उन्होंने राज्य के जल, जंगल, खनिज और आदिवासी समुदायों की आजीविका के बीच संतुलन साधते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनुरूप जलवायु नीतियां और बजट तय करने पर बल दिया। रांची आगमन पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन से मिले वैश्विक अनुभवों और श्रेष्ठ संसदीय प्रक्रियाओं को झारखंड विधानसभा की कार्यप्रणाली में लागू कर सदन को अधिक समावेशी, प्रभावी और जनोन्मुख बनाया जाएगा।

झारखंड का शानदार विजय अभियान जारी, सैनिक स्कूल इम्फाल को 3-0 से दी शिकस्त

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली। सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल टूर्नामेंट में झारखंडबालक अंडर 17 की टीम ने एक बार फिर अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सैनिक स्कूल इम्फाल को 3-0 गोल से पराजित कर मुकाबला अपने नाम किया। तेजस मैदान, एयरफोर्स, नई दिल्ली में खेले गए इस मुकाबले में झारखंड की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और पूरे मैच के दौरान विपक्षी टीम पर अपना दबदबा कायम रखा।

मैच के शुरूआती मिनटों से ही झारखंड के खिलाड़ियों ने तेज गति से खेलते हुए सैनिक स्कूल इम्फाल की रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया। झारखंड के खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन पासिंग, तालमेल और टीमवर्क देखने को मिला। लगातार हमलों के बीच अनीश कुजूर ने शानदार गोल कर झारखंड को शुरूआती बढ़त दिलाई।

बढ़त मिलने के बाद झारखंड के खिलाड़ियों ने आक्रमण की धार को और तेज कर दिया। शुभम ने बेहतरीन फिनिशिंग करते हुए दूसरा गोल दागा और झारखंड की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद सेंगल सुकल मुंडा ने शानदार गोल कर झारखंड के खाते में तीसरा गोल जोड़ा। तीन गोल की बढ़त के बाद भी झारखंड ने खेल में ढिलाई नहीं बरती और लगातार विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा।

दूसरी ओर, झारखंड की रक्षापंक्ति ने भी पूरे मुकाबले में शानदार अनुशासन का परिचय दिया। डिफेंडरों और गोलकीपर के बीच बेहतरीन समन्वय के कारण सैनिक स्कूल इम्फाल की टीम झारखंड के गोल पोस्ट तक पहुंचने में सफल नहीं हो सकी। झारखंड ने पूरे मुकाबले में क्लीन शीट बरकरार रखते हुए 3-0 से जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ झारखंड के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और मनोबल और मजबूत हुआ है। टीम ने लगातार मुकाबलों में आक्रामक खेल के साथ-साथ मजबूत डिफेंस का भी प्रदर्शन किया है। चारों ओर से मिल रहे उत्साह और समर्थन के बीच झारखंड की टीम अब अपने अगले मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है।

केरल से होगी झारखंड की भिड़ंत

टूर्नामेंट में झारखंड का अगला मुकाबला कल केरल की टीम के साथ होगा। सैनिक स्कूल इम्फाल के खिलाफ मिली शानदार जीत के बाद झारखंड की टीम बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। खिलाड़ियों का लक्ष्य अगले मुकाबले में भी बेहतर तालमेल, अनुशासन और आक्रामक फुटबॉल के साथ मजबूत प्रदर्शन करना होगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मध्य रेल में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का आगाज, 6300 स्वच्छता लक्षित इकाइयों के निस्तारण का लक्ष्य

हाजीपुरः रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर में स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान की विधिवत शुरूआत हो गई है। महाप्रबंधक डिंपी गर्ग ने अपर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्षों और कर्मियों की उपस्थिति में इस पखवाड़े का शुभारंभ किया। यह विशेष अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों, कारखानों और इकाइयों में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। अभियान के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026, कचरे को स्त्रोत पर ही चार श्रेणियों में अलग करने के प्रति जागरूकता, नुक्कड़ नाटक, ज्ञान यात्रा, हेरिटेज स्टेशनों की सफाई, कबाड़ से जुगाड़ और कबाड़ से कला जैसी रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही रेलवे कॉलोनियों में डोर-टू-डोर जन-जागरूकता अभियान चलाने के अलावा सफाई मित्रों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएंगे। रेलवे बोर्ड ने इस अभियान के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल को कुल 6300 स्वच्छता लक्षित इकाइयों को चिन्हित कर उनके समुचित निस्तारण का लक्ष्य दिया है। इसके तुरंत बाद 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक रेलवे में स्वच्छता पखवाड़ा का भी आयोजन किया जाएगा।

रांची रेल मंडल में इंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट-2026 का आगाज, डीआरएम ने किया शुभारंभ

रांचीः रांची रेल मंडल में कर्मचारियों के बीच खेल भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहली बार इंटर डिपार्टमेंटल स्पोर्ट्स मीट-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। दक्षिण पूर्व रेलवे खेल संघ (सेरसा), रांची के तत्वावधान में आयोजित इस खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन शुक्रवार को हटिया स्थित हॉकी स्टेडियम में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सह अध्यक्ष (सेरसा) करुणा निधि सिंह एवं सेरसा अध्यक्षा निधि सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना और थीम सॉन्ग पर सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुई। इस दौरान प्रतिभागी टीमों ने स्काउट एवं गाइड के बैंड की धुन पर शानदार मार्च पास्ट किया। अतिथियों ने सेरसा/रांची के आधिकारिक प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया और आसमान में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की। उद्घाटन के पहले दिन एथलेटिक्स ट्रैक पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इसमें महिला एवं पुरुष रेल कर्मियों के लिए 100 मीटर दौड़ तथा पुरुष वर्ग के लिए 400 मीटर रिले दौड़ आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डीआरएम करुणा निधि सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक तंदुरुस्ती बनाए रखते हैं, बल्कि कार्यस्थल पर टीम भावना, अनुशासन और आपसी सौहार्द को भी मजबूत करते हैं। समारोह में सर्वो रांची की उपाध्यक्षा अजीता रानी, अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीना, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजू तिर्की, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सह मंडल क्रीड़ा अधिकारी राजा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्रेया सिंह सहित बड़ी संख्या में रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांच दिन के उपचार के बाद सदर अस्पताल से डिस्चार्ज हुए देवेन्द्र नाथ महतो

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी में निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे देवेन्द्र नाथ महतो को पांच दिनों के उपचार के बाद गुरुवार को सदर अस्पताल, रांची से डिस्चार्ज कर दिया गया। स्वास्थ्य में गंभीर कमजोरी के कारण उन्हें 13 सितंबर 2026 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के अनुसार, लंबे समय तक नियमित खान-पान और पर्याप्त आराम नहीं मिलने के कारण उनके शरीर में अत्यधिक थकान और कमजोरी की स्थिति बनी थी। जांच के दौरान कैल्शियम और विटामिन-डी की कमी के कारण नसों और मांसपेशियों में जकड़न तथा खिंचाव की समस्या भी सामने आई। अस्पताल से छुट्टी देते समय चिकित्सकों ने उन्हें नियमित उपचार के साथ पर्याप्त आराम करने और संतुलित खान-पान लेने की सलाह दी है। अस्पताल से बाहर आने के बाद देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि शरीर थक चुका है, लेकिन छात्रों के भविष्य और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था की लड़ाई कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। महतो ने आंदोलन को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों के हित और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई जाती रहेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लिया एसआईआर प्रक्रिया का जायजा, 'जीरो एरर' मतदाता सूची बनाने के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

गुमलाः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने शुक्रवार को गुमला जिले के सिसई, गुमला एवं बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत चल रहे दावा-आपत्ति एवं सुनवाई कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों द्वारा किए जा रहे दस्तावेज सत्यापन और मतदाताओं को दी जा रही बुनियादी सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की।

सीईओ ने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग का लक्ष्य पूरी तरह त्रुटिरहित (जीरो एरर) मतदाता सूची तैयार करना है। एसआईआर के तहत तैयार किए जा रहे ये दस्तावेज भविष्य में स्थायी रिकॉर्ड के रूप में संरक्षित रहेंगे, इसलिए हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए गहन सत्यापन अनिवार्य है। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के मतदाताओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जनजातीय समूह के कई दस्तावेज सरकारी कार्यालयों व विभागों के अभिलेखों में पहले से मौजूद हैं, जिनका नियमानुसार उपयोग कर सत्यापन प्रक्रिया को आसान बनाया जाए। किसी भी पात्र भारतीय नागरिक को असुविधा न हो और उन्हें जरूरी प्रपत्रों की पूरी जानकारी दी जाए।

भीड़ नियंत्रण और पारदर्शिता के लिए उन्होंने सुनवाई केंद्रों पर अनिवार्य रूप से टोकन सिस्टम लागू करने को कहा, ताकि प्रत्येक मतदाता को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने समयबद्ध तरीके से सभी दावों और आपत्तियों के निष्पादन का निर्देश देते हुए कहा कि दूरस्थ व आदिवासी क्षेत्रों में मतदाताओं से बेहतर समन्वय बनाकर काम किया जाए।

आसनसोल मंडल में राजभाषा प्रदर्शनी और हिंदी वाक् प्रतियोगिता आयोजित, डीआरएम ने एआई के सदुपयोग पर दिया जोर

बिहान भारत

आसनसोलः पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में 'राजभाषा पखवाड़ा-2026' के तहत शुक्रवार को मंडल कार्यालय स्थित दामोदर सभाकक्ष में राजभाषा प्रदर्शनी और हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देना और कर्मियों को इसके प्रति प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के पहले सत्र में आयोजित राजभाषा प्रदर्शनी में मंडल के विभिन्न विभागों ने हिंदी में किए जा रहे पत्राचार, फाइलों के संधारण और विभागीय कार्यों की प्रभावी झलक प्रस्तुत की। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) संग्रह मौर्य ने सभी विभागों के प्रयासों की सराहना की। डीआरएम ने कर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आधुनिक दौर में विभिन्न ऐप्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) आधारित टूल्स का उपयोग कर कार्यालयी कामकाज हिंदी में अधिक सहजता, सरलता और कम समय में निपटाया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि एआई से तैयार सामग्री का मानवीय सत्यापन और व्याकरणिक शुद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि काम की गुणवत्ता और प्रामाणिकता बनी रहे।

दूसरे सत्र में आयोजित हिंदी वाक् प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के रेल कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और निर्धारित विषय पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक देवव्रत चटर्जी, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (सामान्य), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी और राजभाषा अधिकारी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि पखवाड़े भर चलने वाली प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रतिभागियों और विभागों को समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। अंत में राजभाषा अधिकारी सालुका लागुरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राज्य स्तरीय जवाहर लाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता आज से रांची में, 16 जिलों की 43 टीमें दिखाएंगी दम

बिभा संवाददाता

रांचीः स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जवाहर लाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता 19 से 21 सितंबर 2026 तक राजधानी रांची में आयोजित की जाएगी। इस तीन दिवसीय प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता में राज्य के 16 जिलों की कुल 43 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूनार्मेंट में अंडर-15 बालक, अंडर-17 बालक और अंडर-17 बालिका वर्ग के उदीयमान खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता के सभी मैच मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, रांची के मैदान पर खेले जाएंगे। टूनार्मेंट में भाग लेने वाली सभी टीमें रांची पहुंच चुकी हैं। 18 सितंबर की शाम 7:00 बजे तक सभी खिलाड़ियों का निबंधन, आवश्यक दस्तावेज सत्यापन और स्वास्थ्य जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। आयोजन समिति ने टीमों के ठहरने, भोजन, खेल मैदान और तकनीकी व्यवस्थाओं से जुड़ी सभी तैयारियां मुकम्मल कर ली हैं। प्रतियोगिता के सुचारू संचालन को लेकर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग एवं झारखंड हॉकी के सीईओ रजनीश कुमार ने विभिन्न जिलों से आए कोच व टीम प्रबंधकों के साथ बैठक की। बैठक में नियमों, मैच शेड्यूल और जरूरी दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रतियोगिता से स्कूली स्तर पर जमीनी हॉकी प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय फलक तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत मंच मिलेगा।

रेलवे ने मुकुटबन और गढ़चंदूर के बीच 38.21 कि.मी. लंबी नई रेल लाइन के लिए 493 करोड़ रुपये स्वीकृति

बिहान भारत

नई दिल्ली : क्षेत्रीय रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने और यात्रियों और माल की तेज और अधिक कुशल आवाजाही को सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे में मुकुटबन (आदिलाबाद) और गढ़चंदूर के बीच 38.21 कि.मी. लंबी नई रेल लाइन के निर्माण के लिए 493 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दे दी है।

यवतमाल जिले का मुकुटबन और चंद्रपुर जिले का गडचंदूर महत्वपूर्ण औद्योगिक और खनन केंद्र हैं, जो कई सीमेंट प्लांटों, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कोयला खदानों और आसपास की चूना पत्थर खदानों को सेवाएं प्रदान करते हैं। नई रेल लाइन इन औद्योगिक समूहों को रेल कनेक्टिविटी सुदृढ़ करेगी और माल ढुलाई को अधिक कुशल बनाएगी।

नई रेल लाइन से यात्रा की दूरी, परिवहन समय और लागत में कमी आएगी और यह एक छोटा और अधिक कुशल रेल मार्ग प्रदान करेगी। वर्धा-मानिकगढ़ खंड पर भीड़ कम करने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगी, जिससे माल ढुलाई सुचारू रूप से हो सकेगी।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना के चालू होने के बाद प्रतिदिन दोनों दिशाओं में दो-दो मेमू ट्रेनों के साथ 6.08 मीट्रिक टन प्रति वर्ष माल ढुलाई यातायात को संभालने की उम्मीद है। माल ढुलाई यातायात में कोयला और कोक, सीमेंट, स्पंज आयरन, मैटल स्क्रैप, लोहा और इस्पात, उर्वरक और खाद्यान्न आदि वस्तुएं शामिल होने की उम्मीद है।

यह नई लाइन कोयला और सीमेंट क्लस्टर और माजरी-नांदेड़ मार्ग के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे जालना, परभनी, छत्रपति संभाजीनगर और महाराष्ट्र और कर्नाटक के अन्य गंतव्यों की ओर कोयला, सीमेंट और आरएमएसपी यातायात के लिए लगने वाला समय कम हो जाएगा।

इस परियोजना से भीड़भाड़ वाले बलहरशाह-नागपुर हाई-डेंसिटी नेटवर्क (एचडीएन) मार्ग पर निर्भरता कम होगी, साथ ही यवतमाल और चंद्रपुर जिलों के अपेक्षाकृत कम जुड़े क्षेत्रों में रेल संपर्क में सुधार होगा। इससे रेल अवसंरचना में सुधार के माध्यम से क्षेत्र के औद्योगिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

नई रेल लाइन से क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी, आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही सुगम होगी और माल ढुलाई एवं यात्री परिवहन की बढ़ती आवश्यकताओं के लिए एक अतिरिक्त रेल गलियारा उपलब्ध होगा। इस परियोजना से मौजूदा रेलवे नेटवर्क का अधिक कुशल उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ औद्योगिक एवं क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी समर्थन मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र में चौक-कर्जत रेलवे खंड के दोहरीकरण को 497 करोड़ रुपये की लागत की मंजूरी

नई दिल्ली : रेलवे ने महाराष्ट्र में रेल क्षमता बढ़ाने और रेल संचालन में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 497 करोड़ रुपये की लागत से मध्य रेलवे के चौक-कर्जत रेलवे खंड (10.86 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से दोहरीकरण, तिहरीकरण, चौगुनीकरण, फ्लाईओवर और बाईपास कार्यों के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। चौक-कर्जत खंड पनवेल-चौक-कर्जत मार्ग का हिस्सा है, जो यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण गलियारा है। इस खंड को दोहरीकरण करने से मौजूदा एकल-लाइन खंड पर अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी और ट्रेनों की आवाजाही में सुधार होगा। परियोजना पूरी होने पर, इस खंड से प्रतिदिन दोनों दिशाओं में पांच अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के चलने की उम्मीद है। इस परियोजना से प्रति वर्ष 18.35 मिलियन टन (एमटीपीए) अतिरिक्त माल ढुलाई यातायात की उम्मीद है। इससे मालगाड़ियों के विलंब को कम करने में भी मदद मिलेगी। चौक-कर्जत खंड का दोहरीकरण भारतीय रेलवे द्वारा रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने, क्षमता बढ़ाने और यात्री एवं माल ढुलाई में सुधार करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दशार्ता है।

पूर्व रेलवे में स्वच्छ पाठशाला का आयोजन, चारों मंडलों में स्वच्छता और जल संचय को लेकर जागरूकता अभियान

बिहान भारत

कोलकाताः राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत पूर्व रेलवे के सभी चारों मंडलों और तीनों कारखानों में 18 सितंबर को स्वच्छ पाठशाला -स्वच्छता दिवस के लिए युवाह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पाण्डेय ने 17 सितंबर को हावड़ा स्टेशन से किया था। इस वर्ष यह अभियान ह्लस्वच्छता में सहभागः स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्व की थीम पर चलाया जा रहा है।

अभियान के दूसरे दिन स्कूलों और रेलवे स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल संचय संवाद, स्वच्छता ज्ञान यात्रा, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर और नुक्कड़ नाटक जैसी विविध गतिविधियां आयोजित की गईं।

आसनसोल मंडल में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स और रेलवे स्कूलों के छात्रों ने कॉलोनियों में प्रभातफेरी निकाली तथा स्टेशन व डीआरएम कार्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक पेश किए। सियालदह मंडल के तहत सोदपुर, कोलकाता, नैहाटी, कांचरापाड़ा, बैरकपुर और कल्याणी सहित कई स्टेशनों पर यात्रियों को कचरा पृथक्करण और परिसर को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया गया।

हावड़ा मंडल में बामनगाछी, आजिमगंज और बैण्डेल में सफाई मित्रों के लिए सुरक्षा शिविर आयोजित कर उनके स्वास्थ्य की जांच की गई और पीपीई किट बांटी गई। उधर, साहिबगंज रेलवे हाई स्कूल में छात्रों ने स्वच्छता शपथ ली, जबकि मालदा में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने कोचिंग डिपो का भ्रमण कर बायो-टॉयलेट, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और कचरा पुनर्चक्रण की तकनीकी प्रक्रिया को समझा।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि 'स्वच्छ पाठशाला' पहल का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का सक्रिय दूत बनाना है, ताकि वे व्यावहारिक जीवन में टिकाऊ आदतों को अपना सकें।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com